हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

सावन के दूसरे सोमवार को मंदिरों में श्रद्धालुओं का सैलाब

हरिद्वार

रांची

राजधानी रायपुर सहित देशभर के शिवालयों में गूंजा हर-हर महादेव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली/रायपुर

सावन के दूसरे सोमवार को विभिन्न शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही मंदिरों में भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए भक्तों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर बेलपत्र, दूध, पुष्प और अन्य पूजन सामग्री अर्पित की। इस दौरान मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से गूंजते रहे। राजधानी रायपुर के महादेव घाट स्थित हाटकेश्वर महादेव में बड़ी संख्या में भक्त पहुंचे। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। हरिद्वार स्थित हर की पौड़ी में श्रद्धालुओं की भीड़ रही।

रायपुर

वाराणसी

प्रयागराज

सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹114097/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹139350/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹152114/-
Live Rate आनंद ज्वेल्स के मोबाइल ऐप पर चेक करें।
*Conditions apply
aNaND Jewels
Pandri, Raipur

खबर संक्षेप

मॉरीशस की चार दिनों की यात्रा पर नौसेना प्रमुख

नई दिल्ली। नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन ने द्विपक्षीय समुद्री सहयोग को मजबूत करने के लिए सोमवार को मॉरीशस की चार दिवसीय यात्रा शुरू की। एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन मॉरीशस सरकार के शीर्ष नेतृत्व के साथ 'पारस्परिक हित' से जुड़े मुद्दों पर बातचीत करेंगे। इनमें समुद्री सुरक्षा, रक्षा सहयोग, दक्षता विकास और सैन्य सहयोग जैसे विषय शामिल हैं।

उफनते नाले में वाहन बहा, नौ की गई जान

राजगढ़। मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले में सोमवार को भारी बारिश के बीच 11 यात्रियों को ले जा रहा एक वाहन उफनते नाले को पार करने के दौरान तेज बहाव में बह गया, जिससे एक बालिका समेत नौ लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना सारंगपुर कस्बे के पास पदाना बायपास की पुलिया पर हुई। चालक नाले में पानी का तेज बहाव होने के बावजूद गाड़ी पार कराने का प्रयास करने लगा तभी वाहन पानी के तेज बहाव में बह गया।

उत्तरकाशी में 4.2 तीव्रता के भूकंप के झटके

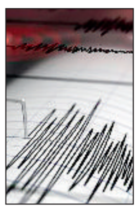

उत्तरकाशी। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के विभिन्न हिस्सों में सोमवार तड़के भूकंप का तेज झटका महसूस किया गया। इसकी तीव्रता 4.2 मापी गयी। फिलहाल कहीं से किसी अप्रिय घटना की जानकारी नहीं मिली है। तड़के एक बजकर 21 मिनट 34 सेकंड पर 4.2 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। भूकंप का केंद्र दस किलोमीटर की गहराई में बड़कोट तहसील के राजगढ़ी क्षेत्र के आसपास रहा।

अधिकारी बनकर घूमने वाला गिरफ्तार

खगड़िया। बिहार के खगड़िया जिले में खुद को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी बताने और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार से संबंध होने का दावा करने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उसके घर से 31 लीटर से अधिक आयातित विदेशी शराब, टेस्ला कार और अन्य कीमती सामान बरामद किया है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान गोगरी थाना क्षेत्र के जमालपुर निवासी मनीष गुप्ता के रूप में हुई है।

भाजपा की तिरंगा यात्रा का आगाज, स्टेडियम से निकाली यात्रा में उमड़े लोग

तिरंगे से सजी राजधानी, एक किमी लंबी भव्य यात्रा, साय बोले-बदलते बस्तर में भी लहराएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हाथों में लहराता तिरंगा, भारत माता के जयघोष, देशभक्ति के गीत और राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत हजारों नागरिकों का उत्साह देखते ही बन रहा था। सोमवार को राजधानी रायपुर पूरी तरह तिरंगे के रंग में रंगी नजर आई। अवसर था भाजपा की तिरंगा यात्रा का। इस यात्रा में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, डिप्टी सीएम अरुण साव, विजय शर्मा सहित कई मंत्री, विधायक भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा, बस्तर अब नक्सलवाद के समाप्त होने के बाद बदल गया है। बदले हुए बस्तर में भी ऐसे स्थानों में तिरंगा लहराएगा, जहां पर कभी तिरंगा नहीं फहराया जाता था।

खास खबर

तिरंगा यात्रा का शुभारंभ इंडोर स्टेडियम से हुआ। इसमें मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्वयं हाथ में तिरंगा थामकर जनसैलाब के साथ कदम से कदम मिलाया। यात्रा में युवाओं, महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों, पूर्व सैनिकों और विभिन्न सामाजिक वर्गों के लोग शामिल हुए। स्कूली विद्यार्थियों द्वारा हाथों में थामा गया लगभग एक किलोमीटर लंबा तिरंगा पूरे आयोजन का विशेष आकर्षण रहा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि तिरंगा हमारी आन, बान और शान है। यह केवल हमारा राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि भारत की एकता, अखंडता, स्वाभिमान और असंख्य बलिदानों का प्रतीक है। तिरंगे में देश के 140 करोड़ भारतीयों को एक सूत्र में बांधने की अद्भुत शक्ति है। अलग-अलग भाषाओं, संस्कृतियों, ▶▶|शेष पेज 6 पर

बदलते बस्तर में शांति और विकास के साथ लहराएगा तिरंगा

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा, बस्तर आज हिंसा और भय के लंबे दौर को पीछे छोड़कर शांति, विश्वास और विकास की नई दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। डबल इंजन सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति, सुरक्षा बलों के अदम्य साहस और क्षेत्रवासियों के सहयोग से नक्सलवाद के विरुद्ध लड़ाई निर्णायक दौर में पहुंची है। उन्होंने कहा, बदलते बस्तर की पहचान अब हिंसा से नहीं, बल्कि शांति, विकास, विश्वास और नई संभावनाओं से बन रही है। इस वर्ष बस्तर में भी स्वतंत्रता दिवस का पावन पर्व पूरे उत्साह और उमंग के साथ मनाया ▶▶| शेष पेज 6 पर

एक किलोमीटर लंबा तिरंगा

तिरंगा यात्रा में स्कूली छात्र-छात्राओं का उत्साह विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। विद्यार्थियों ने लगभग एक किलोमीटर लंबे तिरंगे को अपने हाथों में थामकर अनुशासित पंक्तियों में यात्रा की। यात्रा के मार्ग में जगह-जगह लोगों ने इसका आत्मीय स्वागत किया। कई स्थानों पर नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर यात्रा में शामिल लोगों का अभिनंदन किया।

देशभर में दिखा उत्साह

नई दिल्ली। भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस से पहले भाजपा ने देश के विभिन्न राज्यों में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत सोमवार को भव्य तिरंगा यात्रा और रैलियों की शुरुआत की। स्वतंत्रता दिवस के पहले ही स्वतंत्रता दिवस जैसा माहौल दिखाई दिया। यह राष्ट्रव्यापी अभियान 17 अगस्त तक चलेगा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कोलकाता में सोमवार को 'हर घर तिरंगा' रैली को हरी झंडी दिखाई। मणिपुर के मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह ने भारत को दुनिया का सबसे मजबूत देश बनाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण को साकार करने के उद्देश्य से सोमवार को लोगों से इस दिशा में सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पटना में तिरंगा यात्रा का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र ध्वज भारत की स्वतंत्रता, एकता और गौरव का प्रतीक है तथा यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण के प्रति लोगों की प्रतिबद्धता को दोहराता है।

स्कूल में सांप ने छह आदिवासी छात्राओं को डसा, तीन की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

गढ़चिरौली जिले में एक आवासीय स्कूल में जहरीले सांप के डसने से तीन आदिवासी छात्राओं की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य का इलाज जारी है। घटना के बाद जिला प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। जिला प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना रविवार आधी रात के करीब धनौरा तहसील मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर दूर जापतलाई गांव स्थित सहायता प्राप्त आदिवासी आवासीय स्कूल के छात्रावास में हुई। उन्होंने बताया कि स्कूल के छात्रावास ▶▶|शेष पेज 6 पर

कलेक्टर बोले- होगी जांच

जिलाधिकारी अविष्यंत पांडा ने कहा कि घटना की विस्तृत जांच कराई जाएगी, ताकि यह पता लगाया जा सके कि हादसा किस तरह हुआ, क्या छात्राओं के रहने की जगह पर पर्याप्त सुरक्षा उपाय किए गए थे? क्या स्कूल प्रबंधन ने जरूरी सुरक्षा नियमों एवं सावधानियों का पालन किया था। उन्होंने एक बयान में घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि स्कूल में सुरक्षा व्यवस्था की गहन जांच की जाएगी।

तीन छात्राओं का चल रहा इलाज

जिलाधिकारी ने कहा कि तीन छात्राओं का इलाज चल रहा है। उन्हें तुरंत सांप के जहर से बचाव वाली दवाएं दी गईं और चिकित्सा दल उनकी स्थिति पर करीबी नजर रख रहे हैं।

याचिकाओं पर 17 को होगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में हो चढ़ावा चोरी की जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि वह अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले की अदालत की निगरानी में एसआईटी जांच कराने का अनुरोध करने वाली याचिकाओं पर 17 अगस्त को सुनवाई करेगा। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ को वकील ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार का मामले में पक्ष रख रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रतिनिधिमंडल के साथ संयुक्त राष्ट्र गए हैं। इसके बाद पीठ ने मामले की सुनवाई 17 अगस्त को सूचीबद्ध करने के निर्देश दिए। सुप्रीम कोर्ट ने 27 जुलाई को अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच के लिए पुलिस महानिरीक्षक किरण एस. की अगुवाई में चार सदस्यों वाली एसआईटी के गठन का संज्ञान लिया। पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार से जांच टीम में एक फोरेंसिक ऑडिटर को भी शामिल करने के लिए कहा था। पीठ ने टिप्पणी की थी कि सुधारात्मक कदम उठाने होंगे।

आरोपियों की हिरासत 14 दिनों के लिए बढ़ाई गई

राम मंदिर के कथित चढ़ावा चोरी मामले में गिरफ्तार आठ आरोपियों की न्यायिक हिरासत सोमवार को अगले 14 दिनों के लिए बढ़ा दी गई। पुलिस पहले ही सभी आठ आरोपियों से हिरासत में लेकर पूछताछ कर चुकी है। ये आरोपी अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पांडे, रमाशंकर मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव और राम शंकर यादव उर्फ टिन्नू हैं। बचाव पक्ष के वकील कुल शेखर सिंह ने बताया कि आरोपियों को जिला जेल से 'वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग' के जरिए अदालत में पेश किया गया और अदालत ने उनकी न्यायिक हिरासत 24 अगस्त तक बढ़ा दी। अदालत की कार्यवाही के दौरान, बचाव पक्ष के वकील ने अपनी आपत्तियां दर्ज कराते हुए कहा कि आरोपियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी सही नहीं है और उनके मुवक्किलों को गलत धाराओं के तहत झूठा फंसाया गया है।

याचिकाकर्ता की मांग

तीन याचिकाकर्ताओं में से एक, नरेंद्र कुमार गोस्वामी ने इस मामले की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो से जांच कराने का अनुरोध किया है। अजय कुमार राय और दिनेश कुमार यादव ने इसी तरह के अनुरोध के साथ दूसरी याचिका दायर की है। सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में सीबीआई जांच के अनुरोध के अलावा राष्ट्रीय जनता दल के सांसद सुधाकर सिंह की ओर से दायर तीसरी याचिका में मंदिर ट्रस्ट के खातों का लेखापरीक्षण कराने का अनुरोध किया है।

पुलिस भर्ती परीक्षा अब नवंबर में, एक ही तारीख को दो परीक्षाएं इसलिए बदलाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

एक ही तारीख में दो विभागों की भर्ती परीक्षा को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने पुलिस भर्ती परीक्षा की नई तिथि जारी की है। पूर्व में यह परीक्षा 24, 25 एवं 26 अक्टूबर 2026 की संभावित तिथि तय की गई थी, जिसकी नई तारीख 02, 03 एवं 04 नवम्बर 2026 को तय किया गया है। एक ही तिथि में दो भर्ती परीक्षा होने की वजह से अभ्यर्थी चिंतित हो गए थे। इसकी शिकायत सीजीपीएससी के अधिकारियों तक पहुंची थी। परिक्षार्थियों के हितों का ध्यान रखते हुए। गृह पुलिस विभाग के अंतर्गत सूबेदार, उप निरीक्षक संवर्ग, प्लाटून कमांडर की मुख्य परीक्षा-2024 का आयोजन अब दिनांक 02, 03 एवं 04 नवम्बर 2026 को नियत किया गया है।

बीमार महिला को झेलगी में लेकर दो किलोमीटर पैदल चले परिजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

बलरामपुर जिले के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी पहुंचविहीनता एक अभिशाप बनी हुई है। आलम यह जान जोखिम में होने पर मरीजों को अस्पताल तक पहुंचाना मुश्किल हो जाता है। जिले में एक बार फिर से ऐसी ही तस्वीर सामने आई है जहां एक बुजुर्ग महिला को अस्पताल ले जाने के लिए झेलगी में लादकर दो किमी का पैदल सफर करना पड़ा। अब इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि बलरामपुर जिले के कुसमी अंतर्गत ▶▶|शेष पेज 6 पर

कुसमी के भैंसापाठ का मामला, वीडियो आया सामने

विभाग ने कहा- नहीं किया गया संपर्क

सोशल मीडिया पर ग्राम भैंसापाठ की एक महिला मरीज को झेलगी के सहारे ले जाने संबंधी वीडियो सामने आने के बाद सीएमएचओ बलरामपुर ने भी जानकारी दी है। सीएमएचओ के अनुसार श्रीमती रढ़नी को सर्दी, खांसी एवं कमजोरी होने पर उनके परिजन स्वास्थ्य उपचार के लिए झेलगी के सहारे ले जा रहे थे। भैंसापाठ गांव से लगभग 2 किलोमीटर की दूरी तक सड़क की स्थिति खराब होने तथा नाले पर पुलिया नहीं होने के कारण बड़े वाहनों का आवागमन संभव नहीं है।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में कराया गया था भर्ती, पत्नी ने की जांच की मांग

आरक्षक की मौत के 42 दिन बाद आयुष्मान से आया मैसेज, हमें खुशी है, आप स्वस्थ होकर लौट रहे हैं...

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

अलग खबर

प्रदेश में आयुष्मान योजना को लेकर एक अजीब मामला सामने आया। मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान एक आरक्षक की मौत हो गई। आरक्षक के शव का अंतिम संस्कार हो गया और अस्पताल प्रबंधन की ओर से मृत्यु प्रमाण पत्र भी जारी कर दिया गया। मौत के 42 दिन बाद परिवार के पास मैसेज आया कि प्रिय देव नारायण ▶▶|शेष पेज 6 पर

आयुष्मान सारथी की ओर से आया मैसेज

मृतक की पत्नी सीमा कुजूर का कहना है कि मौत के 42 दिन बाद उनके मोबाइल फोन पर मैसेज आया, जिसमें लिखा था प्रिय देव नारायण राम, हमेश खुशी है कि आप स्वस्थ होकर घर लौट रहे हैं। यह मैसेज आयुष्मान सारथी योजना की ओर से आया है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह महज तकनीकी चूक है या फिर आयुष्मान योजना के रिकॉर्ड में कोई बड़ा खेल चल रहा है।

स्टेट से जाता है मैसेज

मैसेज स्टेट नोडल की तरफ से जाता है। जानकारी मिली है कि यह कॉमन मैसेज है, सभी को जाता है। इस तरह का मामला पहली बार संज्ञान में आया है, राशि निकालने की संभावना नहीं है। कई बार केस लेट क्लोज होते है, इस समबन्ध में एक पत्र लिखा जाएगा।

डॉ. आरसी आर्या, अधीक्षक मेडिकल कॉलेज अस्पताल

ईपीएफओ की 13 रिट अपीलें खारिज सिंगल बेंच का आदेश बरकरार

बिलासपुर। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने उच्च पेंशन से जुड़े 13 मामलों में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की अपीलें खारिज कर दी हैं। कोर्ट ने कहा कि ईपीएफओ ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद खुद संयुक्त विकल्प मंगाकर कर्मचारियों की पात्रता जांची, अतिरिक्त अंशदान स्वीकार किया और संशोधित पेंशन भुगतान आदेश (पीपीओ) जारी कर उच्च पेंशन मंजूर की। बाद में केवल कानून की अलग व्याख्या के आधार पर इस स्वीकृत लाभ को वापस नहीं लिया जा सकता।

मामले छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम, जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों सहित अन्य संस्थानों से सेवानिवृत्त कर्मचारियों से जुड़े हैं। ये कर्मचारी कर्मचारी पेंशन योजना, 1995 के सदस्य थे। सुप्रीम कोर्ट के आरसी गुप्ता फैसले और ईपीएफओ के 23 मार्च 2017 के सर्कुलर के बाद उन्होंने वास्तविक वेतन के आधार पर उच्च पेंशन का विकल्प दिया और अतिरिक्त अंशदान जमा किया। ईपीएफओ ने जांच के बाद उच्च पेंशन मंजूर कर संशोधित पीपीओ जारी किए और लंबे समय तक बढ़ी हुई पेंशन का भुगतान किया।बाद में फरवरी 2022 से उच्च पेंशन बंद कर मूल पेंशन बहाल कर दी गई। कर्मचारियों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की। सिंगल बेंच ने उनके पक्ष में फैसला देते हुए उच्च पेंशन बहाल करने और बकाया राशि 90 दिन में जारी करने का निर्देश दिया था।डिवीजन बेंच ने कहा कि नवंबर 2022 के सुनील कुमार बी. फैसले में उन कर्मचारियों को उच्च पेंशन से बाहर रखा गया था, जिन्होंने 1 सितंबर 2014 से पहले निर्धारित विकल्प नहीं दिया था। मौजूदा मामलों में ईपीएफओ ने स्वयं 2017 में विकल्प आमंत्रित कर उन्हें स्वीकार किया, अतिरिक्त अंशदान लिया और संशोधित पीपीओ जारी किए थे। कोर्ट ने कहा कि कर्मचारियों को कोई लाभ धोखाधड़ी, गलत जानकारी या तथ्य छिपाने के कारण नहीं मिला था। उन्होंने ईपीएफओ के निर्देश पर अतिरिक्त राशि जमा की थी। इसलिए बाद की कानूनी व्याख्या के आधार पर स्वीकृत लाभ वापस लेना उचित नहीं है। डिवीजन बेंच ने सिंगल बेंच के आदेश में हस्तक्षेप से इनकार करते हुए सभी 13 अपीलें खारिज कर दीं।

जांच एजेंसियां स्वैच्छिक सहयोग के नाम पर किसी व्यक्ति को अपनी हिरासत में नहीं रख सकती- हाईकोर्ट

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने कहा है कि जांच एजेंसियां स्वैच्छिक सहयोग के नाम पर किसी व्यक्ति को अपनी हिरासत में रखकर गिरफ्तारी से जुड़े संवैधानिक सुरक्षा उपायों को दरकिनार नहीं कर सकतीं। अदालत ने स्पष्ट किया कि पुलिस के नियंत्रण में आने के बाद किसी नोटिस पर यह लिखवा लेना कि व्यक्ति स्वेच्छा से साथ जा रहा है, वास्तविक सहमति का प्रमाण नहीं माना जा सकता।

- **गिरफ्तारी से जुड़े संवैधानिक सुरक्षा उपायों को दरकिनार नहीं किया जा सकता**

चीफ़ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की खंडपीठ ने साइबर फ्रॉड मामले में एक व्यक्ति की गिरफ्तारी और हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर यह फैसला सुनाया। याचिकाकर्ता का आरोप था कि 28 जून 2026 को उसे हरियाणा के रोहतक स्थित घर से उठाकर पहले दिल्ली और फिर छत्तीसगढ़ ले जाया गया, लेकिन न तो उसे निकटतम मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया और न ही ट्रांजिट रिमांड लिया गया। वहीं, राज्य सरकार का कहना था कि बीएनएसएस की धारा 35(3) के तहत नोटिस दिए जाने के बाद वह स्वेच्छा से पुलिस के साथ गया था और 30 जून 2026 को औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया गया। हाईकोर्ट ने पाया कि याचिकाकर्ता 28 जून से 30 जून तक लगातार पुलिस के नियंत्रण में रहा और कई राज्यों की यात्रा पुलिस की निगरानी में कराई गई। अदालत ने कहा कि संवैधानिक संरक्षण उसी समय लागू हो जाता है, जब किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता पर वास्तविक रूप से अंकुश लग जाता है, न कि केवल तब जब औपचारिक अरेस्ट मेमो तैयार किया जाए। कोर्ट ने यह भी कहा कि यदि जांच एजेंसियों की दलील स्वीकार कर ली जाए तो वे किसी भी व्यक्ति को ₹स्वैच्छिक सहयोग₹ के नाम पर अनिश्चित अवधि तक अपनी हिरासत में रख सकती हैं और बाद में सुविधानुसार गिरफ्तारी दिखाकर संवैधानिक सुरक्षा उपायों को निष्प्रभावी बना सकती हैं।

राशिफल

मेष — कारोबार के कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। किसी मित्र का सहयोग भी मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष — मन परेशान हो सकता है। आत्मविश्वास में कमी आयेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है।

मिथुन — परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में सफलता मिलेगी।

सिंह — बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। जीवनसाथी का सहयोग एवं सानिध्य मिलेगा।

कन्या — नौकरी में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला — भाग–दौड़ अधिक रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। शैक्षिक कार्यों के लिए यात्रा पर जा सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक — जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। व्यर्थ की चिंताओं से मन विचलित रहेगा।

धनु — व्यर्थ के वाद–विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों से सदभाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

मकर — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा। धन प्राप्ति के मार्ग बनेंगे।

कुंभ — मन प्रसन्न रहेगा। फिर भी आत्मसंयत रहें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मीन — तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

अधिकारी-कर्मचारियों के रिटायरमेंट के बाद नहीं हो रही भर्ती

रोजगार देने वाले विभाग में ही भर्ती नहीं, 377 में 199 अधिकारी-कर्मचारी ही कार्यरत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

बेरोजगारों को रोजगार एवं अवसर दिलाने वाले रोजगार कार्यालय में ही लंबे समय से रिक्त पदों पर न तो नियमित भर्तियां हो रही हैं और न ही नए नए पद भरे जा रहे हैं, जिसका असर विभाग के कामकाज पर भी पड़ रहा है। विभागीय सूत्रों से मिले आंकड़ों के अनुसार प्रदेशभर में रोजगार कार्यालयों में स्वीकृत अधिकारी-कर्मचारियों के कुल 377 पद हैं। इनमें वर्तमान में 199 अधिकारी-कर्मचारी ही कार्यरत हैं, वहीं 178 पद रिक्त हैं। ये सभी रिक्त पद पहले भरे हुए थे, जो अधिकारी-कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने के बाद से खाली पड़े हैं। वहीं कईयों को दूसरे विभागों में ट्रांसफर कर दिया गया है।

अलग खबर

उपसंचालकों को जिला अधिकारी का प्रभार

रोजगार कार्यालयों में जिला अधिकारियों के पदों पर भर्ती नहीं किए जाने के कारण अब उपसंचालक स्तर के अधिकारियों को जिला अधिकारियों के पद पर पदस्थ किया जा रहा है। कुछ जिले ऐसे भी हैं, जहां एक अधिकारी को दो जिलों की जिम्मेदारी सौंपी दी गई है, जिससे रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए आयोजित होने वाले मेला कैंप पर भी पड़ने लगा है। पहले की तुलना में मेला कैंप कम आयोजित हो रहे है, जबकि राज्य में बेरोजगारी का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है।

स्टॉफ की कमी का असर कामकाज पर

रोजगार कार्यालयों में स्टॉफ की कमी से विभागीय कामकाज भी प्रभावित होने लगा है। ई-आफिस होने से सभी कार्य ऑनलाइन हो रहे हैं, लेकिन स्टॉफ की कमी के कारण कार्यालयों में योजनाओं का क्रियान्वयन धीमा हो गया है, जिसके कारण युवाओं को समय पर नौकरी की सूचना या प्लेसमेंट ड्राइव का लाभ नहीं मिल पा रहा है। इस तरह युवाओं को रोजगार के अवसर मिलने में बाधा आ रही है। आधुनिक डिजिटल पोर्टल के दौर में पारंपरिक रोजगार कार्यालयों की सक्रियता घटने से युवाओं में निराशा बढ़ती जा रही है।

रोजगार कार्यालयों में स्वीकृत एवं रिक्त पद

पद	स्वीकृत	रिक्त
प्रथम श्रेणी राजपत्रित	13	05
द्वितीय श्रेणी राजपत्रित	36	15
तृतीय श्रेणी गैर राजपत्रित	220	107
चतुर्थ श्रेणी	108	51

अतिरिक्त प्रभार मिलने से वर्कलोड बढ़ा

रोजगार कार्यालयों में एक अधिकारी को अतिरिक्त प्रभार दिए जाने के कारण उनका वर्कलोड भी बढ़ गया है। कुछ अधिकारियों को तो दो जिलों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उदाहरण जिला रोजगार कार्यालय के अधिकारी के रिटायर होने के बाद शासन ने विशेष दिव्यांग रोजगार कार्यालय की उपसंचालक को रायपुर के साथ महासमुंद जिला रोजगार कार्यालय की जिम्मेदारी भी सौंप दी है। इस तरह एक अधिकारी अब दो जिलों के साथ खुद के विभाग को भी संभाले हुए है।

रिटायरमेंट के बाद नहीं हो रही भर्ती

रायपुर सहित प्रदेश के अनेक जिलों के रोजगार कार्यालयों में पिछले कई वर्षों से पद लगातार कम होते जा रहे हैं। इसका कारण इन कार्यालयों में कार्यरत अधिकारी-कर्मचारियों के रिटायरमेंट के बाद उनके स्थान पर भर्ती नहीं की जा रही है और न ही नए पद निकाले जा रहे हैं। कई जिला कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों को दूसरे विभागों में ट्रांसफर कर दिया गया है, जिसके कारण रोजगार कार्यालयों में स्टॉफ की भारी कमी है।

ऑनलाइन माध्यम से लोगों को घर बैठे मिल रही सरकारी सुविधाएं

सेवा सेतु पर 47.40 लाख आवेदन, 1.62 लाख लंबित रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर में सबसे अधिक आवेदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक सेवा सेतु पोर्टल राज्य में उन लोगों के लिए मददगार बना है, जो ऑनलाइन माध्यम का उपयोग कर घर बैठे सरकारी सेवाओं का लाभ लेना चाहते हैं। राज्य में अप्रैल से अब तक 47 लाख 40 हजार लोगों के आवेदन इस बात का प्रमाण हैं कि सामान्य लोगों का इस सरकारी सुविधा पर भरोसा बढ़ा है। खास बात ये है कि राज्य के 37 विभागों के माध्यम से 708 प्रकार की सेवाएं इस पोर्टल से मिल रही हैं। इसके लिए प्रदेशभर में 17 हजार 134 केंद्र काम कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ सरकार के सेवा सेतु पोर्टल पर दर्ज आवेदनों के जिलेवार आंकड़े बताते हैं कि राज्य में बड़ी संख्या में सरकारी सेवाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन किए गए हैं। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, 33 जिलों में कुल 47 लाख 40 हजार 337 आवेदन दर्ज हुए हैं। इनमें से 42 लाख 34 हजार 306 आवेदन मंजूर किए गए हैं, जबकि 3 लाख 16 हजार 549 आवेदन अस्वीकृत हुए हैं। करीब 1 लाख 61 हजार 791 आवेदन अभी लंबित हैं। हालांकि लंबित आवेदनों की पूरी संख्या को प्रशासनिक देरी नहीं माना जा सकता। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार लंबित मामलों में से 1 लाख 60 हजार 444 आवेदन निर्धारित समयसीमा के भीतर हैं, जबकि 1,347 आवेदन समयसीमा बीत जाने के बाद भी लंबित हैं, यानी कुल लंबित मामलों में समयसीमा पार करने वाले आवेदनों की हिस्सेदारी करीब 0.83 प्रतिशत है।

- 37 विभागों की 708 प्रकार की सेवाएं, प्रदेश में 17 हजार 134 केंद्र

रायपुर में सबसे ज्यादा आवेदन

राज्य की राजधानी रायपुर में सबसे ज्यादा 3 लाख 32 हजार 782 आवेदन दर्ज हुए हैं। इनमें 2 लाख 92 हजार 69 आवेदन मंजूर किए गए, जबकि 31,687 आवेदन अस्वीकृत और 6,767 आवेदन लंबित हैं। रायपुर में समयसीमा के बाद लंबित मामलों की संख्या 43 है।आवेदनों की संख्या के लिहाज से रायपुर के बाद दुर्ग में 2 लाख 95 हजार 889, बिलासपुर में 2 लाख 42 हजार 886, बलौदा बाजार-भाटापारा में 2 लाख 31 हजार 197, राजनांदगांव में 2 लाख 22 हजार 501 और जांजगीर-चांपा में 2 लाख 22 हजार 152 आवेदन दर्ज हुए हैं।

बेमेतरा में लंबित आवेदन सबसे ज्यादा

जिलेवार आंकड़ों में बेमेतरा सबसे अलग स्थिति में दिखाई देता है। यहां 1 लाख 83 हजार 136 आवेदन दर्ज हुए, जिनमें 15,993 आवेदन लंबित हैं। कुल आवेदनों के मुकाबले यह करीब 8.7 प्रतिशत है, जो सभी जिलों में सबसे अधिक है। हालांकि इनमें से सिर्फ 2 आवेदन समय-सीमा के बाद लंबित हैं। यानी बेमेतरा में लंबित आवेदनों की संख्या बड़ी है, लेकिन उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक ज्यादातर मामले अभी निर्धारित समय-सीमा के भीतर हैं।लंबित आवेदनों की संख्या के लिहाज से बेमेतरा के बाद दुर्ग में 12,480, बिलासपुर में 8,626, बलौदा बाजार-भाटापारा में 8,311, महासमुंद में 8,031 और बालोद में 8,002 आवेदन लंबित हैं। कोंडागांव में भी 7,711 आवेदन लंबित हैं।

कुल तस्वीर क्या बताती है

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, कुल आवेदनों में करीब 89.3 प्रतिशत मंजूर, 6.7 प्रतिशत अस्वीकृत और 3.4 प्रतिशत लंबित हैं। लंबित मामलों में लगभग 99.2 प्रतिशत निर्धारित समयसीमा के भीतर हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि समय-सीमा से बाहर लंबित मामलों का अनुपात राज्य स्तर पर फिलहाल कम है, लेकिन कुछ जिलों में ऐसे मामलों का संकेंद्रण दिखाई देता है। खासतौर पर कोंडागांव, दुर्ग और राजनांदगांव में समयसीमा पार लंबित मामलों की संख्या प्रशासनिक निगरानी के लिहाज से महत्वपूर्ण है। वहीं बेमेतरा में लंबित आवेदनों की कुल संख्या बड़ी होने के कारण वहां लंबित मामलों के निस्तारण की गति पर नजर रखना जरूरी होगा, भले ही अधिकांश मामले अभी निर्धारित समयसीमा के भीतर हों।

कोंडागांव में समयसीमा पार मामले अधिक

समय-सीमा बीत जाने के बाद भी लंबित आवेदनों के मामले में कोंडागांव सबसे ऊपर है। यहां 367 आवेदन समयसीमा के बाद लंबित हैं। यह जिले के कुल 7,711 लंबित आवेदनों का करीब 4.8 प्रतिशत है। इसके बाद दुर्ग में 156, राजनांदगांव में 118, बस्तर में 72, महासमुंद में 65, रायगढ़ में 63 और जशपुर में 62 आवेदन समयसीमा के बाद लंबित हैं।खास बात यह है कि कोंडागांव में केवल संख्या ही ज्यादा नहीं है, बल्कि लंबित आवेदनों में समय-सीमा पार करने वाले मामलों का अनुपात भी अन्य जिलों की तुलना में काफी अधिक है। बस्तर में भी करीब 2.9 प्रतिशत लंबित आवेदन समयसीमा के बाहर हैं।

बीजापुर में मंजूरी की दर सबसे ज्यादा

मंजूर आवेदनों के अनुपात को देखें तो बीजापुर सबसे आगे है। यहां 83,862 आवेदनों में से 81,279 यानी करीब 96.9 प्रतिशत आवेदन मंजूर हुए हैं। सुकमा में मंजूरी की दर करीब 93.1 प्रतिशत, रायगढ़ में 92.8 प्रतिशत और बलरामपुर में 92.7 प्रतिशत रही।इसके विपरीत कुछ जिलों में अस्वीकृत आवेदनों की संख्या भी उल्लेखनीय है। रायपुर में 31,687, महासमुंद में 18,911, दुर्ग में 21,776, कोंडागांव में 17,747 और बिलासपुर में 17,780 आवेदन अस्वीकृत दर्ज किए गए हैं।

महिला से डबल गैंगरेप नाबालिग समेत 3 गिरफ्तार

रायपुर। सरोरा शराब दुकान के पास महिला को शराब पिलाकर दो बार गैंगरेप करने वाले एक नाबालिग समेत तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। महिला बिलासपुर चकरभाठा की रहने वाली है। वह काम की तलाश में एक पखवाड़े पूर्व रायपुर आई थी। महिला शराब दुकान के पास खड़ी थी। इस दौरान आरोपी उसे जगह असुरक्षित होने का झांसा देकर एक बंद पड़े कार शोरूम के पास ले गए और उसे शराब पिलाकर बारी-बारी से अनाचार किया।

महिला से रेप के आरोप में पुलिस ने पीयूष नायक, शिवा बघेल तथा एक नाबालिग को गिरफ्तार किया है। महिला ने पुलिस को बताया कि शनिवार देर शाम वह शराब दुकान के पास बैठी थी। इस दौरान तीन युवक उनके पास पहुंचे और उसे सुरक्षित स्थान ले जाने के बहाने शराब दुकान से कुछ दूर एक बंद पड़े कार शोरूम के पास ले गए। महिला को ले जाने वाले पहले से शराब के नशे में धुत थे। वहां जाने के बाद लड़के और शराब खरीदकर ले आए और महिला को शराब पिलाई। शराब पीने के बाद महिला अपनी सुध-बुध खो बैठी। इसके बाद लड़कों ने उसके साथ बारी-बारी रेप किया।

भूख लगी तो बिरयानी खिलाने ले गए

रेप करने के बाद लड़कों ने महिला को रहने-खाने के बारे में पूछा। महिला ने भूख लगने की बात कही, तब युवक उसे अपनी बाइक पर बैठाकर बिरयानी खिलाने एक टपरीनुमा होटल ले गए। इसके बाद महिला को बिलासपुर जाने रेलवे स्टेशन छोड़ने जाने की बात कहते हुए आरडी तिवारी स्कूल के खाली मैदान ले गए। वहां तीनों लड़के फिर से शराब पीने और महिला को पिलाने के बाद खाली मैदान में रेप किया।

चौकीदार की शिकायत के बाद पहुंची पुलिस

स्कूल मैदान में रात के अंधेरे में संदिग्ध गतिविधि देखने के बाद आरडी तिवारी स्कूल के प्रिंसिपल ने आजाद चौक पुलिस को कॉल कर इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंचने के साथ ही पुलिस ने तीनों लड़कों को अपने हिरासत में ले लिया। महिला स्कूल मैदान में बेहोशी की हालत में पड़ी थी। इसके बाद डॉयल-112 की मदद से महिला को उपचार के लिए एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया। रविवार देर शाम महिला का बयान दर्ज करने के बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया।

रायपुर पहुंचने वाली 80 प्रतिशत ट्रेनें लेट, स्टेशन पर घंटों इंतजार कर थक रहे यात्री

- **लोकल से एक्सप्रेस तक यात्री त्रस्त, दैनिक यात्री डीआरएम को रोज कर रहे समय पर ट्रेन चलाने की मांग**
- **रायपुर पहुंच रही हर दूसरी ट्रेन विलंबित, सारनाथ, अमरकंटक, समता समेत आधा दर्जन ट्रेनों ने किया परेशान**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

ट्रेनें विलंब से चलने की वजह से यात्रियों की परेशानी हर दिन बढ़ती जा रही है। रायपुर पहुंचने वाली करीब 80 प्रतिशत ट्रेनें रोजाना देर से चल रही हैं। लोकल ट्रेनों में सफर करने वाले दैनिक यात्री समय पर अपने दफ्तर भी नहीं पहुंच पा रहे।

लोकल ट्रेनों को आउटर पर लंबे समय तक रोके जाने से दुर्ग से रायपुर के बीच सफर में एक घंटे से अधिक विलंब हो रहा है। हरिभूमि ने सोमवार को जब ट्रेनों की पड़ताल की तो पता चला कि दोपहर 12 से शाम 5 बजे तक रायपुर पहुंचने वाली ट्रेनें 2 से 5 घंटे तक लेट थीं। इनमें लोकल और एक्सप्रेस दोनों ट्रेनें शामिल थीं। दुर्ग से ट्रेन निकलने के बाद से ही दूसरे स्टेशनों तक पहुंचते-पहुंचते लेटलतीफी शुरू हो जाती है। सोमवार को संपर्क क्रांति दुर्ग से निकलने के बाद रायपुर पहुंचने तक 9 मिनट विलंबित हो चुकी थी। इसके बाद भाटापारा तक यह 29 मिनट, उसलापुर तक 31 मिनट और पेंड्रारोड तक 1 घंटा 40 मिनट लेट हो गई। शहडोल पहुंचने तक ट्रेन 2 घंटे 3 मिनट लेट हो चुकी थी। इसी तरह साउथ बिहार एक्सप्रेस, जो रायपुर मंडल की ट्रेन है, दुर्ग से समय पर रवाना हुई, लेकिन रायपुर 5 मिनट की देरी से पहुंची। इसके बाद तिल्दा पहुंचने तक 31 मिनट और सक्ती पहुंचने तक यह ट्रेन 1 घंटे 12 मिनट विलंबित हो चुकी थी।

शहडोल से होकर आने वाली ट्रेनें भी घंटों लेट

शहडोल से होकर रायपुर पहुंचने वाली ज्यादातर ट्रेनें विलंबित चल रही हैं। इनमें सारनाथ, अमरकंटक समेत करीब आधा दर्जनभर ट्रेनें शामिल हैं। ये ट्रेनें रोज 3 घंटे से अधिक विलंबित हो रही हैं। पड़ताल में पता चला कि शहडोल के बाद ट्रेनों की रफ्तार धीमी हो जा रही है, जिसका असर निर्धारित समय पर पहुंचने पर पड़ रहा है। अमरकंटक एक्सप्रेस रोज करीब 3 घंटे विलंब से रायपुर पहुंच रही है।

रेलवे के सुधार निर्देश का असर नहीं

रेलवे सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर यात्रियों को आश्वासन दे रहा है कि ट्रेनों को समय पर चलाने के निर्देश दिए गए हैं, लेकिन इसके बाद भी ट्रेनों की रफ्तार और लेटलतीफी पर कोई असर नहीं पड़ रहा है। अंबिकापुर एक्सप्रेस के रायपुर पहुंचने का निर्धारित समय सुबह 8.30 बजे है, लेकिन यह ट्रेन करीब एक महीने से 3 से 4 घंटे विलंब से पहुंच रही है। इसकी वजह यह है कि यह ट्रेन रायपुर से अंबिकापुर पहुंचने के बाद शहडोल जाती है। वापसी में यह ट्रेन घंटों विलंब से पहुंच रही है। अंबिकापुर में यात्रियों को रात 12 से 1 बजे तक ट्रेन का इंतजार करना पड़ रहा है।

शब्द पहेली - 6314

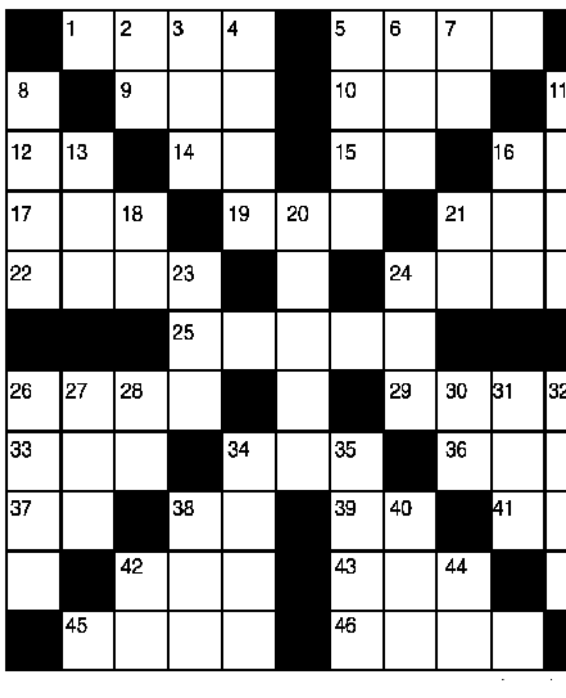

बाएँ से दाए
1. मूर्ख, बेवकूफ (उर्दू-4)
5. संपत्ति-4
9. कटि, पीठ -3
10. प्रणाम, नमस्कार-3
12. अधीन-2
14. पितामह-2
15. कार्य-2
16. पराजय-2
17. अच्छे कुल का-3
19. तरंग, हिलोर-3
21. एक प्रकार की दाल-3
22. ओस, रजनी जल(उर्दू-4)
24. गगन, आकाश-4
25. स्वच्छ करना-5
26. आश्चर्यजनक-4
29. जो लायक न हो-4
33. उल्टी, कै-3
34. रनिवास, जनवासा-3
36. पंक्ति, लाइन-3
37. सुर, लय, आलाप-2
38. दंड, शिक्षा-2
39. पराजय-2
41. झुका हुआ -2
42. कर्म, भाग्य-3
43. भार-3
45. भूल, गलती (उर्दू-4)
46. भाग्य, नसीब-4

ऊपर से नीचे
2. अधिकार-2
3. मां का दुलार-3
4. ताली की आवाज-4
5. अनुभवी-4
6. जुड़वा-3
7. दक्षिणा-2
8. राम के पुत्र-2,2
11. अभिलाषा, -4
13. क्रूस, सूली-3
16. पाचनशक्ति-3
18. ईसाई साध्वी-2
20. जीवनसाथी -5
21. गरबा, नृत्य-2
23. मालिश-3
24. दर्पण, शीशा-3
26. ईश्वर-4
27. बाग, गुलिस्तां-3
28. क्रिकेट में बनते हैं-2
30. दुलारा, पुत्र-2
31. भरोसा, विश्वास-3
32. करामात-4
34. शेविंग करना-4
35. हाथी साधने वाला-4
38. आसान, सीधा-3
40. कपड़े धोने वाला-3
42. बलगम-2
44. सरिता-2

शब्द पहेली - 6313 का हल

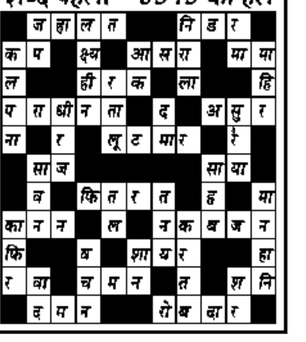

सूडोकु नवताल 6324

★★★★☆ कठिन

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6323 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

चांदी की राखियों के दाम सौ और सोने के 50 फीसदी बढ़े

रक्षा बंधन के लिए राखियों का बाजार राजधानी रायपुर के साथ प्रदेशभर में सजने लगा है। एक तरफ जहां निम्न और मध्य वर्ग कम कीमत वाली सामान्य राखियों की खरीदारी करता है, वहीं उच्च वर्ग में सोने और चांदी की राखियों का ज्यादा क्रेज है।

सोने-चांदी की राखियों का कारोबार दस करोड़ का, इस बार भी भाइयों की कलाइयों पर सजेंगी, पर मिलेंगी महंगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

प्रदेश में हर साल सोने और चांदियों की राखियों का बड़ा कारोबार होता है। बीते साल यहां करीब 10 करोड़ का कारोबार हुआ था। इस बार चांदी और सोने के दाम बढ़ने के कारण चांदी की राखियों के दाम ▶▶|शेष पेज 6 पर

सोने की नवरत्न राखी पांच लाख की

जहां तक सोने की राखियों का सवाल है, तो इसकी शुरुआती कीमत 15 हजार रहती है। इसके बाद एक लाख और इससे ज्यादा कीमत की भी राखियां आती हैं। सोने के वजन के मुताबिक कीमत तय होती है। बीते साल सोने के दाम करीब एक लाख थे, लेकिन इस बार दाम डेढ़ लाख से ज्यादा है तो राखियों के दाम भी 50 फीसदी तक बढ़ गए हैं। डायमंड वाली राखियों के दाम ढाई से तीन लाख तक हैं। नवरत्न वाली राखियों के दाम पांच लाख और इससे ज्यादा हैं। इसकी डिमांड कम रहती है। ऐसी राखियां आर्डर पर ही मंगाई जाती हैं।

गुजरात-महाराष्ट्र से आती हैं

सोने और चांदी की राखियां अपने प्रदेश में नहीं बनती हैं। ये ज्यादातर राजकोट और सूरत गुजरात से आती हैं। इसी के साथ मुंबई से भी सोने और चांदी की राखियां बनकर आती हैं। सोने और चांदी की राखियां सबसे ज्यादा राजकोट में बनती हैं। यहीं से पूरे देश में इसको भेजा जाता है। प्रदेश में भी राजकोट से ज्यादातर सोने और चांदी की राखियों सराफा के थोक कारोबारियों के यहां आती हैं, यहां से चिल्हर कारोबारी लेकर जाते हैं। छत्तीसगढ़ से ही ओडिशा और विदर्भ के भी चिल्हर कारोबारी सोने और चांदी की राखियां लेकर जाते हैं।

बीते साल से दाम ज्यादा

बीते साल से इस साल सोने और चांदी की राखियों के दाम ज्यादा हैं। इसके पीछे का कारण यह है कि इस साल सोने और चांदी की कीमत ज्यादा हो गई है। कारोबारियों का कहना है कि वैसे सोने और चांदी की राखियों में वजन का ज्यादा महत्व नहीं रहता है, लेकिन जो ग्राहक अपने हिसाब से ज्यादा वजन वाली राखी चाहेंगे तो उनको बीते साल से कीमत ज्यादा ▶▶|शेष पेज 6 पर

दस करोड़ का कारोबार संभव

अपने राज्य में सोने और चांदी की राखियों का बड़ा कारोबार होता है। इस बार भी बीते साल जितना करीब दस करोड़ का कारोबार होने की संभावना है।

- लक्ष्मी नारायण लाहोटी, सराफा कारोबारी

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

यूजीसी-नेट की अनंतिम उत्तर कुंजी इसी हफ्ते

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने सोमवार को कहा कि वह

यूजीसी-नेट जून 2026 परीक्षा की अनंतिम उत्तर कुंजी इस सप्ताह अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर जारी करेगी। एनटीए सीएसआईआर-नेट और आईसीएआर एआईईईए (पीजी) तथा एआईसीई (पीएचडी) 2026 परीक्षाओं की उत्तर कुंजी भी जारी करेगी। यूजीसी-नेट जून 2026 परीक्षा की अनंतिम उत्तर कुंजी इस सप्ताह आधिकारिक वेबसाइट पर जारी की जाएगी। इसके साथ ही सीएसआईआर-नेट और आईसीएआर एआईईईए (पीजी) एवं एआईसीई (पीएचडी) 2026 परीक्षाओं की अनंतिम उत्तर कुंजी भी जारी की जाएगी। अभ्यर्थी अनंतिम उत्तर कुंजी देख सकेंगे और निर्धारित अवधि के भीतर उस पर आपत्तियां दर्ज करा सकेंगे।

'केरलम' करने संबंधी विधेयक लोकसभा में पेश

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने के प्रावधान वाला विधेयक सोमवार को लोकसभा में पेश किया। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस वर्ष 24 फरवरी को केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने के राज्य सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच, गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने 'केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026' पेश किया। हालांकि, विधेयक गृह मंत्री अमित शाह के नाम से सूचीबद्ध था।

बब्बर खालसा के आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने आईएसआई प्रायोजित बब्बर खालसा इंटरनेशनल के एक

आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ कर उसके एक प्रमुख सदस्य को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक हथगोला बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी ने विदेश में बैठे आकाओं के निर्देश पर जालंधर से कथित तौर पर हथगोला हासिल किया था।

55.80 करोड़ कीमत के मादक पदार्थ जब्त

बेंगलुरु। बेंगलुरु में 39 लोगों को गिरफ्तार किया गया है जिनमें आठ विदेशी नागरिक शामिल हैं। उनके कब्जे से अनुमानतः 55.80 करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थ बरामद किए गए हैं। यह कार्रवाई मिशन राइज के तहत चलाए जा रहे 'बेडा ब्रो' कार्यक्रम और बेंगलुरु सिटी पुलिस के मादक पदार्थ विरोधी अभियान के तहत की गई। बेंगलुरु और अन्य राज्यों दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम और केरल के विभिन्न स्थानों से 55 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए गए हैं।

भर्ती परीक्षा विवाद पर बवाल, विधानसभा के पास युवाओं पर बरसीं लाठियां, छोड़े आंसू गैस

झारखंड के रांची में जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा में धांधली के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हजारों छात्र बैरिकेडिंग तोड़ विधानसभा गेट के पास पहुंच गए। छात्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। पुलिस ने उन्हें गेट से हटाने की कोशिश की, लेकिन नहीं हटे तो लाठीचार्ज कर खदेड़ा। वाटर केनन चलाया और आंसू गैस छोड़े। कुछ छात्रों के सिर पर चोटें आई हैं। प्रदर्शनकारियों ने भी पुलिस पर पानी की बोतलें और चप्पलें फेंकीं। इधर, राहुल गांधी ने छात्रों पर बल प्रयोग न करने की अपील की है।

एजेंसी ▶▶| रांची

भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे युवाओं ने सोमवार को मार्च के दौरान कई अवरोधक तोड़ दिए। झारखंड विधानसभा के पास पहुंच गए, जिसके बाद पुलिस ने पानी की बौछार की, आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज किया। इधर, विधानसभा की कार्यवाही दोपहर के समय दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। प्रदर्शनकारियों के अंतिम अवरोधक के पास पहुंचने पर पुलिस ने कार्रवाई की। यह अवरोधक विधानसभा की ओर जाने वाली सड़क पर जगन्नाथपुर मंदिर के पास लगाया गया था। कई प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि पुलिस कार्रवाई में वे घायल हुए हैं। प्रदर्शनकारी पीयूष कुमार सोनी ने कहा, लाठीचार्ज बर्बर था।

आंदोलन के 17वें दिन विधानसभा मार्च

भर्ती परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर आंदोलन के 17वें दिन सुबह करीब साढ़े 10 बजे पुराने विधानसभा भवन के बाहर से मार्च शुरू हुआ। यह मार्च मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के 51वें जन्मदिन के दिन निकाला गया।

पानी की बौछार का इस्तेमाल निंदनीय

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने लाठीचार्ज तथा पानी की बौछार और आंसू गैस के इस्तेमाल की निंदा की। शांतिपूर्ण तरीके से विधानसभा की ओर मार्च कर रहे छात्रों का सामना संवाद और समाधान के बजाय पुलिस बल से हुआ।

क्यों हो रहा प्रदर्शन

प्रदर्शनकारियों का दावा है कि सरकार उन 13 परीक्षाओं में से केवल तीन को रद्द करने पर सहमत हुई है, जिन्हें वे रद्द करने की मांग कर रहे हैं। आंदोलनकारी झारखंड लोक सेवा आयोग और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग में व्यापक सुधार की मांग कर रहे हैं।

छात्रों को शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार-राहुल

राहुल गांधी ने सोमवार को रांची में विधानसभा मार्च के दौरान छात्रों पर लाठीचार्ज की घटना को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की। नेता प्रतिपक्ष ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा- झारखंड में विरोध-प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ बल का इस्तेमाल गलत है। छात्रों को शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार है और बातचीत से ही समाधान निकल सकता है। झारखंड सरकार को इन छात्रों की बात सुननी चाहिए और हर समस्या का तुरंत समाधान करना चाहिए। इससे पहले भी नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रांची के जयपाल सिंह स्टेडियम में अनशन पर बैठे छात्रों से भी मोबाइल फोन पर बात की थी और उन्हें समर्थन और सहयोग करने का आश्वासन दिया था।

प्रदर्शनकारी अवरोधक तोड़कर विधानसभा के पास धरने पर बैठे

झारखंड विधानसभा घेरने पहुंचे प्रदर्शनकारी, पुलिस की कार्रवाई में कई घायल

लोकतंत्र के लिए काला दिन

भारतीय जनता युवा मोर्चा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष शशांक राज ने कहा, आज लोकतंत्र के लिए काला दिन है क्योंकि पुलिस ने शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर लाठियां बरसाईं। कई आंदोलनकारी घायल हुए हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से छात्रों की मांगों के प्रति 'असंवेदनशील' नहीं होने का आग्रह किया। इस मुद्दे को लेकर नौ दिन से अनशन कर रहे झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के नेता देवेंद्र नाथ महतो एंबुलेंस से मार्च में शामिल हुए। उनके हाथ में पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत शिबू सोरेन का चित्र था।

बचाव पक्ष की सुनवाई

झीरम मामले में आज फिर होगी एनआईए कोर्ट में बहस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

हरिभूमि फॉलोअप

झीरम घाटी नक्सल हमला मामले में अंतिम बहस जारी है। सोमवार को अभियोजन ने अपना पक्ष रखा लेकिन न्यायालयीन समय पूर्ण होने पर सुनवाई कल तक के लिए स्थगित कर दी गई है। अब मंगलवार को पुनः मामले में सुनवाई होगी। बहुचर्चित झीरम घाटी नक्सली हमला मामले की सुनवाई अब निर्णायक चरण में पहुंच गई है। लबें समय से न्यायालय में चल रहे इस प्रकरण में आगामी 10 अगस्त को अंतिम बहस निर्धारित की गई थी लेकिन न्यायालयीन समय पूर्ण होने पर सुनवाई कल तक के लिए स्थगित कर दी गई है। सोमवार को अभियोजन ने अपना पक्ष रखा पांच बजे तक चली सुनवाई के बाद अब मंगलवार को पुनः मामले में सुनवाई होगी और बचाव पक्ष अपना पक्ष रखेगा। यह देखना महत्वपूर्ण ▶▶|शेष पेज 6 पर

अभियोजन ने रखा अपना पक्ष

सोमवार को अंतिम बहस के दौरान अभियोजन पक्ष ने न्यायालय के समक्ष अपने तर्क प्रस्तुत किए। इसके बाद न्यायालयीन समय समाप्त हो गया जिसके चलते सुनवाई को अगले दिन तक के लिए स्थगित कर दिया गया। कल बचाव पक्ष की ओर से अंतिम दलीलें रखी जाएंगी। इसके बाद अदालत मामले में आगे की न्यायिक प्रक्रिया तय कर सकती है।

फैसले पर टिकी सभी की नजरें

झीरम घाटी हमला प्रदेश व देश के सबसे चर्चित और संवेदनशील नक्सली हमलों में शामिल है। मामले की अंतिम सुनवाई को लेकर शहीदों के परिजनों और मामले से जुड़े प्रदेश भर के लोगों की नजरें अदालत की कार्यवाही पर टिकी हुई हैं।

नए कानून से कोर्ट में मान्य होंगे डिजिटल-इलेक्ट्रॉनिक रिकार्ड

राज्यसभा में बैंककार बही साक्ष्य विधेयक, 2026 पारित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

लोकसभा के बाद राज्यसभा ने सोमवार को 'बैंककार बही साक्ष्य विधेयक, 2026' को मंजूरी दे दी, जिसका उद्देश्य अदालतों में डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग रिकॉर्ड को साक्ष्य के रूप में स्वीकार करने की प्रक्रिया को आधुनिक तथा स्पष्ट बनाना है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को राज्यसभा में कहा कि बैंकों के बही साक्ष्य संबंधी प्रस्तावित कानून के लागू होने के बाद बैंकों के लेनदेन संबंधी डिजिटल या इलेक्ट्रॉनिक रिकार्ड की प्रमाणित प्रति अदालत में मान्य हो सकेगी। उच्च सदन में 'बैंककार बही साक्ष्य विधेयक, 2026' पर चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार में कारोबार की सुविधा के लिए कई औपनिवेशिक कानूनों को हटाया गया।

'बैंककार बही' की परिभाषा का बढ़ा दायरा

प्रस्तावित कानून में 'बैंककार बही' की परिभाषा का दायरा बढ़ाकर डिजिटल, क्लाउड-आधारित और अन्य इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड को भी शामिल किया गया है। विधेयक में अदालतों के समक्ष डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग रिकॉर्ड को साक्ष्य के रूप में पेश करने तथा उनके प्रमाणन के लिए स्पष्ट और एकसमान नियम निर्धारित करने का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा, बैंक अधिकारियों को बिना ठोस आधार के बार-बार अदालतों में तलब किए जाने से बचाने के लिए 'विशेष कारण' (स्पेशल कॉज) परीक्षण का प्रावधान भी किया गया है।

बैंकों ने बट्टे खाते में डाले 10 लाख करोड़ के कर्ज

सरकार ने सोमवार को संसद को बताया कि बैंकों ने पिछले 12 वित्त वर्षों में बड़े कॉरपोरेट और सेवा क्षेत्र की कंपनियों को दिए गए 9,95,000 करोड़ रुपए के ऋण बट्टे खाते में डाल दिए हैं। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि 2018-19 में बट्टे खाते में डाली गई ऋण राशि 1,48,753 करोड़ रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी, जो 2025-26 में घटकर 20,485 करोड़ रुपये रह गई। बड़े उद्योगों और सेवाओं पर बकाया ऋण पर भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़े साझा करते हुए उन्होंने कहा कि यह वित्त वर्ष 2025 के 63,19,057 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2026 में 69,21,734 करोड़ रुपये हो गया है।

राजधानी में अब तक 12 बांग्लादेशी नागरिक डिपोर्ट किए जा चुके

दो बांग्लादेशी रायपुर में कबाड़ी और मैकेनिक का कर रहे थे काम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

संजय नगर में निवासरत दो बांग्लादेशी नागरिकों को टिकरापारा पुलिस ने डिटेन कर उन्हें डिटेंशन सेंटर भेजा है। बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ चलाए गए अभियान के दौरान दोनों पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए थे। पुलिस गिरफ्त में आए दोनों बांग्लादेशी फर्जी पासपोर्ट, आधारकार्ड के आधार पर कई बार बांग्लादेश से आवाजाही कर चुके हैं। पकड़े जाने पर दोनों ने खुद के बांग्लादेशी नागरिक होने की बात कबूली है। पुलिस ने जमाल करीम तथा ▶▶|शेष पेज 6 पर

विदेशी नागरिकों की तीन एडीसीपी कर रहे निगरानी

पुलिस कमिश्नरेट के तीनों जोन नार्थ, वेस्ट तथा सेंट्रल के एडीसीपी को यहां रहने वाले विदेशी नागरिकों की पहचान कर उन्हें डिपोर्ट करने की जिम्मेदारी दी गई है। इसी तरह से रायपुर ग्रामीण एएसपी को अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की पहचान कर डिटेन कर डिपोर्ट करने की जिम्मेदारी दी गई है।

नहीं पकड़े जाने का था यकीन

शेख रेहान को अपने बांग्लादेशी के साथ भारतीय नागरिक होने की बात पर यकीन था। माता-पिता के बांग्लादेश भाग जाने के बाद रेहान को लग रहा था कि वह अब पकड़ा नहीं जाएगा। इसलिए वह बड़े आराम के साथ रायपुर में रह रहा था। बताया जा रहा है, पुलिस पिछले दिनों ▶▶|शेष पेज 6 पर

कन्नूर हवाई अड्डे पर प्रदर्शन

उड़ान में देरी से नाराज यात्रियों ने किया हंगामा

कन्नूर। केरल के कन्नूर से तिरुवनंतपुरम जाने वाली एअर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान का समय बदले जाने और दुबई के लिए एयरलाइन की एक उड़ान को रद्द किए जाने के बाद यात्रियों ने सोमवार सुबह यहां हवाई अड्डे पर प्रदर्शन और हंगामा किया। टीवी चैनलों पर दिखाए गए दृश्यों में, हवाई अड्डे पर नाराज यात्री एयरलाइन कर्मचारियों पर चिल्लाते हुए और उन पर उड़ान में देरी या उसे रद्द किए जाने के बारे में पहले से जानकारी नहीं देने का आरोप लगाते नजर आए। एयरलाइन सूत्रों ने बताया कि विमान सुबह मस्कट से आने वाला था जिसके आने में देरी हुई।

अधिकारी ने किया दावा

अधिकारी ने यह भी दावा किया कि इन घटनाक्रमों के कारण कन्नूर से दुबई जाने वाला एअर इंडिया एक्सप्रेस का कोई विमान रद्द नहीं किया गया है। हालांकि, हवाई अड्डा सूत्रों ने सुबह दावा किया था कि मस्कट से कन्नूर आने वाले विमान के मस्कट में रुके रहने के कारण दुबई जाने वाली एअर इंडिया एक्सप्रेस की एक उड़ान रद्द कर दी गई।

ऐसा पहली बार...80वें स्वतंत्रता दिवस पर नई व्यवस्था

लाल किले की प्राचीर से गाया जाएगा 'वंदे मातरम'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारत 15 अगस्त को अपना 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहा है। स्वतंत्रता दिवस पर पीएम नरेंद्र मोदी लाल किले पर हर साल की तरह ध्वजारोहण करेंगे। उसके बाद लाल किले की प्राचीर से देश का संबोधित करेंगे।

इस साल स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान पहली बार लाल किले की प्राचीर से 'वंदे मातरम' गाया जाएगा। गौरतलब है कि यह मौका 'वंदे मातरम' के 150 साल पूरे होने का भी प्रतीक होगा।

'वंदे मातरम' को शामिल करने का ऐतिहासिक महत्व

दरअसल, लाल किले के समारोह में 'वंदे मातरम' को शामिल करने का ऐतिहासिक महत्व है। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित यह गीत भारत के स्वतंत्रता संग्राम का एक महत्वपूर्ण प्रतीक बन गया था और इसने ब्रिटिश शासन के खिलाफ आंदोलन के दौरान भारतीयों की कई पीढ़ियों को प्रेरित किया।

बड़ा ध्वज लेकर उड़ेगा हेलीकॉप्टर

स्वतंत्रता दिवस के दिन समारोह के दौरान भारतीय वायु सेना का एक हेलीकॉप्टर एक बड़ा ध्वज भी लेकर उड़ने वाला है, जो वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने को दर्शाएगा।

स्वतंत्रता दिवस से पहले अलर्ट पर पुलिस

आपको बता दें कि स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले लाल किले और आसपास के इलाकों में कई स्तरीय चाक चौबंद सुरक्षा व्यवस्था की गयी है। इसके साथ ही दिल्ली पुलिस भीड़ में संदिग्ध और वांछित लोगों की पहचान करने के लिए 'अभिज्ञान' ऐप और 'फेशियल रिकग्निशन सिस्टम' (एफआरएस) जैसी उन्नत तकनीक का इस्तेमाल कर रही है। स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए 20,000 से ज्यादा सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की जा रही है।

चिंतन

युवाओं के सब्र का इम्तिहान न लें सरकारें

नीट के बाद अब झारखंड की जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा में सामने आ रहे विवादों ने देश की भर्ती व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। रांची में सोमवार को जो हुआ, वह केवल छात्रों और पुलिस के बीच टकराव की घटना नहीं है, बल्कि उस बढ़ते आक्रोश का संकेत है जो देश के युवाओं के भीतर लगातार जमा हो रहा है। झारखंड में हजारों छात्र पिछले 17 दिनों से परीक्षा में कथित धांधली के खिलाफ आंदोलन कर रहे थे। जब उनकी आवाज नहीं सुनी गई तो सोमवार को वे विधानसभा घेराव के लिए पहुंच गए। बैरिकेडिंग टूटी, छात्र विधानसभा गेट तक पहुंचे, पुलिस ने लाठीचार्ज किया, आंसू गैस छोड़ी और वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। लोकतांत्रिक व्यवस्था में ऐसी स्थिति किसी के लिए भी संतोषजनक नहीं हो सकती। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर युवा सड़क पर उतरने को मजबूर क्यों हो रहे हैं? प्रतियोगी परीक्षाएं उनके लिए महज एक परीक्षा नहीं होतीं। इनके पीछे वर्षों की मेहनत, परिवार की उम्मीदें, आर्थिक संघर्ष और बेहतर भविष्य का सपना जुड़ा होता है। जब परीक्षा में पेपर लीक, नकल, फर्जीवाड़े या धांधली के आरोप लगते हैं तो चोट केवल एक परीक्षा पर नहीं होती, बल्कि पूरी व्यवस्था पर युवाओं का भरोसा टूटता है। हर बार परीक्षा में धांधली के पीछे दो गंभीर आशंकाएं सामने आती हैं। पहली पैसे या प्रभाव के जरिए पेपर पास करवाना और नौकरी पाना। दूसरी, पैसे के दम पर परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र या गोपनीय सामग्री तक पहुंच बनाने का खेल। इनमें सरकार के नुमाइंदों और जो एजेंसी पेपर करवा रही है, उसके अफसरों की मिलीभगत सामने आती है। कुल मिलाकर अफसर चंद रुपयों के लालच में युवाओं के भविष्य का सौदा कर बैठते हैं और छात्र आंदोलन को मजबूर होते हैं। यदि इन आशंकाओं में सच्चाई है तो यह केवल भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि युवाओं के भविष्य के साथ संगठित खिलवाड़ है। इसमें किसी भी स्तर पर अधिकारी, कर्मचारी, परीक्षा एजेंसी या बाहरी गिरोह की संलिप्तता सामने आती है तो उसके खिलाफ ऐसी कार्रवाई होनी चाहिए जो भविष्य के लिए स्पष्ट संदेश बने। यदि छात्रों को परीक्षा में गड़बड़ी का संदेह है तो सरकार को उनके सामने जांच की प्रक्रिया, तथ्य और रिपोर्ट रखनी चाहिए। अगर आरोप गलत हैं तो प्रमाण के साथ स्थिति स्पष्ट की जानी चाहिए और अगर गड़बड़ी हुई है तो जिम्मेदार लोगों के नाम सामने आने चाहिए। सरकारों को भर्ती परीक्षाओं के लिए ऐसी पारदर्शी और सुरक्षित व्यवस्था बनानी होगी जिसमें प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर परीक्षा कराने, उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन और परिणाम जारी करने तक हर स्तर पर जवाबदेही तय हो। संवेदनशील प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों और एजेंसियों की जिम्मेदारी स्पष्ट हो। सबसे जरूरी है कि छात्रों की शिकायतों को सुनने के लिए स्थायी संवाद तंत्र बनाया जाए। आंदोलन शुरू होने और विधानसभा घेराव की नौबत आने का इंतजार क्यों किया जाए? सरकारें समय रहते छात्रों के प्रतिनिधियों से बात करें और उनकी शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई करें। सरकारों को युवाओं के सब्र का इम्तिहान लेने के बजाय उनके भरोसे की परीक्षा पास करनी होगी। परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, दोषियों पर कठोर कार्रवाई और अधिकारियों की जवाबदेही ही वह रास्ता है, जिससे सड़कों पर उतरते युवाओं को फिर से किताबों और अपने भविष्य की ओर लौटाया जा सकता है।

चीन को भारत का करारा जवाब

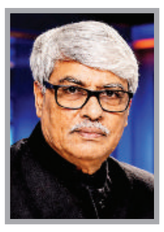

सीमा विवाद

ओमकार चौधरी

भारत-चीन सीमा विवाद अब केवल जमीन और सीमा रेखा का सवाल नहीं रह गया है, बल्कि यह नक्शों, नामों और ऐतिहासिक दावों की लड़ाई में बदल चुका है। चीन अरुणाचल प्रदेश के गांवों, पहाड़ों, नदियों और दर्रों के नाम बदलकर उन्हें अपने नक्शों में शामिल करता रहा है। वहीं, भारत ने हर बार चीन के इन प्रयासों को खारिज किया है। अब भारतीय सर्वेक्षण विभाग ने अरुणाचल प्रदेश के 27 महत्वपूर्ण स्थानों और भौगोलिक विशेषताओं के मानक नाम आधिकारिक भारतीय मानचित्र में शामिल किए हैं। यह कदम केवल प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि चीन की नामकरण रणनीति का संस्थागत जवाब है। संदेश स्पष्ट है :- अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा है और रहेगा।

भारत-चीन सीमा विवाद दशकों पुराना है, लेकिन हाल के वर्षों में इसने एक नया आयाम ले लिया है। मानचित्रों और नामों की लड़ाई। चीन बार-बार अरुणाचल प्रदेश के गांवों, पहाड़ों, नदियों और दर्रों के नाम बदलकर अपने नक्शों में शामिल करता रहा है, ताकि इस क्षेत्र पर अपने दावे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत किया जा सके। भारत ने हर बार इसे सिरे से नकारा है और अब भारतीय सर्वेक्षण विभाग ने राज्य के 27 स्थानों के नाम आधिकारिक भारतीय मानचित्र में शामिल कर एक ठोस और संस्थागत जवाब दिया है। भारत-चीन सीमा विवाद की जड़ें अंग्रेजों के जमाने में जाती हैं। सन 1914 में शिमला सम्मेलन में ब्रिटिश भारत और तिब्बत के प्रतिनिधियों के बीच एक सीमा रेखा तय की गई थी, जिसे मैकमोहन रेखा कहा जाता है। यह रेखा भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र और तिब्बत के बीच की सीमा को परिभाषित करती है। भारत इस रेखा को अंतरराष्ट्रीय सीमा मानता है, जबकि चीन इसे कभी मान्यता नहीं देता । उसका तर्क है कि तिब्बत के पास उस समय स्वतंत्र रूप से समझौते करने का अधिकार नहीं था।

इसी असहमति के चलते 1962 में भारत और चीन के बीच युद्ध हुआ, जिसमें चीनी सेना ने अरुणाचल प्रदेश (तब नेफा यानी नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर एजेंसी) के कई हिस्सों में घुसपैठ की। थाग ला दर्रा इस युद्ध के शुरुआती संघर्ष स्थलों में से एक था, जबकि लोंग जू क्षेत्र में 1959 में ही, यानी युद्ध से तीन साल पहले, चीनी सैनिकों और भारतीय सुरक्षा बलों के बीच पहली बड़ी झड़प हुई थी। युद्ध के बाद चीन ने कुछ इलाकों से पीछे हटने की घोषणा तो की, लेकिन सीमा विवाद कभी सुलझा नहीं। 1972 में नेफा को केंद्र शासित प्रदेश और फिर 1987 में पूर्ण राज्य का दर्जा देकर अरुणाचल प्रदेश बनाया गया, जो आज भारत के पूर्वोत्तर का एक अभिन्न राज्य है। चीन अरुणाचल प्रदेश को अपनी भाषा में 'जांगनान' यानी 'दक्षिण तिब्बत' कहता है और इसे तिब्बत का हिस्सा मानते हुए अपना दावा जताता है। चीन लंबे समय से अरुणाचल प्रदेश को दक्षिणी तिब्बत का हिस्सा बताकर अपना दावा साबित करने की कोशिश करता रहा है, जिसे भारत दृढ़ता से खारिज करता रहा है। यही सोच नामकरण की रणनीति के पीछे भी काम करती है । जगहों को चीनी या तिब्बती नाम देकर यह दिखाने की कोशिश की जाती है कि इन क्षेत्रों पर चीन का प्रभाव रहा है। चीन ने पहली बार 2017 में अरुणाचल प्रदेश के छह स्थानों के नाम बदले थे, और इसे तब दलाई लामा की अरुणाचल यात्रा के विरोध के तौर पर देखा गया था। इसके बाद यह सिलसिला थमा नहीं। 2021 में चीन ने 15 स्थानों की एक और सूची जारी की, और 2023 में 11 और स्थानों के नाम बदले गए। इन नामकरणों में गांव, नदियां, पहाड़ और यहां तक कि आवासीय क्षेत्र तक शामिल किए गए हैं। हर बार जब यह सूचियां सामने आई, भारत के विदेश मंत्रालय ने कड़ा एतराज जताया। इस साल भी जब चीन ने एक बार फिर कुछ स्थानों के नाम बदलने की कोशिश की, तो भारत ने तुरंत जवाब दिया। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। भारत ने इसे एक शरारतपूर्ण प्रयास करार दिया और दोहराया कि इस तरह की कार्रवाइयां न तो जमीनी हकीकत बदल सकती हैं, न ही भारत की संप्रभुता पर कोई असर डाल सकती हैं। विश्लेषक इस पूरी प्रक्रिया को मानचित्रण संबंधी आक्रामकता यानी कार्टोग्राफिक अग्रेशन कहते हैं। यह कोई नई रणनीति नहीं है। चीन 2017 से समय-समय पर

अरुणाचल प्रदेश के स्थानों के लिए मानकीकृत नामों की सूचियां जारी करता रहा है। इसका मकसद सिर्फ नाम बदलना नहीं, बल्कि दस्तावेजों और मानचित्रों के जरिए धीरे-धीरे यह स्थापित करना है कि इन क्षेत्रों पर चीन का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक अधिकार रहा है। इसी पृष्ठभूमि में भारत का हाल का कदम बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारतीय सर्वेक्षण विभाग ने अरुणाचल प्रदेश के 27 स्थानों और उनकी भौगोलिक विशेषताओं के मानक नामों को आधिकारिक भारतीय मानचित्र में औपचारिक रूप से शामिल किया है। इस सूची में शामिल स्थानों में सामरिक और ऐतिहासिक महत्व साफ झलकता है ।

लोंग जू : यह वही क्षेत्र है जहां 1959 में भारत-चीन सैनिकों के बीच पहली बड़ी झड़प हुई थी, और जो आज भी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के करीब स्थित है। थाग ला दर्रा :1962 के युद्ध के शुरुआती संघर्षों का गवाह व सामरिक रूप से बेहद ऊंचाई पर स्थित महत्वपूर्ण दर्रा।

जयरामपुर : चांगलांग जिले में स्थित यह रसद केंद्र पूर्वी सीमा क्षेत्र का प्रवेश द्वार माना जाता है और म्यांमा सीमा की ओर सुरक्षा बलों की आवाजाही में अहम भूमिका निभाता है।

जसवंतगढ़ : तवांग रोड पर स्थित यह स्थान भारतीय शहीद जसवंत सिंह रावत के स्मारक के लिए जाना जाता है, जिन्होंने 1962 के युद्ध में वीरता दिखाई थी।

शेर-ए-थापा स्मारक : 1962 के युद्ध के नायक त्रिलोक सिंह थापा की स्मृति में बनाया गया यह स्मारक भी इस सूची का हिस्सा है। इनके अलावा शंभू सरोवर, बड़ा और छोटा कुंडुन, धन बाड़ी, प्रीतनगर, तेरितनगर, रामनगर, सागर, पद्मा, ज्योतिनगर, बैसाखी, छोटा और बड़ा रोपुक, शिवाजी नगर, सुनपुरा, कमलांग नगर और बुद्ध मंदिर जैसे स्थान भी इस सूची में शामिल हैं। यह चुनाव आकस्मिक नहीं लगता। इनमें से अधिकांश स्थान सामरिक दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में हैं या 1959-1962 के संघर्षों से सीधा ऐतिहासिक संबंध रखते हैं। भारत का यह कदम कई मायनों में महत्वपूर्ण है ।

कानूनी व प्रशासनिक स्पष्टता : आधिकारिक मानचित्र में स्थानों को औपचारिक रूप से शामिल करने से सटीक भौगोलिक पहचान सुनिश्चित होती है, जिससे प्रशासनिक कामकाज व सुरक्षा तैनाती में स्पष्टता आती है।

कूटनीतिक जवाब : यह चीन की नामकरण रणनीति के जवाब में भारत का दस्तावेजी आधार तैयार करने जैसा है, ताकि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का पक्ष उतनी ही मजबूती से उठे, जितनी मजबूती से चीन दावा करता है।

जन-जागरूकता : इन स्थानों को आधिकारिक तौर पर चिह्नित करने से आम नागरिकों में इनकी अहमियत व भारत की संप्रभुता के प्रति जागरूकता बढ़ती है, खासकर उन स्थानों के मामले में जो 1962 और 1959 के संघर्षों से जुड़े हैं और शहीदों की स्मृति को संजोए हैं।

ऐतिहासिक स्मृति को संरक्षित करना: जसवंतगढ़ और शेर-ए-थापा स्मारक जैसे स्थानों को शामिल करना यह सुनिश्चित करता है कि 1962 के युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की वीरता की कहानियां आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचे। अरुणाचल प्रदेश को लेकर भारत-चीन विवाद केवल सीमा रेखा का मसला नहीं रह गया है। यह अब मानचित्रों, नामों और दस्तावेजों की एक लंबी लड़ाई बन चुका है। चीन जहां बार-बार नामकरण के जरिए अपने दावे को स्थापित करने की कोशिश करता रहा है, वहीं भारत ने भी अब यह स्पष्ट कर दिया है कि वह इस मोर्चे पर पीछे नहीं हटेगा। 27 स्थानों का यह औपचारिक नामकरण केवल एक प्रशासनिक कदम नहीं, बल्कि एक ठोस संदेश है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा पहले भी था, आज भी है, और भविष्य में भी रहेगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

विशेष

अनुभव शर्मा

भगवान महादेव का प्रिय है विदेशी धतूरा

धतूरैः पूजनं शंभोः सर्वकामफलप्रदम्।
विषनाशकरं चैव सर्वसौभाग्यवर्धनम्॥

(अर्थातः भगवान शिव का धतूरे के फूलों या फलों से पूजन करना सभी मनोकामनाओं को पूरा करने वाला, विष यानी नकारात्मकता और कष्टों का नाश करने वाला तथा समस्त सौभाग्य को बढ़ाने वाला होता है।)

भगवान शिव को धतूरा अर्पित करने का महात्म्य दर्शाने वाला यह प्राचीन श्लोक है। परंतु यह आश्चर्यजनक है कि महादेव का प्रिय धतूरा मूलतः भारतीय ही नहीं है, बल्कि यह प्रशांत महासागर के उस पार स्थित अमेरिका महाद्वीप के मैक्सिको की मूल प्रजाति है, जिसका वैज्ञानिक नाम डातुरा स्ट्रामोनियम है। पशुपति नाथ की सेंधव मुहरों से लेकर ऋग्वेद के रुद्र शिव तक भारत में शैव पूजा का हजारों वर्ष प्राचीन इतिहास है इसी कारण शिव आदिदेव भी कहे जाते है परन्तु धतूरे को वनस्पति शास्त्री मूलतः मेक्सिको का पौधा बताते हैं जो बाद में भारत पहुंचा, परन्तु प्रश्न है कब और कैसे। लगभग दो हज़ार वर्षों पहले इसका उल्लेख चरक संहिता में 'उन्मत्त' या 'धत्तूर' के रूप में मिलता है, जो इसे भ्रम पैदा करने वाली औषधि बताते हैं। वहीं, महर्षि सुश्रुत इसे कुत्तों के काटने से होने वाले रोग 'रेबीज' के उपचार में उपयोगी मानते हैं। वात्स्यायन के कामसूत्र के अनुसार, नागरक या शहरी लोग धतूरे को तांबूल (पान) के साथ मिलाकर एक सुगंधित लेप तैयार करते थे। महाकवि बाणभट्ट अपनी रचना 'हर्षचरित' में विंध्यांचल के वनों की आटविक (जंगली) जातियों द्वारा तंत्र में प्रयुक्त औषधि के रूप में इसका उल्लेख इस प्रकार करते हैं।

उद्गत-धत्तूर-प्ररोह-संकुलैः, प्रगुणीकृत-शबर-पल्लव-कुटीरैः...

(भावार्थः वह विंध्य के जंगल का क्षेत्र था, जो बाहर निकले हुए धतूरे के पौधों के अंकुरों से घिरे हुए थे और जहां शबरों जंगली जातियों की पत्तों से बनी कुटियाएं थीं।) चोल काल के प्रसिद्ध ऐरावतेश्वर मंदिर में भगवान शिव की कंकाल मूर्ति की जटाओं और आभूषणों में धतूरे के फूल का अंकन मिलता है। इन साक्ष्यों से यह ज़ाहिर है कि धतूरा ईस्वी सन के आस-पास ही भारत भूमि में आ चुका था, जबकि इसके पहले वेदों, उपनिषदों या फिर सैन्धव सभ्यता में यह पूर्णतः अनुपस्थित मिलता है। प्रश्न यह है कि फिर यह आदिदेव शिव का प्रिय फूल कैसे हुआ? कोलम्बस की अमेरिका की खोज (1492 ईस्वी सन) के बाद ही 'नई दुनिया' की वनस्पतियां एशिया और यूरोप के संपर्क में आईं, जिसमें आलू, टमाटर, मिर्च, कद्दू से लेकर तंबाकू जैसी आज की प्रचलित किस्में शामिल हैं। फिर धतूरा ईस्वी सन की शुरुआत में भारत तक कैसे पहुंचा? क्या प्री-कोलम्बस काल में भी अमेरिकी महाद्वीप से भारतीय संपर्क हुआ था? यह इतिहास की अबूझ पहेली है। मैक्स प्लांक इंस्टीट्यूट के नवीन अनुसंधानों में यह साबित हुआ है कि ऑस्ट्रेलिया के मूल नेटिव आदिवासियों में लगभग 4000 साल पहले भारतीय डीएनए पाए गए हैं, जो द्रविड़ एवं तटीय भारतीय व्यापारिक संबंधों की पुष्टि करते हैं, परंतु मैक्सिको के संदर्भ में ऐसे किसी भी आदान-प्रदान के साक्ष्य कोलम्बस से पहले नहीं मिलते। हालांकि, ऐसी विकास अवधारणाओं को 'अभिसारी विकास' के रूप में भी देखा जाता है। जब अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्रों में रहने वाले जीवों या पौधों को पर्यावरण, जलवायु या जीवनशैली की लगभग एक जैसी चुनौतियां मिलती हैं, तो प्रकृति उन्हें जीवित रहने के लिए समान शारीरिक या जैविक रूप ढालने पर मजबूर कर देती है। पौराणिक कथाओं में समुद्र मंथन से निकले विष पान के कारण भगवान शिव को 'नीलकंठ' कहा गया है। कालकूट विष की उष्णता इतनी अधिक थी कि देवताओं और ऋषियों ने शिवजी की इस महापीड़ा को शांत करने के लिए उन्हें ठंडी प्रकृति वाली और विष का प्रभाव काटने वाली औषधियां अर्पित कीं। कालकूट विष के प्रचंड ताप से पीड़ित शिवजी की पीड़ा को शांत करने में धतूरे ने अपनी मुख्य भूमिका निभाई, इसलिए भगवान शिव को धतूरा अतिप्रिय माना गया है। हैरत की बात यह है कि धतूरे की तरह ही पीला कनेर का फूल भी मैक्सिको से पुर्तगालियों द्वारा पंद्रहवीं सदी में ही आया था (हालांकि सफेद कनेर भारत में पहले से होता था) और यह पीला कनेर भी शिव पूजन में अत्यधिक लोकप्रिय है। किसी जीव द्वारा या समुद्र में बह कर आने के विषय पर शोध आवश्यक है। इसलिए मध्य काल के कवि बिहारीदास के शब्दों में

कनक कनक ते सौ गुनी मादकता अधिकाय,
वा खाए बौराय जग, इहि पाए बौराय।

इसी 'कनक' (धतूरे) की मादकता का भारत में विशेष धार्मिक व सांस्कृतिक प्रभाव आज भी स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

(लेखक अवर सचिव, लोक भवन, रायपुर हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

माता-पिता के अपमान को भगवान भी माफ नहीं करते

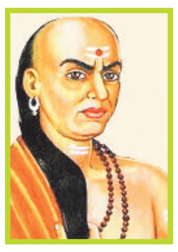

संकलित

दर्शन

चाणक्य ने अपनी नीतियों में एक ऐसे काम का जिक्र किया है जिसे महापाप की श्रेष्ठ में रखा गया है और इस कार्य को करने वालों को भगवान कभी भी माफ नहीं करते हैं। चाणक्य नीति अनुसार व्यक्ति के शब्द बहुत महत्वपूर्ण होते हैं शब्द ही ऐसी चीज़ है जो बिना हथियार के ही दूसरों को घायल कर सकते है। इसलिए चाणक्य कहते हैं जो लोग ईश्वर स्वरूप माता पिता को अपशब्द बोलकर उनका अपमान करते हैं ऐसे लोगों को भगवान कभी माफ नहीं करते है यह ऐसी गलती है जो महापाप की श्रेष्ठी में आती है। माता पिता को अपशब्द कहने वाले लोगों को हर ओर से कष्ट उठाना पड़ता है ऐसे लोगों को माता पिता भले ही माफ कर दें लेकिन ईश्वर इन्हें कभी माफ नहीं करता है। माता पिता को अपशब्द कहना ही जीवन में सबसे बड़ा महापाप है। चाणक्य की मानें तो जो लोग माता पिता का दुख तोड़ते हैं उन्हें भला बुरा कहते हैं ऐसे लोगों को ईश्वर कभी क्षमा नहीं करता है बल्कि इन्हें कष्ट उठाना पड़ता है। इसलिए कहा जाता है कि माता पिता को हमेशा खुश रखना चाहिए। ऐसा कोई भी काम नहीं करना चाहिए जिससे उनके दिल को ठेस पहुंचे। इस संसार में माता-पिता का ऋण कोई भी नहीं चुका सकता।

गुरु के बिना जीवन में वास्तविक प्रगति संभव नहीं

संकलित

प्रेरणा

एक बल्ब के भीतर तंतु (फिलामेंट) पहले से ही विद्यमान होता है। उसे केवल विद्युत प्रवाह की आवश्यकता होती है और वह प्रकाशमान हो उठता है। ठीक उसी प्रकार गुरु की उपस्थिति ही मनुष्य को अपने इस वास्तविक स्वरूप का बोध कराती है। यदि जीवन में उच्चतर चेतना, उत्कृष्टता और आत्मोन्नति प्राप्त करनी है, तो गुरु का होना अनिवार्य है। गुरु के बिना वास्तविक प्रगति संभव नहीं। जीवन में जो बातें प्रत्यक्ष दिखाई देती हैं, उनके लिए भी हम मार्गदर्शक की आवश्यकता सहज स्वीकार करते हैं। वाहन चलाना सीखने के लिए प्रशिक्षक चाहिए, किसी विषय में दुर्बलता हो तो शिक्षक या कोच की आवश्यकता पड़ती है। जब दृश्य जगत की छोटी-छोटी बातों के लिए भी मार्गदर्शक आवश्यक है, तब उस अदृश्य, सूक्ष्म और अव्यक्त सत्य की अनुभूति के लिए गुरु का महत्त्व कितना अधिक होगा। गुरु के बिना आत्मसाक्षात्कार अत्यंत कठिन प्रतीत होता है और गुरु के बिना ध्यान की गहराइयों तक पहुंचना भी सहज नहीं होता। क्या आप जानते हैं कि स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी शिक्षा के लिए महर्षि सांदीपनि का आश्रय ग्रहण किया था? भगवान श्रीराम ने भी महर्षि वशिष्ठ से जीवन का गहन ज्ञान प्राप्त किया। जब स्वयं अवतार पुरुषों ने गुरु की शरण ग्रहण की, तब सामान्य मनुष्य के लिए गुरु की आवश्यकता कितनी स्वाभाविक है। गुरु-शिष्य परंपरा हमारी सनातन संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। यदि मानव जाति को आगे बढ़ना है, तो उसे इस प्राचीन ज्ञान-परंपरा को अपने साथ लेकर चलना होगा।

अंतर्मन

आज की पाती

लोगों में धन की भूख बढ़ी

आज भौतिकवादी और आधुनिक युग में कुछ लोगों को धन की इतनी भूख बढ़ रही है कि वो इसे पाने के लिए किसी भी हद तक गिर रहे हैं। स्वामी दयानंद सरस्वती जी ने कहा है कि, धन एक वस्तु है जो ईमानदारी और न्याय से कमाई जाती है, और इसके विपरीत है अधर्म का खजाना। लेकिन आज बहुत से लोग अमीर बनने के चक्कर में बेईमानी, हेराफेरी, अनैतिकता की राह पर चल पड़ते हैं। ऐसे लोग यह भूल जाते हैं कि गलत तरीकों से कमाई धन-दौलत ज्यादा दिन सुख नहीं दे सकती। कहते हैं कि जैसा खाओ अन्न वैसा हो मन। अगर हम बेईमानी कि कमाई से अन्न खरीद कर खाएंगे या अपने परिवार को खिलाएंगे तो क्या वो अन्न हमारे या हमारे परिवार के लिए उचित भोजन होगा? शायद नहीं। पाप की कमाई से अगर बच्चों का पालन-पोषण किया जाए तो इससे बच्चे पथभ्रष्ट ही होंगे। - *विजय कुमार, रायपुर*

करंट अफेयर

पाक में मिला अनोखा फंगस जो चटकर जाएगा प्लास्टिक को

दुनिया भर में प्लास्टिक कचरे की बढ़ती समस्या के बीच पाकिस्तान के वैज्ञानिकों ने एक ऐसी खोज की है जो भविष्य में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। राजधानी इस्लामाबाद के एक नगरपालिका कचरा निपटान स्थल की मिट्टी से अलग किए गए एक अनोखे फंगस एस्परगिलस ट्यूबिंगेंसिस ने पॉलिएस्टर पॉलीयुरेथेन नामक अत्यंत टिकाऊ प्लास्टिक को तोड़ने की क्षमता दिखाई है। यह प्लास्टिक सिंथेटिक लेदर, कोटिंग्स, कुशन, इन्सुलेशन सामग्री और कई औद्योगिक उत्पादों में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होता है और आम वातावरण में आसानी से नष्ट नहीं होता।

शोधकर्ताओं ने लैब में कल्चर और मिट्टी में दफनाने के विस्तृत प्रयोगों के जरिए इस फंगस की क्षमता का गहन परीक्षण किया। अध्ययन में इसे एस्परगिलस ट्यूबिंगेंसिस की पॉलीयुरेथेन को खराब करने की क्षमता का पहला रिपोर्टेड मामला बताया गया था। हालांकि वैज्ञानिकों ने साफ चेतावनी दी है कि इन नतीजों को अतिरंजित नहीं समझना चाहिए। प्रयोग पूरी तरह नियंत्रित लैब परिस्थितियों में किए गए थे। इसका मतलब यह कतई नहीं है कि फेंका गया पॉलीयुरेथेन गद्दा, जूता या कोई अन्य उत्पाद दो महीने पर्यावरण में रहने के बाद गायब हो जाएगा।

ऑफ बीट

बुंदेलखंड की काशी कहे जाते हैं कुंडेश्वर धाम

बुंदेलखंड की काशी कहे जाने वाले शिव धाम कुंडेश्वर में भगवान भोलेनाथ का स्वयंभू शिवलिंग है। यह शिवलिंग करीब 5000 साल पुराना बताया जाता है।

द्वापर युग में बाणासुर की पुत्री ऊषा ने यहां भगवान शिव की तपस्या की थी। वर्तमान में किंवदंती है कि ऊषा आज भी भगवान शिव को जल अर्पित करने आती है। मगर उन्हें कोई देख नहीं पाता है। कुंडेश्वर स्थित देवादिदेव महादेव आज भी शाश्वत और सत्य हैं, इसका जीता जागता प्रमाण स्वयं प्रतिवर्ष चावल के बराबर बढ़ने वाला शिवलिंग है। क्यों कहा जाने लगा कुंडेश्वर- बताया जाता है कि कुंडेश्वर का इतिहास बहुत पुराना है, लेकिन इसके बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं है। प्राचीनकाल में यहां एक छोटी सी बस्ती थी। एक महिला अपने घर में जमीन में बनी ओखली में धान कूट रही थी कि अचानक उसने हाथ से धान पलटते समय पाया कि ओखली के चावल रक्त रंजित हो गए हैं। वह घबराकर मिट्टी के कूड़े से ओखली ढक्कर लोगों को बुलाने भागी, लौटने पर सभी ने देखा कि स्वयं भू शिवलिंग कूड़े को सिर पर रखकर प्रकट हो गए। इसी दिन से वे कूड़ा देव कुंडेश्वर कहे जाने लगे। समूचे उत्तर भारत में भगवान कुंडेश्वर की विशेष मान्यता है। यहां प्रतिवर्ष लाखों की संख्या में श्रद्धालु भगवान के दर्शन करने के लिए आते हैं।

ट्रेंड

कोई गोली नहीं चली

जंतर-मंतर पर कोई गोली नहीं चली। राहुल गांधी भ्रम फैला रहे हैं। गृहमंत्री हर बात का जवाब देने को तैयार। अमित शाह सदन में विस्तार से जवाब देंगे, लेकिन विपक्ष को भरोसा देना होगा कि वह बहस से भागेगा नहीं। **-जेपी नड्डा,** केंद्रीय मंत्री

विपक्ष की तीन मांगें

विपक्ष की तीन प्रमुख मांगें हैं। पहली- जंतर मंतर पर शांतिपूर्ण तरीके से आंदालन युवाओं पर गोली चलाने की जिम्मेदारी स्पष्ट हो। दूसरी-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस घटना के लिए माफी मांगें और तीसरी- राम मंदिर में चोरी के मुद्दे पर संसद में चर्चा की जाए, सरकार दोषियों को न बचाए।

-राहुल गांधी, नेता विपक्ष

संसद चले

अगर केंद्रीय गृह मंत्री जंतर-मंतर पर हुई घटना या वहां हुए विरोध-प्रदर्शन से निपटने के दौरान हुई घटनाओं के बारे में सदन में सवालों का जवाब देते हैं और इससे संसद का कामकाज फिर से शुरू हो जाता है, तो यह अच्छी बात है। लोग चाहते हैं कि संसद चले। संसद चलाने में बहुत पैसा खर्च होता है। **-उमर अब्दुल्ला,** सीएम, जम्मू-कश्मीर

वीबी-जी रामजी में सुधार करें

एक जुलाई से मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) की जगह ले चुकी वीबी-जी रामजी योजना अपने पहले ही महीने में बुरी तरह फेल साबित हुई है। केंद्र सरकार योजना की खामियों को दूर करे व लोगों को राहत दे।

-अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

राम मंदिर ट्रस्ट को जल्द मिलेगा नया सीईओ, दौड़ में 18 उम्मीदवार

देश भर से आए 5,000 से अधिक आवेदनों की 20 दिनों में स्क्रीनिंग

एजेंसी ▶▶| अयोध्या

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने फाइनल राउंड के लिए पहले मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पद पर चुनने के लिए 18 उम्मीदवारों को शार्टलिस्ट किया है। ट्रस्ट ने देश भर से आए 5,000 से अधिक आवेदनों की 20 दिनों में स्क्रीनिंग करने के बाद इन उम्मीदवारों को शार्टलिस्ट किया है। ट्रस्ट ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले के सामने के बाद पिछले माह इस पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए थे। सूत्रों के मुताबिक, शार्टलिस्टेड किए गए उम्मीदवारों में से अधिकतर रिटायर प्रशासनिक अधिकारी, पूर्व वरिष्ठ कार्पोरेट कार्यकारी और रिटायर रक्षा अधिकारी शामिल हैं।

कब होगा आखिरी फैसला?

इस पद के लिए ट्रस्ट आखिरी फैसला 11 और 12 अगस्त को होने वाली आमने-सामने के इंटरव्यू के बाद लेगा। इस दौरान पैनल न सिर्फ उनके प्रोफेशनल अनुभव को परखेगा, बल्कि इस भूमिका के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और अयोध्या से बाहर काम करने की उनकी इच्छा को भी देखेगा।

सीईओ में क्या-क्या देख रहा ट्रस्ट?

सीईओ पद के लिए जरूरी योग्यताओं में रिटायर होना, 50 से 70 साल की उम्र का हिंदू होना, बड़े संस्थानों को चलाने का कम से कम 20 साल का अनुभव होना और भगवान राम के प्रति समर्पित होना शामिल था। सिलेक्शन कमेटी के एक सदस्य ने बताया, 'हमने अपने तय किए गए मानदंडों के आधार पर 5000 से अधिक आवेदनों को छांटा। हमने कुछ आवेदकों के साथ वर्चुअल बातचीत भी की ताकि कुछ बातों को साफ किया जा सके और उनकी राय समझी जा सके। पिछले 20 दिनों में चली चयन प्रक्रिया के आधार पर, अंतिम इंटरव्यू के लिए लगभग 18 नाम तय किए गए हैं।' कमेटी के सदस्य ने कहा कि अंतिम इंटरव्यू यह तय करने में अहम भूमिका निभाएगा कि क्या उम्मीदवार ट्रस्ट के कामकाज के अनोखे स्वरूप को संभाल सकते हैं या नहीं। इस कामकाज में संस्थागत प्रबंधन के साथ-साथ एक बड़े धार्मिक और सार्वजनिक संस्थान का रोजमर्रा का संचालन भी शामिल है। समिति के सदस्य ने कहा, 'देखिए, (सीईओ पद के लिए) वह व्यक्ति असाधारण होना चाहिए। उसे किसी बड़े संगठन को चलाने का पहले से अनुभव होना चाहिए, लेकिन साथ ही, यह एक सार्वजनिक जगह है जहाँ रोजमर्रा के कामकाज को संभालने की जरूरत होती है। सीईओ को अयोध्या में ही रहना होगा और उन्हें लोगों और कर्मचारियों को संभालने में भी माहिर होना चाहिए, साथ ही खास मेहमानों और बड़े संतों के दौरों का इंतजाम भी देखना होगा।'

11-12 अगस्त को होने वाले आमने-सामने के इंटरव्यू के बाद होगा फैसला

तीन नामों को किया जाएगा फाइनल : *इंटरव्यू के बाद, पैनल उम्मीदवारों पर विचार-विमर्श करेगा और ट्रस्ट को तीन नामों की सिफारिश करेगा। इसके बाद ट्रस्ट सितंबर में होने वाली अपनी अगली बैठक में इन सिफारिशों पर विचार करेगा और फिर कोई अंतिम फैसला लेगा। इस चयन समिति में सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज जस्टिस प्रमोद कोहली, रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल विष्णुकांत चतुर्वेदी और सुरेश हावरे शामिल हैं। सुरेश हावरे एक रिटायर्ड न्यूक्लियर साइंटिस्ट और शिरडी स्थित श्री साईबाबा संस्थान ट्रस्ट के पूर्व चेयरमैन हैं।*

यह होगी सीईओ की जिम्मेदारी

- सदस्य के मुताबिक, सीईओ पद के लिए आए व्यक्तियों से कई अहम जिम्मेदारियों को लेकर चर्चा की जाएगी। ट्रस्ट के कामकाज को चलाना: सीईओ के तौर पर इसके कानूनी, प्रशासनिक और वित्तीय काम संभालना।
- सिस्टम बनाना: ट्रस्ट की बढ़ती गतिविधियों के हिसाब से सिस्टम और प्रक्रियाएँ विकसित करना।
- संगठन बनाना: ट्रस्ट के उद्देश्यों और जरूरतों के आधार पर एक संगठनात्मक ढाँचा तैयार करना और इसके अधिकारियों, कर्मचारियों और स्टाफ़ की देखरेख करना।
- नियमों का पालन सुनिश्चित करना: यह पक्का करना कि ट्रस्ट कानूनी, रेगुलेटरी और ट्रस्ट डीड की जरूरतों का पालन करे।
- वित्तीय पारदर्शिता सुनिश्चित करना: वित्तीय लेन-देन, खातों और संबंधित जानकारी में कुशलता और पारदर्शिता की देखरेख करना।
- सुरक्षा की देखरेख करना: सुरक्षा के उचित इंतजाम सुनिश्चित करना और जहाँ भी जरूरत हो, स्थानीय, राज्य और केंद्र सरकारों के साथ तालमेल बिठाना।
- अनुष्ठानों और त्योहारों का प्रबंधन: यह सुनिश्चित करना कि रोजाना की पूजा, धार्मिक समारोह और त्योहार नियमित और सही ढंग से आयोजित हों।
- भक्तों का ध्यान रखना: मंदिर आने वाले भक्तों की सुरक्षा, सुविधाओं और उनके कुल अनुभव का ध्यान रखना।
- खास मेहमानों की देखरेख: मंदिर आने वाले विशिष्ट अतिथियों और प्रमुख संतों के लिए इंतजाम करना।

खबर संक्षेप

मौतों का आंकड़ा शून्य करने की है कोशिश

नयी दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि सरकार सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों की संख्या शून्य पर लाने की दिशा में काम कर रही है। इसके लिए अधिक दुर्घटनाओं वाले 100 जिलों की पहचान कर वहां तत्काल सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। गडकरी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य वर्ष 2030 तक सड़क दुर्घटनाओं और उनसे होने वाली मौतों की संख्या आधी करना है।

अभिषेक को विदेश जाने की मिली मंजूरी

कोलकाता। उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा 16 मुकदमे लंबित होने और लौटकर नहीं आने की दलीलों को दरकिनार करते हुए सोमवार को तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी को आंखों के उपचार के वास्ते तीन हफ्ते के लिए विदेश जाने की अनुमति दे दी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने टिप्पणी की कि हर व्यक्ति को अपने इलाज के लिए चिकित्सक को चुनने का अधिकार है।

55.80 करोड़ के मादक पदार्थ जब्त, 39 गिरफ्तार

बेंगलुरु। बेंगलुरु पुलिस ने आठ विदेशी नागरिकों समेत 39 लोगों के पास से 55.80 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ बरामद होने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया है। 'मिशन आरआईएसई' और बेंगलुरु सिटी पुलिस के नशा रोधी अभियान के तहत शुरू किए गए 'बीईडीए बीआरओ' कार्यक्रम के तहत यह कार्रवाई की गई। बेंगलुरु सिटी पुलिस के आयुक्त पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि 'मिशन आरआईएसई' के तहत बेंगलुरु के साथ दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम और केरल के अलग-अलग स्थानों से 55 करोड़ से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ बरामद किए गए हैं।

लाठीचार्ज और अयोध्या में चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर सरकार, विपक्ष के बीच गतिरोध बरकरार

जंतर मंतर लाठीचार्ज, गृहमंत्री शाह चर्चा के लिए तैयार! विपक्ष ने मांगा इस्तीफा

संसद के मानसून सत्र में छात्रों पर कथित लाठीचार्ज और अयोध्या में चढ़ावे की कथित चोरी के मुद्दे पर सरकार और विपक्ष के बीच गतिरोध बरकरार है। गृहमंत्री अमित शाह छात्रों के आंदोलन और पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर लोकसभा में बयान देने के लिए सशर्त तैयार हैं। लेकिन विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने तीन मांगें रखते हुए शाह से इस्तीफा देने कहा है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सरकार छात्रों के आंदोलन से जुड़े मुद्दे पर पूरी चर्चा के लिए तैयार है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सरकार का प्रस्ताव बिल्कुल स्पष्ट है। उन्हें गृहमंत्री का जवाब बिना हंगामा किए सुनना पड़ेगा।लोकसभा में बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक खत्म होने के बाद यह जानकारी दी। रिजिजू के मुताबिक, सरकार ने बिजनेस एडवाइजरी कमेटी (बीएसी) की बैठक में भी अपना पक्ष स्पष्ट कर दिया है। सरकार चर्चा के लिए तैयार है और गृह मंत्री जवाब देने के लिए तैयार हैं, लेकिन इसके लिए सदन में व्यवधान नहीं होना चाहिए। हालांकि शाह कब बोलेंगे, रिजिजू ने इसकी जानकारी नहीं दी है। बीएसी की बैठक में सदन को सुचारू रूप से चलाने को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच सहमति नहीं बन सकी। विपक्ष ने छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के साथ-साथ अयोध्या में चढ़ावे की कथित चोरी के मुद्दे पर भी चर्चा की मांग रखी है। वहीं, सरकार की ओर से कहा गया कि छात्रों के प्रदर्शन से जुड़े मुद्दे पर चर्चा कराई जा सकती है, लेकिन मौजूदा समय में सदन के पास सीमित कार्यदिवस बचे हैं और कई महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित करना जरूरी है। सरकार का जोर लंबित विधायी कामकाज पूरा करने पर है।

सोमवार को भी इस मुद्दे पर संसद के भीतर-बाहर किया गया प्रदर्शन

राहुल-खड़गे ने मानसून सत्र खत्म होने से पहले रखीं 3 बड़ी मांगे

गोलीबारी का आदेश किसने दिया, यह बताएं शाह : राहुल

कांग्रेस नेता व एलओपी राहुल गांधी व राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रेसवार्ता लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृहमंत्री अमित शाह पर कई गंभीर आरोप लगाए। शाह के संसद में जवाब देने को राजी होने वाली बात को खारिज करते हुए राहुल ने कहा, विपक्ष की मांग संसद में उनके किसी सामान्य भाषण की नहीं, बल्कि दिल्ली में छात्रों पर हुई कथित पुलिस कार्रवाई पर स्पष्ट जवाब की है। विपक्ष जानना चाहता है कि दिल्ली में छात्रों पर कथित तौर पर पैलेट गन चलाने और कील लगी लाठियों से मारने का आदेश किसने दिया। राहुल ने कहा कि अगर शाह ने कार्रवाई का आदेश दिया था तो वह इसके लिए जिम्मेदार हैं और अगर उन्हें इस कार्रवाई की जानकारी ही नहीं थी तथा गृह मंत्रालय में किसी अन्य व्यक्ति ने आदेश दिया, तो यह उनकी अक्षमता को दर्शाता है।

राहुल गांधी की तीन बड़ी मांग

- छात्रों-युवाओं पर की गई बर्बरता पर अमित शाह जवाब दें
- मोदी सरकार बताए कि राम मंदिर का 'चढ़ावा' कहां गया?
- इस सबके लिए पीएम नरेंद्र मोदी को देश से माफी मांगनी चाहिए

संसद के बाहर भी हुआ प्रदर्शन

इसी मुद्दे पर संसद के भीतर बाहर भी हंगामा-प्रदर्शन हुआ। संसद में विपक्ष के नारेबाजी-हंगामा के चलते संसद की कार्रवाई स्थगित करनी पड़ी। विपक्षी सांसदों ने सोमवार को भी संसद के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान प्रियंका गांधी ने हाथ में पोस्टर लिया था, जिस पर शाह की लोकसभा में गैरहाजिरी की तारीखें दर्ज थीं।

अब 12 अगस्त को आएगा फैसला

नीट पेपर लीक मामला आरोपियों की बढ़ी हिरासत, टला फैसला

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

नीट-यूजी पेपर लीक मामले में सुनवाई कर रही फास्ट ट्रैक कोर्ट ने चार्जशीट पर संज्ञान लेने पर फैसला फिलहाल टाल दिया है। 12 अगस्त को कोर्ट इसपर फैसला सुनाएगा। आरोपियों की न्यायिक हिरासत 12 अगस्त तक बढ़ाई गई है।

इससे पहले जब पहली बार मामले की सुनवाई होनी थी तो सरकारी वकील के उपस्थित ना होने से सुनवाई टाल दी गई थी। कोर्ट ने आरोपियों की न्यायिक हिरासत 12अगस्त तक बढ़ाई है। रिपोर्ट के मुताबिक आरोपियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पूछताछ होगी। अब राऊज एवेन्यू कोर्ट 12 अगस्त को अपना फैसला सुनाएगा। सोमवार को मामले के सभी 13 आरोपी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश हुए। सीबीआई ने इस मामले में करीब 20 हजार पन्नों की चार्जशीट दाखिल की है। मामले की सुनवाई के दौरान राऊज एवेन्यू की विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट ने आरोपी मांगीलाल बिवाल, दिनेश बिवाल और विकास बिवाल की लाई डिटेक्टर, ब्रेन मैपिंग और पॉलीग्राफ टेस्ट कराने की मांग वाली अर्जी को भी खारिज कर दिया है।

13 लोग हैं आरोपी

बता दें कि जारी चार्जशीट में यश यादव, मांगीलाल बिवाल, दिनेश बिवाल, विकास बिवाल, शुभम खैरनार, धनंजय लोखंडे, प्रहलाद कुलकर्णी, तेजस हर्षद कुमार, डॉ. मनोज शिरुरे, शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर, मनीषा वाघमारे, मनीषा मंधारे और मनीषा संजय हवलदार का नाम शामिल है।

एनटीए के गोपनीय सेक्शन से निकाले गए सवाल

सीबीआई ने चार्जशीट में ऐसा दावा किया गया है कि तीन विषय विशेषज्ञों ने दिल्ली स्थित एनटीए कार्यालय के गोपनीय सेक्शन से नीट-यूजी परीक्षा के प्रश्न अलग-अलग तरीकों से बाहर निकाले. जांच एजेंसी के मुताबिक, विशेषज्ञों को गोपनीय सेक्शन से बाहर निकलते समय तलाशी नहीं लिए जाने का फायदा मिला. सीबीआई ने कहा है कि एनटीए के गोपनीय सेक्शन में विशेषज्ञों के प्रवेश और बाहर निकलने के दौरान तलाशी लेने की कोई निर्धारित व्यवस्था नहीं थी।

भाजपा को दिया झटका

तीन बागी टीएमसी सांसदों का भाजपा में जाने से इंकार

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के तीन बागी मुस्लिम सांसद अबू ताहिर खान, खलीलुर रहमान और यूसुफ पठान ने कहा है कि वे भाजपा में शामिल नहीं होंगे और वे एनडीए का हिस्सा भी नहीं हैं। तीनों सांसदों के मुताबिक, वे भाजपा की राजनीति से सहमत नहीं हैं, लेकिन अपने क्षेत्रों के लोगों के हित में केंद्र और राज्य सरकार के साथ काम करेंगे। ये तीनों उन 20 बागी टीएमसी सांसदों में शामिल हैं, जिन्होंने बंगाल विधानसभा चुनाव के कुछ हफ्तों बाद ममता बनर्जी की पार्टी से अलग होकर नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया में विलय किया था। इसके बाद एनडीए को समर्थन देने की घोषणा की थी। हालांकि, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने अभी तक उन्हें औपचारिक रूप से एनसीपीआई सांसद के तौर पर मान्यता नहीं दी है।

भाजपा से नजदीकी की थीं अटकलें

पीएम मोदी ने 7 जुलाई को अपने आवास पर एनडीए के सांसदों के लिए ब्रेकफास्ट मीटिंग आयोजित की थी। इस दौरान एनसीपीआई में शामिल हुए टीएमसी के बागी सांसद और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में विलय करने वाले शिवसेना (यूबीटी) के सांसद भी मौजूद थे। ब्रेकफास्ट मीटिंग में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन के साथ टीएमसी के बागी सांसद खलीलुर रहमान, यूसुफ पठान और अबू ताहिर खान भी मौजूद थे। इसके बाद उनके भाजपा और एनडीए के करीब जाने की अटकलें तेज हो गई थीं। लेकिन अबू ताहिर और खलीलुर रहमान ने साफ कहा- नहीं, हम भाजपा में शामिल नहीं हो रहे हैं। हम एनसीपीआई के साथ रहेंगे।

बेरोजगारी दूर करें केंद्र व राज्य सरकारें : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने सोमवार को केंद्र और राज्य सरकारों से खाली सरकारी पदों पर भर्ती शुरू करने तथा बेरोजगारी, महंगाई एवं गरीबों और कामकाजी लोगों को प्रभावित करने वाले अन्य मुद्दों से निपटने के लिए असरदार कदम उठाने की अपील की।

उन्होंने 'एक्स' पर लिखा कि उत्तर प्रदेश में बसपा की पिछली सरकार ने पुलिस और पंचायती राज विभागों में लगभग दो लाख 25 हजार नये सरकारी पद सृजित किये थे और भर्ती पर लगी रोक हटा दी थी, जिससे समाज के विभिन्न वर्गों के कई लाख लोगों को नौकरी मिली थी। मायावती चार बार उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री रह चुकी हैं।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

क्र. / स्वच्छता /2026 दिनांक 03.08.2026

नगर पालिक निगम, कोरबा शासकदीय एवं अर्धशासकीय विभागों में व्यवसाय से संबंधित अनुभवी निविदाकारों/फर्मों से लम-सम दर पर ई-प्रोक्यूरमेंट (E-Tender) के माध्यम से आर.एफ.पी. आमंत्रित की जाती है :-

क्र	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू.लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
1	नगर पालिक निगम, कोरबा क्षेत्रांतर्गत मेकेनाईज एवं मैनुअल स्वीपिंग मशीन के संचालन कार्य (पार्ट II) (निगम मद) (द्वितीय आर.एफ.पी.)	157.91	24.08.2026 (T.No.196763)

उपरोक्त कार्यों की निविदा की जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है, साथ ही निगम के वेब साईट www.korbamunicipal.in पर भी देखी जा सकती है।

।। स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें।।

स्वास्थ्य अधिकारी
नगर पालिक निगम कोरबा (छत्तीसगढ़)

फिर नहीं मिलेगा एलपीजी सिलेंडर! यदि नहीं किया है तो फटाफट करें ये काम

ऑयल कंपनियों द्वारा मोबाइल नंबर पर भेजा जा रहा एलर्ट

एलपीजी ई-केवायसी के लिए अब सिर्फ 6 दिन बाकी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

क्या आपने एलपीजी सिलेंडर की ई-केवाईसी (एलपीजी ई-केवायसी) कर ली है। अगर नहीं, तो फिर आपका इंडेन, एचपी या फिर भारत गैस कनेक्शन सस्पेंड किया जा सकता है। गैस प्रोवाइडर कंपनियां लगातार अपने ग्राहकों को एसएमएस या सोशल मीडिया के माध्यम से अलर्ट कर रही हैं कि 16 अगस्त तक एलपीजी सिलेंडर से जुड़े इस काम को हर हाल में पूरा कर लें। अगर तय की गई लास्ट डेट तक ये ये काम नहीं किया जाता, तो फिर एलपीजी सिलेंडर मिलने में दिक्कत पेश आ सकती है। इस काम को आसानी से घर बैठे भी पूरा किया जा सकता है और इसमें महज कुछ मिनटों का समय लगता है।

- ऐप के माध्यम से ये प्रोसेस पूरा कर सकते हैं या फिर अपने एलपीजी डिस्ट्रिब्यूटर के पास जाकर या सिलेंडर डिलीवरी कर्मी के जरिए करा सकते हैं ई-केवाईसी

घरेलू सिलेंडर के दाम

- दिल्ली : 942 रुपए
- कोलकाता : 968 रुपए
- मुंबई 941.50 रुपए
- चेन्नई 957.50 रुपए

16 अगस्त की डेडलाइन मत भूलें

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों की ओर से एलपीजी ग्राहकों को उनके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक मैसेज भेजा जा रहा है, जिसमें एलपीजी ई-केवायसी प्रोसेस पूरा करने के लिए अलर्ट किया जा रहा है। इसके अलावा एक्स पर पोस्ट के जरिए भी कंपनियां इस काम को जल्द से जल्द पूरा करने की अपील कर रही हैं। कंपनियां सलाह के साथ ही इनमें वार्निंग भी दी जा रही है कि 16 अगस्त की तय डेडलाइन के बाद एलपीजी पाने में दिक्कत हो सकती है। यानी साफ है कि आपके पास सिर्फ छह दिनों का समय है, परेशानी से बचने के लिए लास्ट डेट का इंतजार किए बगैर इस काम को तत्काल निपटा लें।

घर बैठे कर सकते हैं काम पूरा

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने एलपीजी-ईकेवायसी को लेकर सिर्फ अलर्ट ही नहीं किया है, बल्कि यूजर्स को घर बैठे इस काम को आसानी से पूरा करने का तरीका भी बताया है। इंडियन ऑयल ग्राहकों के लिए बात करें, तो वे इंडियनऑयल वन ऐप के माध्यम से ये प्रोसेस पूरा कर सकते हैं। या फिर अपने एलपीजी डिस्ट्रिब्यूटर के पास जाकर या सिलेंडर डिलीवरी कर्मी के जरिए ई-केवाईसी करा सकते हैं।

OFFICE OF MUNICIPAL CORPORATION KORBA

e-Procurement Tender Notice Main
Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

NIT No: /2026 Korba Dated 03.08.2026

Sr No.	System Tender No.	Name of Work/ Description of Work	Probable Amount of Contract (In Lacs)
1	196623 (1st Call)	Construciton of R.C.C., Drain and C.C. Road from J.Y.Das House to River in Azad Nagar and Old pump house to River & Ram Temple to Kumar Mohalla Samudayik Bhawan & Samudayik Bhawan to Sammelal House in Indira Nagar at Ward No. 43 (15 th Finance)	35.00
2	196624 (1st Call)	Construction of R.C.C. Drain and C.C.Road from Fire colony Sukhram Home to Aghan Bai Home at Ward No. 46 Belgiri Basti Balco. (15 th Finance)	34.50
3	196625 (1st Call)	Construction R.C.C. Drain from Dr. R.D. Home to Shantinagar pandar at Shanti Nagar Rumgara Ward No. 47 (15 th Finance)	10.00
4	196626 (1st Call)	Construction R.C.C. Drain and C.C. Road from Geeta Vishwakarma Home to Pratima Sahu Home and Shyam bai Vishakarma Home to Sita Shriwash Home at Ward No. 47 Rumgara (15 th Finance)	15.00
5	196627 (1st Call)	Construction of RCC Drain near Permar Hardwear to Shanti Nagar under Ward No. 39 Risda Balco (15 th Finance)	35.00

The details can be viewed directly from the Government of Chhattisgarh http://eproc.cgstate.gov.in from 03.08.2026 at 15:00 Hours. (IST) onwards.

Executive Engineer
Municipal Corporation
Korba (C.G.)

अब जंग नहीं, फेड का फैसला तय करेगा सोने की चमक! ब्याज दरों पर टिकी गोल्ड की अगली चाल

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

सोने की कीमतों और भू-राजनीतिक संघर्षों के बीच पारंपरिक संबंध बदल रहा है तथा मुद्रास्फीति, ब्याज दरें और मौद्रिक नीति सर्राफा कीमतों को प्रभावित करने वाले अधिक महत्वपूर्ण कारक बनकर उभरे हैं। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (एमओएफएसएल)) की 'एच1 2026 प्रेशियस मेटल्स रिपोर्ट' के अनुसार, चालू वर्ष की पहली छमाही में यह स्पष्ट हुआ कि केवल भू-राजनीतिक जोखिम सोने में तेजी बनाए रखने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। निवेशक अब संघर्षों का आकलन इस आधार पर अधिक कर रहे हैं कि उनका मुद्रास्फीति और ब्याज दरों पर क्या असर पड़ता है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में कटौती से सोने की कीमतों को मिली मजबूती

मौद्रिक नीति का अपेक्षाओं पर प्रभाव

एमओएफएसएल में जिंस शोध प्रमुख नवनीत दमानी ने कहा, 2026 की पहली छमाही ने दिखाया कि युद्ध और सोने के बीच संबंध अब पहले की तुलना में अधिक परिस्थितियों पर निर्भर हो गया है। उन्होंने कहा कि बाजार अब केवल भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर ध्यान नहीं दे रहा, बल्कि यह देख रहा है कि उनका मुद्रास्फीति, वास्तविक ब्याज दरों और मौद्रिक नीति की अपेक्षाओं पर क्या प्रभाव पड़ता है।

संघर्ष में सोने की तेजी रही सीमित

रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका-ईरान संघर्ष भी इस बदलते रुख का उदाहरण है। संघर्ष बढ़ने पर शुरुआती दौर में सोने की मांग बढ़ी, लेकिन कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से मुद्रास्फीति की चिंता बढ़ी और मौद्रिक नीति में ढील की उम्मीद कमजोर हुई। इससे सोने की तेजी सीमित रही और बाद में कीमतों में सुधार आया। रिपोर्ट में कहा गया, शुल्क अब केवल आर्थिक वृद्धि के लिए जोखिम नहीं रह गए हैं, बल्कि वे मुद्रास्फीति बढ़ाने वाली ताकत बन गए हैं।

यील्ड सोने के लिए सबसे बड़ी बाधा

दमानी ने कहा कि ऊंचे बॉन्ड प्रतिफल (यील्ड) सोने के लिए सबसे बड़ी बाधा बनकर उभरी। इससे सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की पारंपरिक मांग पर भी असर पड़ा, जबकि भू-राजनीतिक तनाव ऊंचे स्तर पर बने रहे। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष की शुरुआत में नीतिगत अनिश्चितता, एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में निवेश, केंद्रीय बैंकों की खरीदारी और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों से सोने की कीमतों को मजबूती मिली। रिपोर्ट में कहा गया कि बाद में शुल्क बढ़ने से उत्पादन लागत और मुद्रास्फीति की अपेक्षाएं बढ़ीं। इससे लंबे समय तक ऊंची ब्याज दरें बने रहने की आशंका मजबूत हुई और अमेरिकी ट्रेजरी प्रतिभूतियों की वास्तविक प्रतिफल तथा डॉलर में तेजी आई।

आईपीओ बाजार में भारत की धूम, 360 से ज्यादा इश्यू से जुटे 1.9 लाख करोड़

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

घरेलू कंपनियों ने बीते वित्त वर्ष 2025-26 में 360 से अधिक आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए करीब 1.9 लाख करोड़ रुपए जुटाए। इसके साथ ही भारत दुनिया के सबसे सक्रिय प्राथमिक बाजारों में शामिल रहा।

हालांकि, सूचीबद्ध होने के बाद मिलने वाले लाभ और शेयरों की संख्या के मुकाबले अधिकतम बोलियों में कमी से संकेत मिलता है कि निवेशक अब कंपनियों का चयन अधिक सावधानी से कर रहे हैं। ग्रांट थॉर्नटन, भारत की सोमवार को जारी देश के आईपीओ बाजार पर रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक अनिश्चितताओं और तनाव तथा बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद कंपनियों की पूंजी जुटाने की गतिविधियां मजबूत बनी रहीं।

मार्च, 2026 में वैश्विक स्तर पर आईपीओ में भारत की हिस्सेदारी 14 %

निवेशक ले रहे अधिक सोच-समझकर निर्णय : वित्त वर्ष 2025-26 में आईपीओ के लिए अधिक अभिदान का औसत घटकर 39 गुना रह गया, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में यह 71 गुना था। यह कंपनियों के मूल्यांकन, प्रबंधन गुणवत्ता और कारोबार की मजबूती को लेकर बढ़ती जांच को दर्शाता है। इसी तरह, सूचीबद्ध होने के पहले दिन मिलने वाला औसत लाभ वित्त वर्ष 2025-26 में घटकर सात प्रतिशत रह गया, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में यह 29 प्रतिशत था। वहीं, सूचीबद्ध आईपीओ कंपनियों का औसत सालाना प्रदर्शन 17 प्रतिशत नकारात्मक रहा।

मजबूत कंपनियों में बढ़ी निवेशकों की रुचि

रिपोर्ट में कहा गया है कि निवेशकों की रुचि अब उन कंपनियों की ओर अधिक बढ़ी है, जिनकी बुनियाद मजबूत हैं, कंपनी संचालन व्यवस्था बेहतर है, आय में वृद्धि की स्पष्ट संभावना है और मूल्यांकन अधिक संतुलित है। मुख्य शेयर बाजारों में वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान रिकॉर्ड 109 आईपीओ आए, जिनके माध्यम से करीब 1.77 लाख करोड़ रुपए जुटाए गए। इसकी तुलना में वित्त वर्ष 2024-25 में 80 आईपीओ के जरिये 1.63 लाख करोड़ रुपए जुटाए गए थे। रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च, 2026 में वैश्विक स्तर पर हुए कुल आईपीओ में भारत की हिस्सेदारी 14 प्रतिशत रही और इस मामले में चीन के बाद दूसरे स्थान पर रहा।

नए शेयर जारी करने का हिस्सा बढ़कर हुआ 39 प्रतिशत

भारतीय पूंजी बाजार की मजबूती को घरेलू निवेशकों की अच्छी भागीदारी और लगातार बढ़ते निवेशक आधार का समर्थन मिला। हालांकि, वैश्विक घटनाक्रमों, जिंस कीमतों और मुद्रा बाजार में उतार-चढ़ाव का प्रभाव निवेशकों के फैसलों पर बढ़ा है। ग्रांट थॉर्नटन की रिपोर्ट के अनुसार, मुख्य बाजार के आईपीओ से जुटाई गई राशि में बिक्री पेशकश (ओएफएस) का दबदबा बना रहा और इसकी हिस्सेदारी 61 प्रतिशत रही। वहीं, नए शेयर जारी करने का हिस्सा बढ़कर 39 प्रतिशत हो गया, जो वृद्धि के लिए पूंजी जुटाने की गतिविधियों में धीरे-धीरे सुधार का संकेत है। निवेशकों के बदले रुख का असर आईपीओ के लिए बोली और सूचीबद्ध होने के प्रदर्शन में भी दिखाई दिया।

उतार-चढ़ाव के बाद मामूली बढ़त के साथ सपाट बंद हुआ मार्केट

एजेंसी ▸▸ मुंबई

कच्चे तेल के भाव में तेजी और वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता के बीच स्थानीय शेयर बाजारों में सोमवार को मामूली तेजी रही और दोनों मानक सूचकांक मामूली बढ़त के साथ बंद हुए।

बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 43 अंक के लाभ में रहा जबकि एनएसई निफ्टी में 13 अंक की तेजी रही। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 43.27 अंक यानी 0.06 प्रतिशत बढ़कर 78,542.44 अंक पर बंद हुआ।

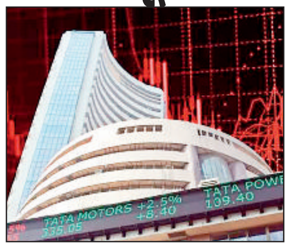

कारोबार के दौरान यह ऊंचे में 78,676.98 अंक तक गया और नीचे में 78,298.92 अंक तक आया। इस तरह कारोबार के दौरान इसमें 378.06 अंक का उतार-चढ़ाव रहा। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला निफ्टी भी 13.15 अंक यानी 0.05 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 24,583.80 अंक पर बंद हुआ।

टाइटन, बजाज फाइनेंस, और इन्फोसिस के शेयरों में तेजी

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में टाइटन, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, टाटा स्टील, एशियन पेंट्स और इन्फोसिस के शेयरों में तेजी रही। वहीं, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), इटर्नल, एनटीपीसी, आईटीसी और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत 1.10 प्रतिशत बढ़कर 84.47 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई। एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर ने कहा, 'भारतीय शेयर बाजार सोमवार को लगभग स्थिर रहे।

एनडीआर स्मार्ट स्पेसेज में करेगी निवेश आईएफसी

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी) ने एनडीआर स्मार्ट स्पेसेज प्राइवेट लिमिटेड में 225 करोड़ रुपए (करीब 2.3 करोड़ डॉलर) के इक्विटी निवेश की घोषणा की। इस निवेश से एनडीआर स्मार्ट स्पेसेज को 14 शहरों में लगभग दो करोड़ वर्ग फुट 'निर्माणाधीन है। एनडीआर स्मार्ट स्पेसेज, एनडीआर समूह की ओर से स्थापित एक नया मंच है। यह एनडीआर इनविट ट्रस्ट का प्रायोजक है और महाराष्ट्र, तमिलनाडु तथा उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में ग्रेड-ए वेयरहाउस और लॉजिस्टिक अवसंरचना विकसित करने पर केंद्रित है। कंपनी के अनुसार, इस पोर्टफोलियो में सामान्य वेयरहाउस और कोल्ड स्टोरेज दोनों शामिल होंगे। परियोजना का विशेष ध्यान टियर-2 और टियर-3 के शहरों पर होगा, जहां आधुनिक लॉजिस्टिक अवसंरचना और संगठित क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण रोजगार के अवसर अपेक्षाकृत कम हैं। आईएफसी के दक्षिण एशिया क्षेत्र के परिचालन एवं जलवायु मामलों के क्षेत्रीय प्रमुख तथा अंतरिम क्षेत्रीय निदेशक शलभ टंडन ने कहा कि यह निवेश टियर-2 और टियर-3 शहरों में ग्रेड-ए वेयरहाउस विकसित करने में मदद करेगा।

खबर संक्षेप

एयरटेल बिजनेस-आईटीआई ने किया समझौता

नई दिल्ली। भारती एयरटेल की कारोबार-से-कारोबार (बी2बी) इकाई एयरटेल बिजनेस और सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी आईटीआई लिमिटेड ने उद्यमों को डिजिटल समाधान उपलब्ध कराने के लिए समझौता किया है। आईटीआई लिमिटेड के कोटे का लाभ उठाकर सार्वजनिक क्षेत्र, एयरटेल बिजनेस की हिस्सेदारी बढ़ाने में मदद मिलेगी। आईटीआई लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक राजेश राय ने कहा, यह आईटीआई लिमिटेड और भारती एयरटेल लिमिटेड के लिए महत्वपूर्ण अवसर है।

भारत फोर्ज को 89.89 करोड़ का घाटा

नई दिल्ली। वाहन कलपुर्जा विनिर्माता कंपनी भारत फोर्ज लिमिटेड को चालू वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में 89.89 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ है। कंपनी ने सोमवार को कहा कि उसकी जर्मनी स्थित अनुषंगी इकाई के पुनर्गठन के लिए किए गए प्रावधान के कारण वह घाटे में रही। कंपनी को पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में 283.87 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध लाभ हुआ था।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड
कार्यालय कार्यपालन यंत्री (सं./ सं.) संभाग बिलासपुर

क्र.:-का.अभि./सं./सं./ संभाग / 2685 / बिलासपुर, दिनांक: 10.08.2026

-: बिजली बंद की सूचना :-

समस्त सम्माननीय उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि 132 केव्ही मल्हार सबस्टेशन में नया 33 केव्ही मस्तूरी फीडर के निर्माण हेतु 132 केव्ही मल्हार सबस्टेशन से निकलने वाली निम्नांकित 33 केव्ही फीडरों में दिनांक 11.08.2026, मंगलवार को प्रातः 09 बजे से शाम 05 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी । इसका समय आवश्यकतानुसार घटाया या बढ़ाया जा सकता है, असुविधा के लिए खेद है।

क्र.	फीडर का नाम	सबस्टेशन का नाम	प्रभावित क्षेत्र
1	33 केव्ही नवोदय मल्हार फीडर	132/33 केव्ही मल्हार सबस्टेशन	33 केव्ही नवोदय मल्हार फीडर से निकलने वाली सभी 11 केव्ही फीडर एवं संबंधित समस्त ग्राम ।
2	33 केव्ही पचपेड़ी एक्सप्रेस फीडर	132/33 केव्ही मल्हार सबस्टेशन	33/11 केव्ही उपकेन्द्र पचपेड़ी से निकलने वाली सभी 11 केव्ही फीडर एवं संबंधित समस्त ग्राम । 33/11 केव्ही उपकेन्द्र ओखर से निकलने वाली समस्त 11 केव्ही फीडर एवं संबंधित समस्त ग्राम । 33/11 केव्ही उपकेन्द्र केंवटाडीह से निकलने वाली समस्त 11 केव्ही फीउर एवं संबंधित समस्त ग्राम ।
3	33 केव्ही पिरैया फीडर	132/33 केव्ही मल्हार सबस्टेशन	33/11 के उपकेन्द्र पिरैया से निकलने वाली समस्त 11 केव्ही फीडर एवं संबंधित समस्त ग्राम ।

राष्ट्रहित में बिजली की बचत करें # समय पर विद्युत देयक का भुगतान करें # विद्युत चोरी एक दण्डनीय अपराध है ।

कार्यपालन अभियंता (सं./सं.) संभाग
छ.स्टे.पा.डि.कं.लिमि. बिलासपुर

सं. 48709

कार्यालय कलेक्टर जिला रायगढ़
एवं पदेन उप सचिव छ.ग. शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

अधिसूचना

दिनांक 04/08/2026

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक- 202605042100027/1-82/2025-26 चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि नीचे अनुसूची के कॉलम (1) से (5) में दर्शित भूमि की अनुसूची के कॉलम (7) में दर्शित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने संभावना है, अतः भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 जिसे एतद् पश्चात अधिनियम 2013 का जायेगा, की धारा 11 की उपधारा (1) के उपबंधो के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है, कि राज्य शासन एतद्वारा अनुसूची के कॉलम (6) में उल्लेखित प्राधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में धारा 12 के अंतर्गत दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है:-

अनुसूची:- औद्योगिक प्रयोजन हेतु भूमि अधिग्रहण हेतु प्रस्ताव का विवरण ग्राम- सरवानी, पहनं. 23, तह. पुसौर, जिला- रायगढ़ (छ.ग.)

ख.नं.	रकबा हे.	ख.नं.	रकबा हे.	ख.नं.	रकबा हे.	ख.नं.	रकबा हे.
147/5, 151/1	0.016	156	0.057	172	0.405	367/2	0.083
495/1	0.144	363	0.255	355	0.263	369	0.053
147/6, 151/2	0.061	157/1, 185/4	0.332	383	0.153	370	0.065
170	0.089	158/1	0.251	173/1	0.070	371	0.089
147/7, 151/3	0.065	158/2	0.040	173/2	0.070	372	0.117
147/8, 151/4	0.052	373/1	0.168	173/3	0.070	375/6	0.158
149/2	0.020	158/7	0.041	343/1	0.170	373/2	0.279
147/9, 151/5	0.049	158/3, 185/5	0.110	350/3	0.015	373/4	0.169
343/3	0.072	160/1	0.170	345/1	0.088	374/1	0.113
147/10, 151/6	0.028	158/4, 185/11	0.085	346/1	0.114	374/2	0.263
343/2	0.053	348	0.024	346/2	0.138	375/3	0.016
147/11, 151/7	0.105	158/5, 185/12	0.210	346/3	0.028	375/1	0.466
147/13, 151/9	0.053	158/6	0.081	381	0.129	375/2	0.121
148/2	0.097	373/3	0.169	382	0.150	379/632	0.117
149/3	0.004	159/3, 159/6	0.135	493/1	0.020	375/4	0.210
150/2	0.012	159/4, 159/7	0.087	493/2	0.020	375/7	0.173
152/6	0.069	345/2	0.118	498	0.154	376	0.053
153/2	0.053	159/5	0.050	352	0.279	377	0.174
154/2	0.065	160/2	0.138	353/1	0.136	378	0.055
157/2, 185/13	0.069	161/1	0.202	494/1	0.081	379/1/क	0.114
159/2	0.089	162/2	0.166	353/2	0.135	379/2/क	0.077
148/1	0.130	161/2	0.166	354	0.223	385	0.065
344	0.178	163/1	0.205	368	0.040	379/1/ख	0.040
384	0.162	169/1	0.101	356/1	0.085	379/2/ख	0.065
149/1	0.085	349/1	0.020	356/2	0.081	497/1	0.022
149/628	0.206	164/1	0.202	356/3	0.081	497/2	0.081
150/1	0.065	164/2	0.180	359/2	0.190	380	0.284
152/1	0.079	166	0.150	359/3	0.081	388	0.073
152/2	0.111	167	0.032	357/1	0.053	495/2	0.143
152/3	0.121	168	0.049	360	0.150	491/2, 491/3	0.089
152/5	0.041	171	0.024	357/2	0.077	494/4	0.027
152/4	0.162	165/1	0.340	358	0.024	492/1, 492/2	0.420
153/1, 185/3	0.247	174, 351/2	0.093	361	0.036	494/2	0.101
163/2	0.179	165/2	0.117	367/3	0.080	494/3	0.117
375/5	0.096	366/2	0.065	359/1	0.040	496	0.987
349/2	0.023	366/3	0.042	359/4	0.065	497/3	0.023
169/2	0.109	362/1, 362/2, 362/3	0.489	364	0.150	497/4	0.040
154/1 ,185/6	0.141	165/3	0.013	365	0.125	499	0.069
155	0.069	350/1	0.015	366/1	0.107	500	0.279
159/1	0.129	350/2	0.015	367/1	0.068		
कुल ख.नं. 159 एवं रकबा 19.139 हेक्टे.							

2. यह भी सूचित किया जाता है, कि उपरोक्त भूमि में कोई भी हितबद्ध व्यक्ति इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि के 60 दिवस के भीतर अर्जित की जाने वाली भूमि के क्षेत्रफल एवं उपयुक्तता, लोक प्रयोजन के औचित्य तथा सामाजिक समाघात निर्धारण के निष्कर्ष के बारे में अपना दावा / आपत्ति लिखित में कलेक्टर को स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से अधिनियम 2013 की धारा 15 उपधारा (1) के अंतर्गत प्रस्तुत कर सकेगा। 3. भूमि का नक्शा / प्लान अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) रायगढ, के कार्यालय में देखा जा सकता है। 4. प्रस्तावित भू-अर्जन से किसी भी प्रभावित परिवार का विस्थापन निहित नहीं है। 5. प्रस्तावित भू-अर्जन के लिए अधिनियम 2013 की धारा 43 के तहत अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रायगढ़, जिला रायगढ़ को पुनर्वास और पुनर्वस्थापन प्रशासक नियुक्त किया गया है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार
(मयंक चतुर्वेदी)
कलेक्टर रायगढ़ एवं पदेन उप सचिव छ.ग. शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

जी. 262702663/1

OFFICE OF THE DIRECTOR
GOVERNMENT PRINTING AND STATIONERY
INDIRAVATI BHAWAN, BLOCK-1, SECOND FLOOR,
NAVA RAIPUR, ATAL NAGAR, Pin- 492002 CHHATTISHGARH

NOTICE FOR ONLINE TENDER

No. GENS-11/8099/2026-GOVT. PRINTING AND STATIONARY /469 dated 07.08.2026

Tenders are invited for RATE CONTRACT OF ALL TYPE OF PRINTING AND PRINTABLE MEDIA OF PRINTING, PREPRESS AND POSTPRESS REQUIREMENTS for printing works of government, semi government department, boards etc. from printers.

Detail Tender document along with eligibility criteria is available on website https://eproc.cgstate.gov.in.

Key dates are:-
1. Online publication of tender :- 10.08.2026 12:00PM
2. Tender submission upto :- 16.09.2026 upto 5:00 PM
3. Tender opening date and time:-17.09.2026 From 11:00 AM
4. Sample submission date and time :-16.09.2026 5:00 PM

(Approved by the Director)

Joint Director
Govt. Printing & stationary,
C.g.Nava Raipur Atal Nagar

G-262702665/1

कार्यालय संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक
संत बाबा गुरु घासीदास जी स्मृति शासकीय चिकित्सालय रायगढ़, छत्तीसगढ़
Bendrachuwa, Raigarh, Chhattisgarh, e-mail: gmcraigarhhospital@gmail.com

क्रमांक /4328/ चिकि0/खाद्य शाखा/2026/ रायगढ़, दिनांक: 08.08.2026

// निविदा सूचना //

चिकित्सा महाविद्यालय सम्बद्ध संत बाबा गुरु घासीदास जी स्मृति शासकीय चिकित्सालय, रायगढ़ (छ.ग.) परिसर में चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय में कार्यरत अधिकारियों, चिकित्सकों एवं कर्मचारियों एवं मरीजों के परिजनों को को उच्च गुणवत्ता का भोजन एवं जलपान उपलब्ध कराने हेतु चिकित्सालय भवन के भीतर 24x7 कैंटीन संचालन के लिए प्रतिष्ठित, अनुभवी एवं सक्षम फर्मो/एजेंसियों से मुहरबंद निविदाएं पूर्व में आमंत्रित निविदा क्रमांक 4186 दिनांक 03.07.2026 को दिनांक 11.08.2026 से 24.08.2026 तक कुल 14 दिवस तक वृद्धि कर निविदा आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा प्रपत्र अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से आवेदन प्रस्तुत कर राशि रू. 2000.00 (दो हजार रूपये मात्र) का डीमांड ड्राफ्ट (राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा जारी) "संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक, संत बाबा गुरु घासीदास जी स्मृति शासकीय चिकित्सालय, रायगढ़" के नाम से तैयार कर कार्यालयीन दिवस में प्राप्त किये जा सकते हैं अथवा चिकित्सा महाविद्यालय के वेबसाईट gmcraigarh.edu.in से निविदा प्रपत्र डाउनलोड कर उपरोक्तानुसार डीमांड ड्राफ्ट तैयार कर निविदा के अंतर्गत तकनीकी दस्तावेज के साथ प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

निविदा प्रपत्र विक्रय की तिथि: दिनांक 11-08-2026 से 24-08-2026 को सायं 02:00 बजे तक

निविदा जमा करने की अंतिम तिथि: दिनांक 24-08-2026 को समय 03:00 बजे तक

निविदा खोलने की तिथि: दिनांक दिनांक 24-08-2026 को समय 04:00 बजे

संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक
संत बाबा गुरु घासीदास जी स्मृति शासकीय चिकित्सालय, रायगढ़ (छ0ग0)

जी.262702698/2

संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें
छत्तीसगढ़
स्वास्थ्य भवन, नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, अटल नगर, नवा रायपुर

क्रमांक / ESTB-101(3)/30/2026-DHS/482
नवा रायपुर, अटल नगर दिनांक 07/08/2026

: सूचना पत्र :

संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें छ.ग. के पत्र क्रमांक / ESTB-101(3)/30/2026-DHS/379 दिनांक 30.06.2026 के द्वारा छत्तीसगढ़ शासन, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग मंत्रालय का आदेश क्रमांक एफ 1-67/2021 / सत्रह / एक, दिनांक 07.12.2021 एवं आदेश दिनांक 03.02.2023 के द्वारा कोरोना वैशविक महामारी के 10 बोनस अंक के संबंध में अभ्यार्थियों को दिनांक 10.07.2026 तक केवल स्पीड पोस्ट के माध्यम से संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें, स्वास्थ्य भवन, सेक्टर-19, नवा रायपुर अटल नगर में आवेदन करने हेतु अंतिम अवसर दिया गया था। अभ्यार्थियों से कोविड-19 के 10 बोनस अंक के संबंध में प्राप्त आवेदन पत्रों का संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें के द्वारा गठित समिति के द्वारा परीक्षण / समीक्षा (स्कूटनी) कर, कोविड-19 बोनस अंक प्रदाय करने के पश्चात दावा आपत्ति हेतु स्टाफ नर्स, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक महिला/पुरूष, फार्मासिस्ट ग्रेड-2, वार्ड आया एवं वार्ड ब्वॉय का अनन्तिम मेरिट सूची तैयार कर, विभागीय वेबसाइट www.cghealth.nic.in में अपलोड किया गया है। अनंतिम मेरिट सूची में दावा आपत्ति किये जाने हेतु दिनांक 07.08.2026 से 14.08.2026 तक केवल स्पीड पोस्ट के माध्यम से संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें, स्वास्थ्य भवन, सेक्टर-19, नवा रायपुर अटल नगर में किये जायेगें।

टीप:-अनंतिम मेरिट के संबंध में दावा आपत्ति हेतु आवेदन पत्र दिनांक 14.08.2026 तक केवल स्पीड पोस्ट के माध्यम से स्वीकार किये जायेंगे।

संयुक्त संचालक (अविज्ञप्त/नर्सिंग)
संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें
छत्तीसगढ

जी.262702701/1

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर, अटल नगर

(केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ) ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
Main Portal: https: // eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :-

स. क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक/दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये लाख में)
1	196771 द्वितीय आमंत्रण 04.08.2026	जिला दुर्ग के मालवीय नगर दुर्ग में संभागीय संयुक्त संचालक कोष लेखा एवं पेंशन तथा संभागीय वित्त एवं लेखा प्रशिक्षण संस्थान भवन का वाटर सप्लाई, सेनेटरी फिटिंग, बोरवैल, ट्यूबवैल, बाऊण्ड्रीवाल, सी. सी. मार्ग एवं विद्युतीकरण सहित निर्माण कार्य।	630.70
2	196772 तृतीय आमंत्रण 04.08.2026	जिला कोण्डागांव के पलना-बंगोली मार्ग के कि.मी. 1/8 बारदा नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	855.18
3	196773 पंचम आमंत्रण 04.08.2026	पी.एम.उषा योजनांतर्गत पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के एकीकृत परीक्षा हॉल (प्रथम तल) भवन के निर्माण कार्य, वाटर सप्लाई, सेनेटरी फिटिंग्स एवं विद्युतीकरण सहित, जमा कार्य।	308.77
4	196788 द्वितीय आमंत्रण 04.08.2026	जिला गरियाबंद के राजापडाव - गौरगांव मार्ग के कि.मी. 7/2 पर शोभा नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	307.49
5	196791 द्वितीय आमंत्रण 04.08.2026	जिला राजनांदगांव के करेठी- भटगुना मार्ग पर स्थित नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	353.59
6	196795 द्वितीय आमंत्रण 04.08.2026	सरिया में आई.टी.आई. भवन का निर्माण, वा.स.से.फि. विद्युतीकरण एवं पहुंच मार्ग का कार्य।	243.86
7	196802 द्वितीय आमंत्रण 04.08.2026	बिलासा देवी केंवट एयरपोर्ट बिलासपुर में रनवे का रिकारपेटिंग का कार्य, जमा मद।	1160.49
8	196810 द्वितीय आमंत्रण 04.08.2026	मां दंतेश्वरी हवाईपट्टी जगदलपुर मे आईसोलेशन बाय कनेक्टिंग के निर्माण कार्य, जमा मद।	1183.01
9	196817 द्वितीय आमंत्रण 04.08.2026	कोना से भुसंडी मार्ग लंबाई 2.30 कि.मी. पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य।	418.33
10	196827 प्रथम आमंत्रण 04.08.2026	जिला रामानुजगंज के राजपुर-कुसमी मुख्य मार्ग से खरकोना होते हुए अमेरा मार्ग लं. 3.50 कि.मी निर्माण कार्य।	832.24
11	196854 प्रथम आमंत्रण 04.08.2026	जिला जशपुर के एस.एच. 17 के कि.मी. 21/10 से पोखराटोली मार्ग लं. 2.94 कि.मी. निर्माण कार्य।	365.37
12	196855 प्रथम आमंत्रण 04.08.2026	मुख्य मार्ग से लक्ष्मीनारायण मंदिर (खैरा डगनिया) पहुंच मार्ग लंबाई 2. 60 कि.मी. का निर्माण कार्य।	332.99
13	196862 प्रथम आमंत्रण 04.08.2026	ढिमरापुर चौक से पतरापाली जिंदल तक लंबाई 3.50 कि.मी. (पुराना एन.एच. 49) चौडीकरण (फोरलेन) विद्युतीकरण सहित निर्माण कार्य।	4338.34
14	196818 द्वितीय आमंत्रण 04.08.2026	जिला गरियाबंद के शासकीय महाविद्यालय मैनपुर भवन पहुंच मार्ग लंबाई 2.20 कि.मी. का मजबूतीकरण एवं चौडीकरण निर्माण कार्य।	210.93
15	196820 द्वितीय आमंत्रण 04.08.2026	जिला बलौदाबाजार के कुची से बोहारडीह मार्ग लं. -2.00 कि.मी. का निर्माण कार्य, पुल -पुलिया सहित।	223.29
16	196821 द्वितीय आमंत्रण 04.08.2026	जिला जशपुर के धवाईटोली से केरसई बरटोली पहुंच मार्ग लंबाई 2.74 कि.मी. निर्माण कार्य।	316.35
17	196826 द्वितीय आमंत्रण 04.08.2026	नया बस स्टैण्ड लोरमी से डिंडोल तक मार्ग लंबाई 1.65 कि.मी.एवं चिखलदह डिंडौरी पीलारी नहर होते हुए भकुरकांपा (अमलीडीह) मार्ग लंबाई 3.625 कि.मी. कुल लं. 5.275 कि.मी. का निर्माण कार्य।	702.76
18	196832 द्वितीय आमंत्रण 04.08.2026	जिला जशपुर के बंदरचुआ से गोरिया सरबकोम्बो पहुंच मार्ग लंबाई 11.425 कि.मी. का निर्माण कार्य।	669.51

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथी सं.क. 02 से सं.क्र. 03 दिनांक 17.08.2026, स.क. 10 से सं.क 13 दिनांक 27.08.2026 निर्धारित है। एवं अन्य शेष निविदाओं के लिए दिनांक 21.08.2026 निर्धारित है निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते है।

मुख्य अभियंता
केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ
कार्यालय प्रमुख अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर
अटल नगर

जी-262702651/4

मिशन उत्कर्ष के अंतर्गत प्रत्येक माह आयोजित किया जा रहा है यूनिट टेस्ट

प्रश्नपत्र में छाप दिया अडानी का लोगो 10वीं-12वीं के यूनिट टेस्ट किए रद्द

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

10वीं-12वीं कक्षा के प्रश्नपत्र में जिला शिक्षा कार्यालय ने अडानी का लोगो लगा दिया। प्रश्नपत्र बंटने से पहले ही यह गलती जिला शिक्षा कार्यालय के संज्ञान में आ गई और पर्चे रद्द कर दिए गए है। छात्रों को नई तिथि भी दे दी गई है। मामला 10वीं-12वीं के अगस्त माह के यूनिट टेस्ट का है। जिले में मिशन उत्कृर्ष चलाया जा रहा है। यह इस अभियान का दूसरा वर्ष है। इसके अंतर्गत दसवीं-बारहवीं कक्षा में तिमाही और छमाही परीक्षाओं के साथ-साथ मासिक रूप से यूनिट टेस्ट भी लिए जाते हैं।

■ जिले में अभियान का यह दूसरा वर्ष, प्रश्नपत्र लेने पहुंचे शिक्षकों को लौटाया

इन यूनिट टेस्ट के प्रश्नपत्रों की छपाई भी जिला स्तर पर ही होती है। जिला शिक्षा कार्यालय से इन्हें ब्लॉक स्तर पर भेजा जाता है, जहां से विद्यालय प्रश्नपत्र ले जाते हैं। अगस्त माह का यूनिट बीते सप्ताह ही प्रारंभ कर दिया गया था। शनिवार की परीक्षाएं रद्द की गई हैं। शनिवार की परीक्षाएं सोमवार को आयोजित की गईं, जबकि सोमवार को आयोजित की जाने वाली परीक्षा मंगलवार को ली जाएगी।

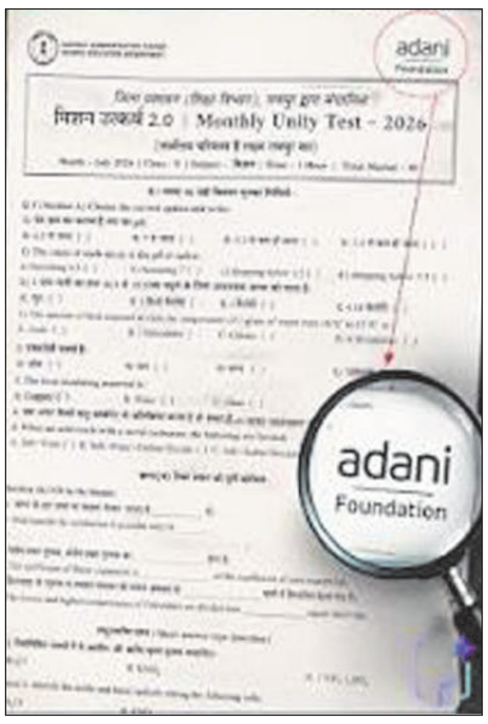

एक दिन में दो विषय

यूनिट टेस्ट का पैटर्न तिमाही-छमाही से पृथक होता है। इसमें छात्रों को केवल एक घंटे का ही समय दिया जाता है। प्रश्न भी सीमित संख्या में निर्धारित अध्याय से ही पूछे जाते हैं। एक दिन में दो विषयों की परीक्षाएं ली जाती हैं। शनिवार को दसवीं कक्षा की हिंदी और गणित विषय की परीक्षा ली जानी थी। बारहवीं कक्षा में संकायवार गणित, जीव विज्ञान, लेखाशास्त्र और राजनीति विज्ञान के यूनिट टेस्ट होने थे। प्रश्नपत्र लेने के लिए जब शिक्षक ब्लॉक ऑफिस पहुंचे तब उन्हें प्रश्नपत्र ना होने की बात कहकर लौटा दिया गया। इसके पश्चात यूनिट टेस्ट की नई तिथि जारी की गई।

एनजीओ करती है प्रकाशन

अडानी कंपनी के एनजीओ द्वारा इन प्रश्नपत्रों का प्रकाशन किया जाता है। सूत्रों के अनुसार, तकनीकी त्रुटि के कारण प्रश्नपत्र में अडानी का लोगो आ गया था। प्रश्नपत्र वितरण से पूर्व ही यह गलती सामने आ गई। बोर्ड कक्षाओं के परिणाम सुधारने पिछले सत्र से पूरे जिले में यूनिट टेस्ट समान प्रश्नपत्र लिए जा रहे हैं। स्कूलों को छात्रों द्वारा यूनिट टेस्ट में प्राप्त अंक अपलोड करने होते हैं। इसके आधार पर ही परीक्षा संबंधित रणनीति जिला शिक्षा कार्यालय तैयार करता है।

एक्सपोर्ट अवेयरनेस कैंप और ई-कॉमर्स एक्सपोर्ट समिट 13 को

रायपुर। राजधानी रायपुर के शांतिनगर इंद्रावती कॉलोनी स्थित ताराचंद विमला देवी फाउंडेशन विमतारा में 13 अगस्त को विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय भारत सरकार के अभियान अंतर्गत जिला स्तरीय एक्सपोर्ट अवेयरनेस कैंप एवं ई-कामर्स एक्सपोर्ट समिट आयोजित है।

■ स्थानीय उत्पादों को वैश्विक-अंतर्राष्ट्रीय बाजार से जोड़ने एवं निर्यात बढ़ाने में मिलेगी मदद

कार्यक्रम का मुख्य स्थानीय उत्पादों का वैश्विक एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजार से जोड़ना तथा निर्यात बढ़ाना है। कार्यक्रम कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह की अध्यक्षता में सुबह साढ़े 10 बजे से शुरू होगा। कार्यक्रम में वाणिज्य एवं उद्योग विभाग विदेश व्यापार महानिदेशालय क्षेत्रीय प्राधिकरण नागपुर के अलावा एपीईडीए, ईसीजीसी, एमएसएमई, डीएचएल, वॉलमार्ट सहित विभिन्न संबंधित संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं विशेषज्ञ शामिल होंगे। समिट में प्रतिभागियों को निर्यात से संबंधित प्रक्रियाओं, वित्तीय सहायता, लॉजिस्टिक्स, बाजार संपर्क तथा ई-कॉमर्स के माध्यम से निर्यात के संबंध में आवश्यक जानकारी एवं मार्गदर्शन दिया जाएगा। जिला प्रशासन का उद्देश्य रायपुर जिले को एक आत्मनिर्भर औद्योगिक एवं निर्यात केंद्र के रूप में विकसित करना है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद अकलतरा, जिला जांजगीर-चाम्पा छ.ग.

E-mail ID: cmoakaltara@rediffmail.com

क्रमांक/900/लो.नि./न.पा.प./2026 — अकलतरा, दिनांक 10/08/2026

।। मैन्युअल पद्धति प्रथम निविदा सूचना ।।

एकीकृत पंजीयन प्रणाली में सक्षम श्रेणी अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदारों से नगर पालिका परिषद अकलतरा में निम्नलिखित कार्यों के लिए निविदा प्रपत्र 'A' में प्रभावशील PWD Road SOR 01.01.2015, PWD Building SOR 01.01.2015 & PWD Road SOR 01.01.2025 द्वारा प्रतिशत दर (कम/बराबर /अधिक) अधोसंरचना मद अंतर्गत निविदाएं निर्धारित त्रि-लिफाफा पद्धति में स्पीड पोस्ट के माध्यम से आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नानुसार है-

1. निविदा हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 21.08.2026 अपरान्ह 5.00 बजे।
2. आवेदन परीक्षण उपरांत निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि - 27.08.2026 अपरान्ह 5.00 बजे।
3. निविदा प्रपत्र प्राप्त होने की अंतिम तिथि - 02.09.2026 दोप. 2.00 बजे।
4. निविदा प्रपत्र खोलने की तिथि - 02.09.2026 अपरान्ह 4.00 बजे।

क्र.	कार्य का विवरण	अनु.ला. (लाख में)	अमा. राशि (टीडीआर)	नि.प्र. मूल्य	अवधि
1	वार्ड क्र. 01 श्रीपाल घर से मरघटिया तक सी.सी. रोड़ निर्माण कार्य	4.76	3600.00	750.00	2 माह
2	वार्ड क्र. 01 झुरूराम घर से पंछी पाण्डेय घर तक सी.सी. रोड़ निर्माण कार्य	3.13	2500.00	750.00	2 माह
3	वार्ड क्र. 02 भूरी बाई घर से हास्पिटल तक सी.सी. रोड़ निर्माण कार्य	7.04	5300.00	750.00	2 माह
4	वार्ड क्र. 02 मूल चंद घर के पास आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य	0.77	1000.00	300.00	2 माह
5	वार्ड क्र. 03 महेश श्रीवास घर से रोशन सिंह घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य	3.95	3000.00	750.00	2 माह
6	वार्ड क्र. 03 राजेश सिंह घर से मोहन यादव घर तक सी.सी. रोड़ निर्माण कार्य	3.03	2500.00	750.00	2 माह
7	वार्ड क्र. 03 जाम सिंह घर से पटेल घर तक आर.सी.सी. नाली एवं कव्हर निर्माण एवं सीसी	2.95	2500.00	750.00	2 माह
8	वार्ड क्र. 04 महराज घर से पाण्डेय घर तक सी.सी. रोड़ निर्माण कार्य	3.27	2500.00	750.00	2 माह
9	वार्ड क्र. 04 अशोक राठी घर से जुगल घर तक सी.सी. रोड़ निर्माण कार्य	3.63	3000.00	750.00	2 माह
10	वार्ड क्र. 04 दसाराम यादव घर से हरी यादव घर तक सी.सी. रोड़ निर्माण कार्य	2.49	2000.00	750.00	2 माह
11	वार्ड क्र. 05 अवधेश सिंह घर से मुन्नू लाल कर्ष घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण	6.85	5200.00	750.00	2 माह
12	वार्ड क्र. 06 पटेल घर से पुरोहित महराज घर तक सी.सी. रोड़ निर्माण कार्य	1.92	1500.00	750.00	2 माह
13	वार्ड क्र. 06 पुरोहित महराज घर से A TO Z दुकान तक सी.सी. रोड़ निर्माण कार्य	1.28	1200.00	300.00	2 माह
14	वार्ड क्र. 06 सते सिंह घर से बूटू यादव घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य	1.79	1500.00	300.00	2 माह
15	वार्ड क्र. 06 अरविंद घर से कबीर घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य	1.05	1000.00	300.00	2 माह
16	वार्ड क्र. 06 पटेल घर से मुगले जैन घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य	1.29	1200.00	300.00	2 माह
17	वार्ड क्र. 07 नुरू घर से मुनीर खान घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य	8.17	6700.00	750.00	2 माह
18	वार्ड क्र. 08 अनिल सिंह घर से माल्ती साहू घर तक सी.सी. रोड़ एवं आर.सी.सी. नाली	4.70	4000.00	750.00	2 माह
19	वार्ड क्र. 08 उमाशंकर साहू घर से यादव डेयरी निड्स तक सी.सी. रोड़ निर्माण कार्य	2.22	2000.00	750.00	2 माह
20	वार्ड क्र. 08 परशुराम चौक से उमाशंकर साहू घर तक सी.सी. रोड़ निर्माण कार्य	1.37	1500.00	300.00	2 माह
21	वार्ड क्र. 09 परमेश्वरी द्वार से संतोषी कैवट घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य	9.8	7350.00	750.00	2 माह
22	वार्ड क्र. 10 महामाया मंदिर से चंदेल घर तक सीसी रोड़ निर्माण कार्य	6.25	5000.00	750.00	2 माह
23	वार्ड क्र. 10 परमेश्वरी द्वार से विशेश्वरी मंदिर तक सीसी टॉप निर्माण कार्य	4.27	3500.00	750.00	2 माह
24	वार्ड क्र. 11 सोनवानी घर से जैतखाम तक सीसी रोड़ निर्माण कार्य	2.14	1700.00	750.00	2 माह
25	वार्ड क्र. 11 यादव भवन से पीपल पेड़ तक सीसी रोड़ निर्माण कार्य	3.20	3000.00	750.00	2 माह
26	वार्ड क्र. 11 आजाद चौक से पीपल पेड़ चौक तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य	3.59	3000.00	750.00	2 माह
27	वार्ड क्र. 14 पिंटू गौरेज से राणा चाल की ओर सी.सी. रोड़ निर्माण कार्य	5.45	4200.00	750.00	2 माह
28	वार्ड क्र. 14 बाला यादव घर से मुख्य मार्ग की ओर आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य	2.15	2000.00	750.00	2 माह
29	वार्ड क्र. 15 ईश्वर बंजारे घर, माखन घर से रामाधार घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य	2.91	2500.00	750.00	2 माह
30	वार्ड क्र. 15 रहस बेड़ा में शेड निर्माण कार्य	7.85	5600.00	750.00	2 माह
31	वार्ड क्र. 16 पान कैवट घर से मंडी रोड तक सी.सी. रोड़ निर्माण कार्य	3.61	3000.00	750.00	2 माह
32	वार्ड क्र. 16 मेन रोड भीम बंजारे घर से श्याम बाई घर तक सी.सी. रोड़ निर्माण	7.59	5600.00	750.00	2 माह
33	वार्ड क्र. 17 उमेश सिंह घर से मुकेश सिंह घर तक सी.सी. रोड़ निर्माण कार्य	1.60	1500.00	300.00	2 माह
34	वार्ड क्र. 17 देवेन्द्र तिवारी घर से सतवन सिंह घर तक सी.सी. रोड़ निर्माण कार्य	0.66	1000.00	300.00	2 माह
35	वार्ड क्र. 17 विशेश्वरी मंदिर से सतीदाई अधिकारी पाठ तक सी.सी. रोड़ निर्माण	3.95	3000.00	750.00	2 माह
36	वार्ड क्र. 18 विदेशी घर से दुर्गा चबूतरा घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य	0.91	1000.00	300.00	2 माह
37	वार्ड क्र. 18 विक्रम सिंह घर से स्वरूप घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य	4.21	3300.00	750.00	2 माह
38	वार्ड क्र. 18 नंदन घर से बोधराम घर तक सी.सी. रोड़ निर्माण कार्य	1.50	1500.00	300.00	2 माह
39	वार्ड क्र. 19 मुकेश नायक घर से मुरारी घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य	2.15	2000.00	750.00	2 माह
40	वार्ड क्र. 19 प्रताप ठाकुर घर से रमेश विश्वकर्मा घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण	2.87	2500.00	750.00	2 माह
41	वार्ड क्र. 19 दुर्गा मंच से नारद कैवट घर तक सी.सी. रोड़ निर्माण कार्य	1.92	2000.00	750.00	2 माह
42	वार्ड क्र. 19 स्कूल गेट से हरदेव देवांगन घर तक सी.सी. रोड़ निर्माण कार्य	2.45	2100.00	750.00	2 माह
43	वार्ड क्र. 20 अशोक घर से कन्हैया रोहिदास घर तक सी.सी. रोड़ निर्माण कार्य	4.30	3500.00	750.00	2 माह
44	वार्ड क्र. 20 कमलेश घर से महेश निर्मलकर घर तक सी.सी. रोड़ निर्माण कार्य	3.92	3000.00	750.00	2 माह

टीप:- उपरोक्त कार्य के निविदा संबंधी समस्त दस्तावेज cg uad.Gov.in एवं नियम, शर्तों एवं अन्य से संबंधित जानकारी कार्यालयीन समय में कार्यालय में आकर देखी जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद अकलतरा
जिला जांजगीर-चाम्पा (छ.ग.)

केंद्रीय कैबिनेट सचिव की मुख्य सचिवों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग

रायपुर। भारत सरकार के कैबिनेट सचिव डॉ. टीवी सोमनाथन ने सोमवार को देश के सभी राज्यों के मुख्य सचिवों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रिफॉर्म (सुधार) एवं सुधारात्मक उपायों को लेकर चर्चा की।

बैठक में राज्यों से प्रशासनिक एवं विकासात्मक कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सुझाव आमंत्रित किए गए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव विकासशील ने राज्य की ओर से विभिन्न महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। प्रदेश के मुख्य सचिव विकासशील ने रिफार्म्स के लिए सुझाव देने और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाने तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़े विषयों पर अपने विचार साझा किए। बैठक में देश के अन्य राज्यों के मुख्य सचिवों ने भी अपने-अपने राज्यों की आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं के अनुरूप महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। इस दौरान राज्यों में सुधारों को गति देने, प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी एवं जनोन्मुखी बनाने तथा विभिन्न प्रक्रियाओं के सरलीकरण से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। केंद्रीय सचिव डॉ. टीवी. सोमनाथन की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में केंद्र शासन के विभिन्न विभागों के सचिव भी शामिल हुए। बैठक में केंद्र एवं राज्य सरकारों के बीच समन्वय को मजबूत करते हुए सुधारात्मक उपायों को प्रभावी ढंग से लागू करने पर विशेष जोर दिया गया। आगामी अक्टूबर माह से दिसंबर तक देशभर में रिफार्म उत्सव मनाया जाएगा, जिसमें जनता से भी विभिन्न माध्यमों से सुझाव लिए जायेंगे।

प्रारूप
पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)
गिर बुल मदर फार्म

VCB/BSP/LFC/क्रमांक: — दिनांक: 07/08/2026

// पूर्व प्रकाशित निविदा सूचना में संशोधन //

हरित चारा के क्रय हेतु पूर्व प्रकाशित निविदा सूचना क्रमांक 601 दिनांक 04/08/2026 की तिथि में संशोधन निम्नलिखित है:

निविदा प्रस्तुत करने एवं निविदा खोलने की अंतिम तिथि	
पूर्व में प्रकाशित तिथि	04/09/2026
संशोधित तिथि	07/09/2026

प्रभारी
गिर बुल मदर फार्म

कार्यालय नगर पालिक निगम, बिलासपुर (छ.ग.)
निविदा सूचना

नि.क्रं.24/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2026-27 — बिलासपुर दिनांक 10/08/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैनुअल निविदा दिनांक 01/09/2026 को सायंकाल 4:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
1	वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु वार्ड क्र. 30 से 37 एवं 40 क्षेत्रान्तर्गत टेंट आदि व्यवस्था बाबत्। (वार्षिक निविदा)	9.95
2	वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु वार्ड क्र. 30 से 37 एवं 40 हेतु साउंड सिस्टम/मुनादी आदि। (वार्षिक निविदा)	9.95
3	जोन क्रं. 05 अन्तर्गत डब्ल्यू.एम.एम. (WMM) मटेरियल प्रदाय एवं बिछाने का कार्य। वार्षिक निविदा (वित्तीय वर्ष 2026-27)	5.00

नगर निगम के विभागीय वेबसाईट www.bilaspurnagarnigam.com से विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

जोन कमिश्नर-5
न.नि., बिलासपुर

पर्यावरण संरक्षण हेतु पॉलीथीन का उपयोग न करें।

82 मंदिर और धार्मिक संस्थानों में कैसे होगा एग्रीस्टैक पंजीयन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार किसानों की यूनिक फार्मर आईडी बनाने और डिजिटल पहचान स्थापित करने के लिए प्रदेश के सभी जिलों की ग्राम पंचायतों और सहकारी समितियों में विशेष एग्रीस्टैक पंजीयन शिविर लगाए जा रहे हैं। इन शिविरों में पटवारी, कृषि विभाग के अधिकारी और ऑपरेटर मौजूद रहते हैं। राज्य सरकार के द्वारा ऐसे कृषक जिनकी जमीन शामिलात खाते में हैं, उन्हें अलग-अलग पंजीयन एग्रीस्टैक में कराना है। वहीं राज्य शासन ने इसी प्रकार सार्वजनिक न्यास मंदिरों की कृषि भूमि के लिए भी पंजीयन अनिवार्य कर दिया है। जिले की जारी सूची में 82 मंदिर और धार्मिक संस्थान हैं, जिनका आधारकार्ड नहीं होने के कारण एग्रीस्टैक पंजीयन कराने में दिक्कत आ रही है।

जिले के सार्वजनिक न्यास के 288 किसानों की सूची में 82 मंदिरों और धार्मिक संस्थानों की कृषि भूमि, खेती की जमीन के एग्रीस्टैक पंजीयन के लिए कठिनाई आ रही है। वहीं अन्य ट्रस्ट, जिनमें प्राइवेट और अन्य संस्थाओं का एग्रीस्टेक पंजीयन आसानी से हो सकता है।रायपुर जिले में 288 से अधिक सार्वजनिक न्यास की कृषि जमीनों पर खेती होती है। प्रमुख मंदिर जिनके पास कई एकड़ कृषि जमीन में खेती होती है उनमें दुधाधारी मठ, श्रीराजराजेश्वरी माँ महामायादेवी मंदिर, जैतु साव मठ श्रीठाकुर रामचंद्रजी स्वामी, नागरीदास मंदिर, श्रीरामचंद्रजी स्वामी नागरीदास मंदिर न्यास सहित कई संस्थाओं की जमीन पर खेती होती है। सूची में कई प्राथमिक स्कूलों, बिल्डर, सहकारी समिति और समितियों के नाम कृषि जमीन हैं, उसे शामिल किया गया है।

रायपुर जिले की सूची में 82 मंदिर

सबसे अधिक मंदिर/धार्मिक संस्थान 82, स्कूल व शैक्षणिक संस्थान 52, बिल्डर/डेवलपर/रियल एस्टेट से जुड़े लोग 47, सहकारी समितियां 2, सूची में शामिल 105 प्रविष्टियां अन्य संस्थाओं की हैं, जिनमें कंपनियां, ट्रस्ट, सामाजिक संस्थाएं, कृषि संस्थाएं, उद्योग, अस्पताल, राइस मिल आदि शामिल हैं।

एग्रीस्टैक पंजीयन नहीं कराने पर हो सकती हैं ये असुविधाएं

समय पर एग्रीस्टैक पंजीयन नहीं कराने पर भविष्य में धान खरीदी, किसान पंजीयन, डिजिटल कृषि सेवाओं तथा किसान रजिस्ट्री आधारित शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में कठिनाई हो सकती है। एग्रीस्टैक पंजीयन से कृषि योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया सरल होगी। धान खरीदी सहित किसान रजिस्ट्री आधारित प्रक्रियाओं में सुविधा मिलेगी। भूमि एवं कृषि संबंधी जानकारी का प्रमाणित डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध रहेगा।

सार्वजनिक न्यास मंदिरों के पंजीयन यह दिक्कत

सार्वजनिक न्यास मंदिरों की कृषि भूमि को भी पंजीयन करने में परेशानी हो रही है। इससे सनातन धर्म की सरकार में मंदिरों को आर्थिक क्षति होगी, क्योंकि मंदिरों में स्थापित देवी-देवताओं का आधारकार्ड नहीं होता है, एग्रीस्टैक में पंजीयन के समय आधारकार्ड मांगा जा रहा है। मंदिरों के नाम से पैनकार्ड होने पर उसे स्वीकार नहीं किया जा रहा है। इसके कारण एक तरफ राज्य सरकार द्वारा मंदिरों की सूची सहकारी समितियों के कर्मचारियों को देकर पंजीयन कराने के लिए दबाव डाला जा रहा है तो वहीं दूसरी ओर मंदिरों का आधारकार्ड न होने के कारण पंजीयन नहीं हो रहा है।

homefirst — We'll take you home

Home First Finance Company India Limited
CIN: L65990MH2010PLC240703, Website: homefirstindia.com
Phone No.: 180030008425 Email ID: loanfirst@homefirstindia.com

परिशिष्ट-IV-A [नियम 8 (6) के परंतुक देखें]
अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए बिक्री सूचना

वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के नियम 8 (6) के परंतुक के अधीन अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु ई-नीलामी बिक्री सूचना।

एतद्वारा आम जनता और विशेष रूप से कॉलम (ii) में वर्णित ऋणधारक(ओं) और सह-ऋणधारक(ओं) को सूचित किया जाता है कि कॉलम (iii) में वर्णित नीचे वर्णित अचल संपत्तियां सुरक्षित लेनदार के पास गिरवी/बंधक हैं, जिसका भौतिक कब्जा होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड के अधिकृत अधिकारी द्वारा नीचे दिए गए विवरण के अनुसार देय राशि और ब्याज की वसूली के लिए ले लिया गया है, और चूंकि देय राशि का भुगतान करने में विफल रहने के परिणामस्वरूप, उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के तहत प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी उक्त संपत्ति/संपत्तियों की बिक्री द्वारा देय राशि की वसूली का प्रस्ताव करता है और इसे 'जैसा है जहां है', 'जैसा है वैसा ही' और 'जो कुछ भी है' के आधार पर बेचा जाएगा, जैसा कि वर्णित है। इसके अंतर्गत, होम फर्स्ट फाइनेंस इंडिया लिमिटेड को कॉलम (i) में अनुसार उधारकर्ता(ओं) और सह-उधारकर्ता(ओं) से देय राशि की वसूली के लिए नीलामी 'ऑनलाइन' आयोजित की जाएगी।

क्र. सं.	ऋणधारक(ओं) एवं सह-ऋणधारक(ओं) के नाम	संपत्ति का पता	मांग सूचना की तिथि	मांग सूचना राशि	कब्जे की तिथि	आरक्षित मूल्य	ईएमडी राशि	नीलामी की तिथि और समय	ईएमडी और दस्तावेज़ जमा करने की अंतिम तिथि और समय	अधिकृत अधिकारी का नंबर
1.	विकास चतुर्वेदी, वंदना शर्मा	प्लॉट-मौजा निरतु, ख.नं 1704/3/के/2, प.ह.नं. 53, मौजा निरतु, तहसील सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001, चौहद्दी: पूर्व-सड़क, पश्चिम-भोला श्रीवास की भूमि, उत्तर-विक्रेता शेष भूमि, दक्षिण-विक्रेता की शेष भूमि	06-05-2026	17,16,790	07-07-2026	1,00,000	10,000	26-08-2026 (11am-2pm)	24-08-2026 (upto 5pm)	9730775533
2.	राहुल दुआ, अंजू दुआ	प्लॉट-ख.नं. 126/121 (भाग), प.ह.नं. 30, तहसील बिल्हा जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001। चौहद्दी: पूर्व -सड़क, पश्चिम- मनीष की भूमि, उत्तर - विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण - विक्रेता का प्लॉट।	03-02-2026	21,86,858	07-04-2026	1,27,020	12,702	26-08-2026 (11am-2pm)	24-08-2026 (upto 5pm)	9730775533
3.	सोनू कुमार साहू, चांदनी साहू	ख.नं.-37/62 भाग, मौजा सैदा, महाल नं.7, प.ह.नं.41, रा.नि.मं.- अमसेना, तह.- सकरी, जिला-बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-विक्रेता का प्लॉट, पश्चिम-निस्तारी रास्ता, उत्तर-विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट।	03-02-2026	11,48,005	07-04-2026	1,50,000	15,000	26-08-2026 (11am-2pm)	24-08-2026 (upto 5pm)	9730775533
4.	दिनेश कुमार भारद्वाज, रेखा बाई भारद्वाज	ख.नं. 2318/8, एवं 2318/14, मौजा चोरभट्ठीकला, प.ह.नं. 50, रा.नि.मं. गनियारी, तह.-सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001। चौहद्दी: पूर्व- वीरेंद्र कौशिक का प्लॉट, पश्चिम-निस्तारी रास्ता, उत्तर- विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट।	04-12-2025	12,89,539	05-02-2026	88,000	8,800	26-08-2026 (11am-2pm)	24-08-2026 (upto 5pm)	9730775533
5.	बी.लक्ष्मण, बी गंगा	ख.नं.-37/62 भाग, प.ह.नं. 41, मौजा सैदा, महाल नंबर 7, तहसील सकरी जिला बिलासपुर छ.ग., बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-निस्तारी रास्ता, पश्चिम-विक्रेता का प्लॉट, उत्तर-विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट।	04-12-2025	9,85,603	05-02-2026	1,48,000	14,800	26-08-2026 (11am-2pm)	24-08-2026 (upto 5pm)	9730775533
6.	अर्जुन बघेल, द्रोपती बघेल	मकान-मौजा जयराम नगर, ख.नं. 117/9 प.ह.नं. 27, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001। चौहद्दी: उत्तर - सड़क, दक्षिण - विक्रेता की भूमि, पूर्व - विक्रेता की भूमि, पश्चिम - पूजा फार्टी की भूमि।	03-10-2025	8,82,744	08-12-2025	1,95,750	19,575	26-08-2026 (11am-2pm)	24-08-2026 (upto 5pm)	9730775533
7.	प्रद्युम्न कुमार चंद्रवंशी, भारती वर्मा	फ़्लैट- ख.नं. 2318/8, चोरभट्ठीकला, मौजा चोरभट्ठीकला, प.ह.नं. 50, रा.नि.मं. गनियारी, तह. सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001। चौहद्दी: पूर्व-वीरेंद्र कौशिक का प्लॉट, पश्चिम-निस्तारी रास्ता, उत्तर - संजय साहू का प्लॉट, दक्षिण - मुख्य सड़क।	03-10-2025	9,94,654	08-12-2025	92,400	9,240	26-08-2026 (11am-2pm)	24-08-2026 (upto 5pm)	9730775533
8.	भुवन यादव, शैल यादव, लच्छीराम यादव	फ्लैट-2318/8, 2318/14, मौजा चोरभट्ठीकला, मौजा चोरभट्ठीकला, प.ह.नं. 50, रा.नि.मं. गनियारी, तह. सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001। चौहद्दी: पूर्व - वीरेंद्र कौशिक का प्लॉट, पश्चिम - निस्तारी रास्ता, उत्तर- विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण - विक्रेता का प्लॉट।	03-09-2025	10,96,827	06-11-2025	88,000	8,800	26-08-2026 (11am-2pm)	24-08-2026 (upto 5pm)	9730775533
9.	कमल कुमार यादव, सरिता यादव	मकान-ख.नं. 2318/8 भाग, मौजा चोरभट्ठीकला, मौजा चोरभट्ठीकला, प.ह.नं. 50, रा.नि.मं. गनियारी, तह. सकरी, ज़िला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001। चौहद्दी: उत्तर - विक्रेता की शेष भूमि, दक्षिण - विक्रेता की शेष भूमि, पूर्व - वीरेंद्र कौशिक की भूमि, पश्चिम - सड़क।	03-09-2025	10,90,001	06-11-2025	88,000	8,800	26-08-2026 (11am-2pm)	24-08-2026 (upto 5pm)	9730775533
10.	रणधीर कुमार हिरवानी, सबिता	मकान-2318/8, मौजा चोरभट्ठीकला, मौजा चोरभट्ठीकला, प.ह.नं. 50, रा.नि.मं. गनियारी, तह. सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001। चौहद्दी: उत्तर - सड़क, दक्षिण - कमल कुमार की भूमि, पूर्व - वीरेंद्र कौशिक की भूमि, पश्चिम - सड़क।	03-09-2025	10,62,831	06-11-2025	88,000	8,800	26-08-2026 (11am-2pm)	24-08-2026 (upto 5pm)	9730775533
11.	यश क्यारवार, नरेंद्र क्यारवार, सुनीता क्यारवार	मकान-2318/8, 2318/14, मौजा चोरभट्ठीकला, प.ह.नं. 50, रा.नि.मं. गनियारी, तह. सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001। चौहद्दी: पूर्व - वीरेंद्र कौशिक का प्लॉट, पश्चिम - निस्तारी रास्ता, उत्तर - विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण - विक्रेता का प्लॉट।	03-08-2025	10,80,724	07-10-2025	88,000	8,800	26-08-2026 (11am-2pm)	24-08-2026 (upto 5pm)	9730775533
12.	बालमुकुंद विश्वकर्मा, सरिता विश्वकर्मा	मकान- ख.नं. 641/3 का (भाग), प.ह.नं. 42, मौजा उसलापुर, तहसील एवं जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001। चौहद्दी: पूर्व - प्रदीप कुमार पटेल की भूमि, पश्चिम - निस्तारी रास्ता, उत्तर - प्रदीप कुमार पटेल की भूमि, दक्षिण - प्रदीप कुमार पटेल की भूमि।	04-07-2025	28,78,978	22-05-2026	16,00,000	1,60,000	26-08-2026 (11am-2pm)	24-08-2026 (upto 5pm)	9730775533
13.	संजय साहू, रामझूल साहू, लगनी साहू	ख.नं.-2318/8, 2318/14, प.ह.नं. 50, मौजा चोरभट्ठीकला, मौजा चोरभट्ठीकला, प.ह.नं. 50, रा.नि.मं. गनियारी, तह. सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001। चौहद्दी:पूर्व- वीरेंद्र कौशिक का प्लॉट, पश्चिम - निस्तारी रास्ता, उत्तर - विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण -विक्रेता का प्लॉट।	06-05-2025	11,70,195	07-07-2025	88,000	8,800	26-08-2026 (11am-2pm)	24-08-2026 (upto 5pm)	9730775533

ई-नीलामी सेवा प्रदाता	ई-नीलामी वेबसाइट/विवरण और अन्य नियम एवं शर्तें	ईएमडी/अन्य राशि जमा करने हेतु खाता नंबर	शाखा का IFSC कोड	लाभार्थी का नाम
कंपनी का नाम: ई-प्रोक्योरमेंट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (ऑक्शन टाइगर) हेल्पलाइन नंबर: 079-35022160/149/182 संपर्क व्यक्ति: राम शर्मा - 8000023297 ईमेल आईडी: ramprasad@auctiontiger.net और support@auctiontiger.net	http://www.homefirstindia.com https://homefirst.auctiontiger.net	9117020005824- होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड - एक्सिस बैंक लिमिटेड, बैंगलोर-केटी	UTIB0000009	अधिकृत अधिकारी, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड

बोली वृद्धि राशि 10,000/- रुपये है। यह बिक्री अधोहस्ताक्षरी द्वारा वेब पोर्टल (https://homefirst.auctiontiger.net) पर उपलब्ध कराए गए ई-नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से की जाएगी। ऑनलाइन ई-नीलामी बोली प्रपत्र, घोषणापत्र और ऑनलाइन नीलामी बिक्री के सामान्य नियम एवं शर्तें युक्त ई-नीलामी निविदा दस्तावेज पोर्टल साइट पर उपलब्ध हैं। अधिकृत अधिकारी के सर्वोत्तम ज्ञान और जानकारी के अनुसार, संपत्तियों पर कोई भार नहीं है। हालांकि, इच्छुक बोलीदाताओं को अपनी बोली जमा करने से पहले, संपत्ति पर भार, नीलामी के लिए रखी गई संपत्ति/संपत्तियों के स्वामित्व और संपत्ति को प्रभावित करने वाले दावों/अधिकारों/देयताओं के संबंध में स्वयं स्वतंत्र जांच कर लेनी चाहिए। ई-नीलामी विज्ञापन होम फर्स्ट की ओर से कोई प्रतिबद्धता या प्रतिनिधित्व नहीं है और न ही इसे ऐसा माना जाएगा। संपत्ति होम फर्स्ट को ज्ञात या अज्ञात सभी मौजूदा और भविष्य के भारों के साथ बेची जा रही है। अधिकृत अधिकारी/सुरक्षित लेनदार किसी भी तृतीय-पक्ष के दावों/अधिकारों/देयताओं के लिए किसी भी तरह से जिम्मेदार नहीं होंगे। यह बिक्री प्रतिभूतिकरण एवं वित्तीय परिसंपत्तियों के पुनर्निर्माण एवं सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत निर्धारित नियमों/शर्तों के अधीन होगी।

किसी भी विसंगति की स्थिति में, सूचना का अंग्रेजी संस्करण प्रामाणिक माना जाएगा।

सरफेसी अधिनियम, 2002 के अंतर्गत वैधानिक 15 दिन की बिक्री सूचना

ऋणधारक/जमानतदारों को सूचित किया जाता है कि वे मांग नोटिस में उल्लिखित राशि का भुगतान, अद्यतन ब्याज और अन्य संबंधित खर्चों सहित, ई-नीलामी की तिथि से पहले कर दें। ऐसा न करने पर संपत्ति की नीलामी/बिक्री कर दी जाएगी और यदि कोई बकाया राशि हो तो उसे ब्याज और लागत सहित वसूल किया जाएगा।

दिनांक: 11-08-2026 स्थान: बिलासपुर — हस्ताक्षरकर्ता /- अधिकृत अधिकारी, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड

शिवमंदिर में घुसा भालू, प्रसाद खाकर जंगल की ओर लौटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

कांकेर नगर के रामनगर मोहल्ले में सोमवार शाम उस समय हड़कंप मच गया, जब एक भालू अचानक शिव मंदिर परिसर में घुस आया। भालू को मंदिर के अंदर देखकर आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए, हालांकि लोगों ने दूरी बनाए रखते हुए भालू को सुरक्षित बाहर निकलने का इंतजार किया।

बताया जा रहा है कि भालू मंदिर के अंदर रखे प्रसाद को खाने लगा। कुछ देर तक मंदिर परिसर में रहने के बाद वह प्रसाद खाकर स्वयं बाहर निकल गया और आसपास के क्षेत्र की ओर चला गया। घटना की जानकारी वन विभाग को भी दी गई। रामनगर मोहल्ले में भालू के पहुंचने की खबर फैलते ही लोगों में दहशत का माहौल बन गया।

वन विभाग ने लोगों से कहा- सतर्कता बरतें

स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर और आसपास के इलाकों में लगातार जंगली जानवरों की आवाजाही बढ़ रही है। ऐसे में वन विभाग को संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने की जरूरत है।

मंदिर में भालू के घुसने की घटना के बाद लोगों को सतर्क रहने और अकेले सुनसान इलाकों में नहीं जाने की सलाह दी गई है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

तिरंगे से सजी..

परंपराओं और क्षेत्रों की विविधता के बावजूद तिरंगा हम सभी को भारतीय होने के एक साझा गौरव से जोड़ता है। मुख्यमंत्री ने कहा, जब तिरंगा लहराता है तो प्रत्येक भारतीय के मन में स्वाभाविक रूप से राष्ट्र के प्रति गौरव और सम्मान का भाव जागृत होता है। हमारा राष्ट्रीय ध्वज स्वतंत्रता आंदोलन के संघर्ष, स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और एक सशक्त राष्ट्र के रूप में भारत की यात्रा का साक्षी है। तिरंगा हमें अपने अधिकारों के साथ राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का भी स्मरण कराता है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर हर घर तिरंगा अभियान आज एक व्यापक जनअभियान का स्वरूप ले चुका है। इस अभियान ने तिरंगे को घर-घर तक पहुंचाने के साथ राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना को और मजबूत किया है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों में पूरे सम्मान और गौरव के साथ तिरंगा फहराने तथा तिरंगा यात्राओं से जुड़कर राष्ट्रीय एकता के इस उत्सव को और भव्य बनाने का आह्वान किया।

ये हुए शामिल –

तिरंगा यात्रा में कौशल विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, सांसद रूप कुमारी चौधरी, विधायक राजेश मूणत, सुनील सोनी, अनुज शर्मा, इंद्र कुमार साहू, मोतीलाल साहू, पुरंदर मिश्रा, महापौर मीनल चौबे, निगम-मंडल-आयोगों के अध्यक्ष सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, पूर्व सैनिक, विद्यार्थी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

बदलते बस्तर में...

जाएगा तथा तिरंगा यात्राएं निकाली जाएंगी। बस्तर के गांवों और दूरस्थ अंचलों में भी तिरंगा पूरे गौरव के साथ लहराएगा। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा, देश स्वतंत्रता दिवस का पावन पर्व मनाने जा रहा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर घर तिरंगा तथा तिरंगा यात्रा के माध्यम से राष्ट्रभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा, तिरंगा हमारी राष्ट्रीय अस्मिता, गौरव और एकता का प्रतीक है।

स्कूल में सांप...

में फर्श पर सो रही नाबालिग छात्राओं को जहरीले सांप ने डस लिया। इनमें से आठ, 12 और 14 साल की तीन छात्राओं की मौत हो गई। वहीं, 11 से 14 साल की तीन अन्य छात्राओं का सांप के डसने के बाद इलाज चल रहा है।

बीमार महिला को...

ग्राम पंचायत भैंसापाठ की रहने वाली 58 वर्षीया महिला रदनी की तबीयत अचानक खराब होने पर सोमवार को परिजन अस्पताल ले जाने की तैयारी कर रहे थे। बड़ी बात यह है कि दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में बसे इस गांव में अब तक सड़क का निर्माण नहीं हो सका है। इसलिए गांव तक किसी एम्बुलेंस के पहुंचने की संभावना नहीं थी। यही वजह है कि परिजन बुजुर्ग महिला को झेलगी में लेकर पैदल ही घर से निकल गए। लगभग दो किमी तक पैदल सफर कर ग्रामीण मुख्य सड़क तक आए जिसके बाद महिला को उपचार के लिए निजी वाहन की मदद से झारखंड के महुआडांड स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस घटना के बाद एक बार फिर से जिले के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों की स्थिति को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। बड़ी बात यह है कि गांव में जनमन के तहत पीएमजीएसवाई द्वारा सड़कों का जाल बिछाने का दावा किया जाता है लेकिन आज भी स्थिति इसके विपरीत ही है।

आरक्षक की मौत...

राम, हमें खुशी है कि आप स्वस्थ होकर घर लौट रहे हैं। इस मैसेज के आने के बाद पहले से गमजदा परिवार की भावनाएं आहत हुई हैं। मृतक की पत्नी ने इस घटना का वीडियो जारी कर नाराजगी जाहिर की और लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की है।

बताया जा रहा है, जशपुर जिले के कांसाबेल अंतर्गत कटंगखार निवासी देव नारायण राम पुलिस विभाग में आरक्षक के पद पर पदस्थ थे। आरक्षक देव नारायण राम को परिजन द्वारा उपचार के लिए 26 जून को राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उपचार के दौरान 30 जून को आरक्षक देव नारायण राम की मौत हो गई थी। मौत के बाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल प्रबंधन की ओर से मृत्यु प्रमाण पत्र भी जारी कर दिया गया था। अस्पताल में भर्ती करने के दौरान मृतक आरक्षक देव नारायण राम का उपचार आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत किया गया था। अब आरोप है कि मौत के बाद भी आरक्षक को अस्पताल में भर्ती दिखाया गया। मृतक आरक्षक की पत्नी स्टाफ नर्स सीमा कुजूर ने एक वीडियो जारी कर बताया कि उनके पति की मौत अस्पताल में उपचार के दौरान महज चार दिनों में ही हो गई थी लेकिन इसके बाद भी आयुष्मान योजना के रिकार्ड में कथित रूप से उन्हें 42 दिनों तक भर्ती दिखाया गया।

दोषियों पर कार्रवाई की मांग –

मृतक की पत्नी सीमा कुजूर ने कहा कि आप सोच सकते हैं कि एक मृत व्यक्ति के लिए इस तरह का सन्देश आना, उनके परिवार के लिए कितनी बड़ी तकलीफ है। इतनी बड़ी लापरवाही नहीं हो सकती। एक स्टाफ नर्स होते हुए मेरे साथ ऐसा किया गया तो फिर आम जनता, गरीब, आदिवासियों के साथ क्या होता होगा, इसका सहज अनुमान लगाया जा सकता है। इस मामले में निष्पक्ष उच्च स्तरीय जांच कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जानी चाहिए। बता दें कि सीमा कुजूर का गांव कटंगखार सीएम विष्णुदेव साय के ग्राम बगिया से लगभग छह किमी की दूरी पर है।

सोने-चांदी की...

करीब डबल हो गए हैं। सोने की राखियों के दाम भी 50 फीसदी तक बढ़ गए हैं। ऐसे में बीते साल जितने ही दस करोड़ के कारोबार की संभावना है। सामान्य राखियां जहां महज दस रुपए से प्रारंभ हो जाती हैं, वहीं फैंसी राखियों की कीमत 50 रुपए से 200 तक रहती है, लेकिन जहां तक चांदी की राखियों का सवाल है, तो इसकी कीमत इस बार पांच सौ रुपए से प्रारंभ हो रही है। बीते साल इसके दाम 300 सौ रुपए से प्रारंभ हुए थे। बीते साल चांदी के दाम एक लाख 20 हजार थे जो इस बार करीब डबल दो लाख 38 हजार हैं। चांदी की राखियां थोक में 400 से प्रारंभ होकर 24 सौ तक हैं। इनके दाम चिल्हर में पांच सौ से लेकर 25 सौ रुपए तक हैं।

बीते साल से...

देनी पड़ेगी। अगर कोई ग्राहक इस बार सोने की एक तोले की राखी चाहेगा तो उसको इसकी कीमत एक लाख 60 हजार तक देनी होगी। इसी तरह से चांदी में भी दस ग्राम की राखी की कीमत बीते साल से ज्यादा रहेगी। बीते साल चांदी की कीमत एक लाख बीस हजार होने पर दस ग्राम चांदी के दाम 12 सौ थे तो दस ग्राम चांदी की राखी के दाम 13 से 14 सौ रुपर थे, लेकिन इस बार इसके दाम करीब ढाई हजार हो गए हैं।

झीरम मामले में...

होगा कि प्रस्तुत साक्ष्यों और गवाहों के बयानों के आधार पर न्यायालय कितने आरोपियों को दोषी ठहराता है और कितनों को राहत मिलती है। न्यायलयीन सूत्रों के मुताबिक सोमवार को जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर स्थित एनआईए कोर्ट की विशेष अदालत में अंतिम बहस शुरू हुई। न्यायालय ने सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष का पक्ष सुना लेकिन न्यायालयीन समय समाप्त होने के कारण कार्यवाही पूरी नहीं हो सकी। अब मामले की अगली सुनवाई मंगलवार सुबह 11 बजे होगी और अदालत में बचाव पक्ष को अपनी अंतिम दलीलें रखने का अवसर दिया जाएगा।

दो बांग्लादेशी रायपुर...

शेख रेहान नाम के बांग्लादेशी युवकों को पकड़ा है। दोनों का किसी तरह से क्रिमिनल रिकार्ड नहीं है। दोनों युवक 20 साल से ज्यादा समय से रायपुर में रह रहे थे। जमाल दक्षिण-पश्चिम बांग्लादेश के जेस्सोर तथा शेख रेहान उत्तरी बांग्लादेश के रंगपुर डिवीजन स्थित पार्बतीपुर का रहने वाला है। जमाल कबाड़ी का तथा रेहान ऑटो मैकेनिक का काम करता था। जमाल को पुलिस ने एक सप्ताह पूर्व डिटेन किया। उसके बाद पुलिस ने रेहान को डिटेन किया। जमाल के दस्तावेज तैयार कर उसे बांग्लादेश डिपोर्ट करने की तैयारी में पुलिस जुटी हुई है।

पिता की आईडी के बेस पर बनवाया आधार–

अपने माता-पिता से साथ आया रेहान उनके भारतीय नागरिक के फर्जी पहचानपत्र के बेस पर अपना आधारकार्ड के साथ पासपोर्ट बनवाकर यहां रह रहा था। बांग्लादेशी नागरिकों के संबंध में पुलिस ने पिछले वर्ष धरपकड़ अभियान चलाया था। इस दौरान रेहान के माता-पिता पुलिस को चकमा देकर छिपकर बांग्लादेश भाग गए। रेहान यहीं रुक गया था। वह देश के अलग-अलग राज्यों में छिप रहा था। इस दौरान अपने देश बांग्लादेश जाने की पुलिस को जानकारी मिली है।

नहीं पकड़े जाने...

शहर के अलग-अलग इलाकों में तलाशी अभियान चला रही थी। इस दौरान पुलिस को रेहान तथा जमाल के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस ने दोनों को मुखबिर की मदद से पकड़ने में कामयाबी हासिल की है।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
81031 28515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग » बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड » बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें
बाल्य रोगों व चुरना, दस्त (कृमि) के लिए विशेष लाभकारी
सुखौना टेबलेट
20 वर्षों से प्रसिद्ध 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है-गोदरेज फर्नीचर शोरूम में फर्नीचर फिटिंग हेतु फिटर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार अनुभवी एवं फ्रेशर दोनों सम्पर्क करें- 12बजे से 5बजे तक श्रीश्याम होटल के बाजू में, एफसीआई चौक, व्यापार विहार बिलासपुर 9111882220 (41611)

आवश्यकता है-नर्सिंग होम में नाइट ड्यूटी में कार्य करने हेतु ट्रेण्ड नर्स एवं कम्पाउंडर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- जय अम्बे नर्सिंग होम रिंग रोड नं.-2 महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 99819 70853 (41612)

आवश्यकता है-बिलासपुर में आवश्यकता है रहकर या आना जाना करके ड्राईवर, चौकीदार, घरेलू कार्य हेतु पुरुष, महिला कर्मचारी दिन ड्यूटी करने रहने हेतु घर सुविधा देंगे स्थान जरहाभाटा सम्पर्क करें- 9479258223 (41613)

आवश्यकता है-डोर स्टेप लॉन्ड्री में रिसेप्शनिस्ट एवं अनुभवी ड्राई क्लीनर कारीगर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता, अनुभव के अनुसार। सम्पर्क करें- ड्रीम बिल्डर्स के बगल में, मन्दिर चौक, जरहाभाठा, बिलासपुर 9770666677 (41614)

आवश्यकता है-इलेक्ट्रीशियन एवं महिला सफाई कर्मचारी की आवश्यकता है इलेक्ट्रीशियन को 3 फेज वायरिंग का अनुभव आवश्यक। अनुभवी उम्मीदवार सम्पर्क करें- राजीव गांधी चौक के पास, जरहाभाठा बिलासपुर 6264315731 (41588)

आवश्यकता है-घर के काम के लिए फुल-डे हाउस हेल्प की आवश्यकता है। सफाई एवं घर के अन्य कार्य करने हैं। अनुभवी एवं भरोसेमंद महिला को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- 7692090000 (41615)

आवश्यकता है-चिकन बिरयानी, साउथ इंडियन, चाइनीज और कॉन्टिनेंटल फूड आइटम बनाने के लिए अनुभवी शेफ की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 8349360608, 78691 02531, 7869102530 (41616)

आवश्यकता है-प्लाईवुड, हार्डवेयर शोरूम में काउंटर, बिलिंग हेतु सेल्समैन, सेल्सगर्ल मार्केटिंग हेतु सेल्समैन, मेहनती कार्य हेतु 10वीं पास व्यक्ति चाहिए बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- सरस्वती ट्रेडिंग एजेन्सी पुराना हाईकोर्ट रोड बिलासपुर (41601)

आवश्यकता है-अनुभवी कार ड्राइवर की आवश्यकता है जो सभी प्रकार की कार Manual/ Automatic चलाने में सक्षम हो, शाकाहारी को प्राथमिकता मासिक पेमेन्ट योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 93019 22223 (41608)

आवश्यकता है-सुरक्षागार्ड गनमैन, फिल्ड ऑफिसर, सिक्युरिटी सुपरवाइजर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, घरेलू कामवाली बाई। वेतन 8000-20000 पता- साईं सिक्युरिटी सर्विस साई निवास कॉम्प्लेक्स जेजे हॉस्पिटल बाजू तोरवा बिलासपुर 9893041578, 8085233213, 72238 21623, 7440981254 (41602)

आवश्यकता है-इलेक्ट्रॉनिक शोरूम में पैकिंग एवं बिलिंग कार्य के लिए कम्प्यूटर जानकर स्टाफ एव साफ, सफाई काम करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- पूनम इलेक्ट्रॉनिक्स गांधी चौक बिलासपुर (41617)

आवश्यकता है- शहर के मध्य प्रतिष्ठित लॉज में कार्य करने हेतु वेटर (वेतन- 7000) एवं सुपरवाईजर (वेतन- 8000) की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- होटल रोहित जूनी लाइन बिलासपुर 7869919506 (41610)

आवश्यकता है-Evince pub Publishing कोनी बिलासपुर में बुक पब्लिशिंग हेतु कम्प्यूटर ऑपरेटर लड़के, लड़कियाँ चाहिए। MS Word, Excel, Canva का ज्ञान आवश्यक। सम्पर्क करें- 6260711728, 91718 10321 (41579)

आवश्यकता है-सोनोग्राफी सेन्टर के लिए टाइपिस्ट, सिक्योरिटी गार्ड, क्लीनर, ड्राइवर, एक्स-रे टेक्नीशियन रिसेप्शनिस्ट की आवश्यकता है, वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्री गोपाल साहू डायग्नोस्टिक सेन्टर, जुनी लाइन, बिलासपुर 97552 30012, 9770128995 (41587)

आवश्यकता है-आर्टिफिशियल ज्वेलरी शोरूम में सेल्समैन एवं सेल्सगर्ल की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- रत्नपुरम ज्वेलर्स कम्पनी गार्डन के सामने बिलासपुर 91111 13779 (41592)

आवश्यकता है-मॉड्युलर किचन हार्डवेयर फिटिंग्स की मार्केटिंग हेतु लड़कों की आवश्यकता है सैलरी 10000 से 15000+ कमीशन सम्पर्क करें- श्रीसांई कृपा कॉम्प्लेक्स उसलापुर 90989 09757, 8827146987 (41605)

आवश्यकता है-श्रेष्ठ डेंटल लैब में काम करने के लिए लड़के की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- LIC ऑफिस के पास, राजकिशोर नगर बिलासपुर 8103333630 (41591)

आवश्यकता है-खेती बाड़ी का कार्य करने हेतु फैमिली वाले की आवश्यकता है जो वहां रहकर कार्य कर सके दोनों मिलाकर तनख्वा- 14000 महीना सम्पर्क करें- 9754293974 (41596)

आवश्यकता है-फर्निशिंग दुकान में काम करने हेतु 10 लड़के, 10 लड़कियां चाहिए पता- वीआर फर्निशिंग विशाल मेगा मार्ट, KFC के बाजू में अशोक नगर चौक के पास, सीपत रोड बिलासपुर 9893127584 (41586)

आवश्यकता है-अतिशीघ्र आवश्यकता है Security Guard Post-60 Salary 22000 (CTC) 18500 (in hand) PF & ESIC अलग से योग्यता- हाइट- 5'-5" वजन- 55 kg योग्यता- 10वीं पास फैसिलिटी रहने की निःशुल्क व्यवस्था लोकेशन- उरला, रायपुर (छत्तीसगढ़) पता- मध्य भारत सिक्योरिटी सर्विस सोनकर बाड़ी के पीछे, सुंदर नगर, रायपुर (छ.ग.) 9244767619, 9244767686, 62675 96471 (817)

आवश्यकता है-जीव विज्ञान (बायो) एवं वाणिज्य (कॉमर्स) पढ़ाने हेतु योग्य, अनुभवी शिक्षिकाओं की आवश्यकता है (बायोडाटा स्कूल में आकर जमा करें) सम्पर्क करें-होली क्रॉस हायर सेकेंडरी स्कूल मंगला बिलासपुर 07752 444092, 9406143202 (41595)

आवश्यकता है-ऑनलाइन कॉस्मेटिक सामान के पार्सल पैकिंग हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है, वेतन 8000/- कार्य समय 10 से 8, सम्पर्क- पाहवा इंटरप्राइजेज, गोल्डन बार के पीछे, व्यापार विहार बिलासपुर 81091 67000 (41606)

आवश्यकता है-सुरक्षा गार्ड 17000 सुपरवाइजर 20000 फील्ड अधिकारी 18000 कंप्यूटर ऑपरेटर 15000-20000 टेंडर कार्य, मेस सुविधा, आवास फ्री संपर्कः- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालयः- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7746000016, 7747000016 (815)

आवश्यकता है-साड़ी एवं रेडीमेड दुकान में काम करने हेतु अनुभवी लड़कियों एवं लड़को की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- शिव क्लॉथ स्टोर बिलासा चौक शनिचरी बाजार बिलासपुर 9827916580, 9827887934 (41567)

आपके सपनों का आशियाना — जल्द होगा आपका — पढ़ते रहे
हरिभूमि क्लासीफाईड
• सब कुछ है यहां •

किराया

किराया-किराए पर फर्निश्ड ऑफिस उपलब्ध नेहरू चौक के पास वृंदावन प्लाजा में 210 वर्गफुट किराया 27000/- माह प्रथमतल मेनरोड फेसिंग AC, केबिन, फॉल्स सीलिंग, प्रीमियम लाइटिंग पर्दे सम्पर्क- 90985 22711, 7004692389 (41568)

बेचना है

बेचना है-2BHK फ्लैट चतुर्थ फ्लोर पर फालसिलिंग सहित 25 लाख में उसलापुर ओवरब्रिज से पहले शुभम विहार डामर मेन रोड से 200मी. बटरफ़्लाई अपार्टमेंट में सम्पर्क-JBS infra-homes construction हेमूनगर मुर्राभट्टा तोरवा 9300000195 (41539)

बेचना है-हॉस्टल, कोचिंग सेन्टर हेतु प्लाट बेचना है। अटल बिहारी वाजपेई यूनिवर्सिटी कोनी बिलासपुर के पास 40×100, 50×130, 87×195, 132×184 एवं सेंदरी चौक में 48×145 बेचना है। सम्पर्क करें- 9406441535 (41607)

बेचना है-व्यापार विहार में एक कमर्शियल प्लॉट साईज 375 वर्गफीट, बिलासपुर सिरगिट्टी में गोविन्द नगर में 3225 वर्गफीट, प्लॉट शीघ्र बेचना है। इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें-9630083740, 9770676030 (41594)

बेचना है- T&C कॉलोनी (Golden Park), छतौना रोड़ में East फेस का प्लाट साइज 23×52= 1196 वर्गफुट गार्डन के सामने बेचना है। सम्पर्क करें- 9993060662 70006 04585 (41600)

बेचना है-प्लॉट एरिया 50×35 निर्माण 4500 वर्गफीट बेडरूम-5, टॉयलेट -6, किचन-2, कार पार्किंग-2, ट्यूबवेल-1 सम्पर्क- आर.के. पनिकर, हाउस नम्बर-46/ 53 त्रिवेणी नगर जबड़ापारा सरकंडा बिलासपुर 9424143366 (41589)

बेचना है-2BHK फ्लैट तृतीय फ्लोर, 27 लाख लिफ्ट पार्किंग हेमू नगर, साई मंदिर के पास पाम अपार्टमेंट में डामर मेन रोड से 300मी. सम्पर्क-JBS Infr-homes construction हेमू नगर मुर्राभट्टा तोरवा 93000 00195 (41538)

बेचना है-शांति नगर रिंग रोड नं-2 गौरव पथ बिलासपुर में स्थित लगभग 4200 वर्गफुट प्लॉट अति शीघ्र बेचना है। इच्छुक खरीददार सम्पर्क करें- 9329111632 (41609)

फायनेंस

फायनेंस-राज्य ग्रामीण बैंकों द्वारा विभिन्न प्रकार के लोन उपलब्ध। बिजनेस, कृषि, होम एवं प्रॉपर्टी लोन। 1% वार्षिक ब्याज एवं 40% सब्सिडी के साथ प्राप्त करें। डाउन सिबिल स्कोर वालों के लिए भी सुविधा। सम्पर्क करें-7988465321, 79884 65321 (049)

CLASSIFIED RATE CARD
01 अप्रैल 2025 से लागू
हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी

EDITION	Appointment	Service/ Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sqcm
Bhilai+Durg Edition	440	560	520	150/- Sqcm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sqcm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sqcm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sqcm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sqcm
All CG+MP	1280	1750	1600	330/- Sqcm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sqcm

WANTED Display Scheme 2+1, 3+2, 5+4
SCHEME
(Running) 3+1, 5+2, 10+6, 20+14, 30+25, 50+50
Display 2+1, 5+3, 10+7, 15+15, 20+25
1. Pick of the day 15% extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100 Rs. EXTRA.
ADVT. Booking Time 10.30 am to 4.00 pm.
COLOUR 20% Extra Charge For Disply
5% GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL- Fix Size 10x3 Scheme

EDITION	RATE	
Raipur City	3000	2+1
Bhilai + Durg Edition	2800	5+3
Raipur Edition	4400	10+10
Bilaspur City	2500	15+18
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500/- 1 Sunday	800/- 1 Sunday
900/- 2 Sunday	1200/- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE 10X1 FIX SIZE

	(30 Days)	(60 Days)	(90 Days)
Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला-मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586
- हिबिस्कस मार्केटिंग एण्ड एडवर्टाइजमेंट:- मो. 8109229025

646 दिन बाद सरफराज की टेस्ट टीम में वापसी, कश्मीर में घटाया 17 किलो वजन

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

नई दिल्ली। भारत की टेस्ट टीम में वापसी करने से कुछ दिन पहले सरफराज खान ने सोशल मीडिया पर लिखा था 'हो सकता है मैं टीम में फिट न बैठूं, लेकिन मैं अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ूंगा।' इससे उनके दृढ़ संकल्प का पता चलता है लेकिन वह तब की परिस्थितियों से भी अच्छी तरह अवगत थे।

अब किस्मत ने पलटी खाई और वह फिर से भारतीय टीम का हिस्सा बन गए, जो एक तरह से उनके दृढ़ संकल्प की भी जीत है। साई सुदर्शन के चोटिल होने से सरफराज को भारतीय टीम में जगह बनाने का वह मौका मिल गया, जिसका वे पिछले दो वर्षों से इंतजार कर रहे थे। उन्हें 15 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए टीम में शामिल किया गया है। सरफराज ने टीम में शामिल होने के लिए 17 किलो वजन भी घटाया।

रणजी ट्रॉफी में लगाया था तिहरा शतक

मुंबई के रहने वाले इस खिलाड़ी के लिए यह वापसी इससे बेहतर समय पर नहीं हो सकती थी, क्योंकि उन्होंने फिट होने के लिए अपनी तरफ से हर संभव प्रयास किए थे, जिसमें पिछले डेढ़ साल में 17 किलो वजन कम करना भी शामिल था। रणजी ट्रॉफी में तिहरा शतक बनाने के बावजूद सरफराज को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए अधिक भारी भरकम शरीर वाला खिलाड़ी माना जाता था लेकिन अब वह अधिक चुस्त-दुरुस्त दिखते हैं, जिसने निश्चित रूप से उनके टी20 खेल में सुधार हुआ है।

15 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम में शामिल

शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में किया अभ्यास

मुंबई में बेमौसम की बारिश के कारण अभ्यास करना संभव नहीं था और इसलिए सरफराज कश्मीर चले गए, जहां उन्होंने अपने कौशल को निखारने के लिए शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में घंटों बिताए। इसलिए उनकी वापसी काफ़ी मायने रखती है, क्योंकि 2024 में न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ चार बार नाकाम रहने के बाद टीम से बाहर किए जाने को पचा पाना मुश्किल था। यह एक ऐसी श्रृंखला थी, जिसमें सभी खिलाड़ी असफल रहे लेकिन आखिर में गाज सिर्फ इस 28 वर्षीय खिलाड़ी पर ही गिरी। इसके बाद वे इंग्लैंड गए जहां उन्होंने बेकेनहैम में एक 'इंट्रा-स्क्वाड' मैच (भारत बनाम भारत ए) में शतक बनाने के अलावा इंग्लैंड लायंस के खिलाफ एक अनौपचारिक टेस्ट में भारत ए की तरफ से 92 रन बनाए। लेकिन राष्ट्रीय टीम में उनकी वापसी दूर की कौड़ी बनी रही जब तक कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत का अपने घरेलू मैदानों पर लचर प्रदर्शन के कारण खतरे की घंटी नहीं बजी।

स्पिन गेंदबाजी खेलने में माहिर सरफराज

सूत्रों की मानें तो टीम प्रबंधन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी में दूसरे टेस्ट से पहले सरफराज के बारे में पूछताछ की थी, लेकिन चयन समिति उन्हें वापस टीम में लेने के लिए तैयार नहीं थी। लेकिन अब सुदर्शन के दाहिने पैर के अंगूठे में लगी चोट के समय पर ठीक नहीं होने के कारण चयन समिति के पास उनकी जगह भरने के लिए तीन विकल्प थे। रुतुराज गायकवाड़, शेख रशीद और सरफराज, जो मौजूदा टीम में कप्तान शुभमन गिल और ऋषभ पंत के अलावा शायद स्पिन गेंदबाजी को खेलने में सबसे माहिर खिलाड़ी है। ध्रुव जुरेल कुछ समय से स्पिनरों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं। इसलिए यह निश्चित नहीं कहा जा सकता कि उत्तर प्रदेश का यह खिलाड़ी 15 अगस्त से गॉल में शुरू होने वाले पहले टेस्ट में विशुद्ध बल्लेबाज के रूप में खेलेगा।

खबर संक्षेप

ई-स्पोर्ट विश्व कप : ग्रांड फाइनल में भारत की दो टीमें

पेरिस। 'ओरंगुटान' और 'गॉडलाइक ई-स्पोर्ट' ने यहां जारी ई-स्पोर्ट विश्व कप 2026 में 'पबजी मोबाइल विश्व कप (पीएमडब्ल्यूसी)' के फाइनल में जगह बनाने वाली पहली भारतीय टीमें बनने का गौरव हासिल किया है। पीएमडब्ल्यूसी ग्रुप चरण में ओरंगुटान और गॉडलाइक ई-स्पोर्ट ने अपने-अपने ग्रुप में शीर्ष पांच में रहते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। प्रतियोगिता में 32 टीमों को 16-16 के दो ग्रुप में बांटा गया था और प्रत्येक टीम ने 12 मुकाबले खेले। ओरंगुटान ने ग्रुप-ए में 91 अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। वह ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली 'फोर थ्राइव' से 16 अंक पीछे रही। वहीं, गॉडलाइक ई-स्पोर्ट ने ग्रुप-बी में 105 अंकों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

पीजीए सीनियर्स: जीव ने किया सातवां स्थान हासिल

एबेरडीन। दिग्गज गोल्फर जीव मिल्खा सिंह ने अंतिम दौर में दो-अंडर 70 का कार्ड खेलकर 2026 स्टेश्योर पीजीए सीनियर्स चैंपियनशिप में संयुक्त रूप से सातवां स्थान हासिल किया। जीव (54 वर्ष) ने पिछले सत्र में आईजीपीएल कोलंबो में खिताब जीता था। उन्होंने 76, 71, 69 और 70 के कार्ड खेला, जिससे उनका कुल स्कोर दो अंडर रहा। दक्षिण अफ्रीका के डैरेन फिचार्ड्ट ने एबरडीन के ट्रम्प इंटरनेशनल गोल्फ लिंक्स में पांच शॉट के अंतर से 2026 पीजीए सीनियर्स का खिताब जीता। एक अन्य भारतीय गोल्फर ज्योति रंधावा 74 और 79 के कार्ड खेलने के कारण कट हासिल करने से चूक गए थे। जीव कई सर्किट में खेल रहे हैं, जिनमें भारत में आईजीपीएल, एशियाई टूर, यूरोपीय सीनियर और जापान सीनियर टूर शामिल हैं। अंतिम दौर में तेज हवाओं के बीच जीव ने फ्रंट नाइन के शुरुआती पांच होल में से दो बोगी लगाईं।

लंदन चैंपियनशिप : शीर्ष 20 में प्रणवी और अदिति

लंदन। भारतीय गोल्फर प्रणवी उर्स ने पीआईएफ लंदन चैंपियनशिप के अंतिम दौर में शानदार प्रदर्शन करते हुए सात अंडर 66 का कार्ड खेला और संयुक्त 19वें स्थान पर रही जबकि अदिति अशोक ने अंतिम दौर में चार अंडर 69 का स्कोर कर संयुक्त 17वां स्थान हासिल किया। प्रणवी तीसरे दौर में निराशाजनक 78 का कार्ड खेलने के बाद अंतिम दौर की शुरुआत में शीर्ष 30 से बाहर थीं। उन्होंने सप्ताह का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 12 स्थान की छलांग लगाई। प्रणवी ने 70, 73, 78 और 66 के दौर के साथ कुल 5-अंडर 287 का स्कोर बनाया।

भारतवंशियों की लंदन में धूम, 17 साल के श्रेयस रॉयल की ऐतिहासिक जीत

11 साल की बोधना ने रचा इतिहास, रोमांचक प्लेऑफ में जीता ब्रिटिश शतरंज का खिताब

एजेंसी ▸▸| लंदन

भारतीय मूल की 11 वर्षीय शतरंज प्रतिभा बोधना सिवानंदन और 17 वर्षीय श्रेयस रॉयल ने सप्ताहांत में 2026 ब्रिटिश शतरंज चैंपियनशिप जीतकर इतिहास रच दिया। कोवेंट्री में हुई प्रतियोगिता में बोधना ब्रिटेन की अब तक की सबसे कम उम्र की महिला शतरंज चैंपियन बन गईं।

मुकाबले के दौरान दर्शक उन्हें प्यार से 'गोधना' कहकर उत्साहित कर रहे थे। उन्होंने आयरलैंड की 14 वर्षीय उभरती हुई खिलाड़ी त्रिशा कन्यमाराला को रोमांचक रैपिड शतरंज प्लेऑफ में हराकर खिताब अपने नाम किया।

बोधना ने लॉकडाउन में शुरू किया था खेलना

'इंग्लिश चेस फेडरेशन' (ईसीएफ) के लिए कमेंट्री कर रहे ग्रैंडमास्टर डैनी गोर्माली ने कहा, 'अविश्वसनीय! बोधना जीत गई हैं। वह कमाल की खिलाड़ी हैं, एक ऐसी प्रतिभा जो पीढ़ी में एक बार ही देखने को मिलती है।' बोधना ने कोविड-19 महामारी के दौरान लगे लॉकडाउन में पहली बार शतरंज खेलना शुरू किया था जब उनके पिता के एक मित्र भारत लौट रहे थे और जाते समय कुछ बैग छोड़ गए थे, जिनमें एक शतरंज का बोर्ड भी था। उस समय बोधना ने कहा था, 'मुझे शतरंज के मोहरे बहुत आकर्षक लगे, इसलिए मैंने खेलना शुरू कर दिया।'

बोधना ने पूरी की शानदार हैट्रिक

इसके बाद से उत्तर-पश्चिम लंदन की इस स्कूली छात्रा ने लगातार कई रिकॉर्ड तोड़े हैं और सबसे कम उम्र की सफल खिलाड़ियों में अपनी पहचान बनाई है। शतरंज के तेज प्रारुपों में वह पहले ही 'यूके ओपन महिला ब्लिट्ज' चैंपियन और संयुक्त ब्रिटिश महिला रैपिड चैंपियन बन चुकी हैं। अब क्लासिकल प्रारुप की इस जीत के साथ 11 वर्षीय बोधना ने शानदार हैट्रिक पूरी कर ली है। इस चैंपियनशिप में उनकी एकमात्र हार छठे दौर में श्रेयस रॉयल के खिलाफ हुई।

स्पर्धा में 1,750 से अधिक खिलाड़ियों ने लिया भाग

ब्रिटिश शतरंज चैंपियनशिप के 122 वर्षों के इतिहास में 2026 में हुई इस प्रतियोगिता को सबसे बड़ा आयोजन बताया गया क्योंकि इसमें 1,750 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया और ओपन चैंपियनशिप के लिए रिकॉर्ड 34,000 पाउंड की पुरस्कार राशि घोषित की गई।

श्रेयस तीन वर्ष की उम्र में बेंगलुरु से ब्रिटेन हुए थे शिफ्ट

भारत में जन्में श्रेयस तीन वर्ष की उम्र में अपने माता-पिता जितेंद्र और अंजू सिंह के साथ बेंगलुरु से ब्रिटेन चले गए थे। लगभग 8 वर्ष पहले ईसीएफ ने गृह मंत्रालय (होम ऑफिस) से विशेष अनुरोध किया था कि इस असाधारण प्रतिभाशाली खिलाड़ी को ब्रिटेन में रहने और अपनी प्रतिभा को निखारने की अनुमति दी जाए। पूर्व मंत्री साजिद जाविद ने श्रेयस की इस जीत के बाद सोशल मीडिया पर लिखा, '2018 में गृह सचिव के रूप में मैंने श्रेयस और उनके परिवार को ब्रिटेन में रहने की अनुमति देने का निर्णय लिया था। उनकी असाधारण प्रतिभा को खिलते हुए देखना बेहद सुखद है। श्रेयस, पूरे ब्रिटेन को आप पर गर्व है।

श्रेयस ने 9 दौर के बाद हासिल किया शीर्ष स्थान

वहीं श्रेयस रॉयल ने 9 दौर के बाद तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर कुल अंक से ब्रिटिश खिताब अपने नाम किया। उन्होंने इंग्लैंड के अनुभवी ग्रैंडमास्टर्स को आधे अंक से पीछे छोड़ दिया। अपने पहले ब्रिटिश खिताब के साथ उन्होंने विश्व स्तरीय उभरती हुई शतरंज प्रतिभा के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर ली है। दक्षिण-पूर्व लंदन के इस किशोर खिलाड़ी ने आगे चलकर ब्रिटेन के प्रमुख युवा शतरंज खिलाड़ियों में अपना स्थान बनाया। इस वर्ष की चैंपियनशिप में उन्होंने शुरुआत से ही साबित कर दिया कि वह स्थापित दिग्गज खिलाड़ियों को कड़ी चुनौती देने में सक्षम हैं और टूर्नामेंट आगे बढ़ने के साथ खिताब की दौड़ में सबसे मजबूत दावेदार बन गए।

वनडे कप

अल्बर्ट की तूफानी पारी 6 गेंदों पर जड़े 6 छक्के

अल्बर्ट ने सिर्फ 37 गेंदों पर बनाए 86 रन

एजेंसी ▸▸| होव

इंग्लैंड के वनडे कप में 24 साल के बल्लेबाज ने छक्कों की बरसात कर दी। होव में हैम्पशायर का मुकाबला ससेक्स के खिलाफ हुआ। इस मैच में हैम्पशायर के लिए खेलने वाले टॉबी अल्बर्ट ने सिर्फ 37 गेंदों पर 86 रनों की तूफानी पारी खेली। उनकी इस पारी में 5 चौकों के अलावा 8 छक्के भी शामिल थे। वह तीसरे नंबर पर बैटिंग करने उतरे और गेंदबाजों की जमकर खबर ली।

अल्बर्ट ने 26 गेंदों पर पूरा किया अर्धशतक

86 रनों की पारी के दौरान टॉबी अल्बर्ट ने अपनी 6 गेंदों पर लगातार 6 छक्के मारे। पहले 43वें ओवर की आखिरी दो गेंद पर दो छक्के लगाए। इसके बाद वह ओली किर्टले के खिलाफ स्ट्राइक पर आए। वहां उन्होंने लगातार चार गेंदों पर चार छक्के मारे। इस तरह अपनी लगातार 6 गेंदों पर अल्बर्ट ने 6 छक्के मारे। 26 गेंदों पर टॉबी अल्बर्ट ने अपना अर्धशतक पूरा किया। यह इस साल के वनडे कप में किसी भी बल्लेबाज की सबसे तेज फिफ्टी है।

चोट के कारण टूर्नामेंट नहीं खेल पाएंगे नंबर-1 सिनर

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर दाहिने घुटने की चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से हट गए हैं। टूर्नामेंट के आयोजकों ने पुष्टि की है कि इटली का यह स्टार टेनिस खिलाड़ी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएगा। इस महीने होने वाले यूएस ओपन की तैयारियों को देखते हुए इसे यानिक सिनर के लिए बड़ा झटका मानाा जा रहा है। 24 साल के इस खिलाड़ी ने साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम से पहले होने वाले एक और अहम हार्ड-कोर्ट टूर्नामेंट, कैनेडियन ओपन से भी अपना नाम वापस ले लिया था। पिछले महीने विंबलडन में अपना पांचवां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के बाद, उन्हें उम्मीद थी कि नॉर्थ अमेरिका का उनका टूर यूएस ओपन में अपने खिताब का बचाव करने से पहले उन्हें मजबूती देगा।

मैं अभी खेलने के लिए तैयार नहीं हूं : सिनर

सिनर ने कहा, अपने डॉक्टरों और अपनी टीम से सलाह लेने के बाद मुझे यह बताना पड़ रहा है कि मुझे सिनसिनाटी में मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट से हटना होगा। मेरे दाहिने घुटने में दिक्कत हो रही है और भले ही मेरी मेडिकल टीम के साथ हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं, लेकिन मुझे यह मानना होगा कि मैं अभी खेलने के लिए तैयार नहीं हूं। सिनर ने एक और बड़े टूर्नामेंट में हिस्सा न ले पाने पर निराशा जताई, लेकिन साथ ही कहा कि उनका अभी पूरा ध्यान ठीक होने पर है ताकि वे यूएस ओपन के लिए तैयार हो सकें।

तलवारबाजी चैंपियनशिप : भारत का दबदबा, अंडर-23 में जीते 17 पदक

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

नई दिल्ली भारत ने पुरुष और महिला दोनों वर्ग की व्यक्तिगत स्पर्धाओं में दबदबा बनाते हुए नाइजीरिया के लागोस में चल रही अंडर-23 राष्ट्रमंडल तलवारबाजी चैंपियनशिप में चार स्वर्ण पदकों सहित 17 पदक जीते। रविवार से शुरू हुई और 14 अगस्त तक चलने वाली इस प्रतियोगिता के पहले दिन भारतीय टीम ने चार स्वर्ण, चार रजत और नौ कांस्य पदक जीते।

भारतीय तलवारबाजी संघ के अनुसार भारत ने सेबर, फॉइल और ईपी श्रेणियों की सभी छह व्यक्तिगत स्पर्धाओं में कम से कम एक पदक जरूर जीता। पुरुषों के सेबर में निखिल वाघ ने स्वर्ण पदक जीता। लक्ष्य बदसर ने रजत पदक हासिल किया, जबकि अश्विनी आर्य और लैशराम मोरम्बा ने कांस्य पदक जीते। पुरुषों की फॉइल स्पर्धा में तेजस पाटिल ने रजत पदक और हेमश सनसम ने कांस्य पदक जीता। पुरुषों की ईपी स्पर्धा में लोकेश वेमानी ने रजत पदक हासिल किया, जबकि शौर्य अश्विनी और गॉडविन अनबकेस ने कांस्य पदक जीते। जो इस आशिता ने महिला फॉइल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, जबकि कनागलक्ष्मी ने रजत पदक हासिल किया। महिला ईपी स्पर्धा में प्राची लोहान ने स्वर्ण पदक जबकि निवेद्या नायर और अनुप्रिया ने कांस्य पदक जीते।

विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप में भारत को 3 पदक, पूजा सिंह ने किया निराश

यूजीन। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक ऊंची कूद की एथलीट पूजा सिंह उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकीं और फाइनल में सातवें स्थान पर रहीं, जिससे भारत ने यहां विश्व एथलेटिक्स अंडर 20 चैंपियनशिप में तीन पदकों के साथ अपना अभियान समाप्त किया।

भारत सरकार,
जनजातीय मामलों का मंत्रालय
शुद्धिपत्र

संदर्भ संख्या: 11/02/2026-आजीविका-भाग(1) (34478) **जारी करने की तिथि: 11 अगस्त, 2026**

ओडिशा, झारखंड और छत्तीसगढ़ (जिला-बस्तर) में जनजातीय युवाओं के रोजगार-उन्मुख कौशल विकास हेतु पायलट परियोजना के कार्यान्वयन हेतु प्रस्तावों के लिए अनुरोध

उपरोक्त विषय पर दिनांक 31 जुलाई, 2026 को जारी विज्ञापन का संदर्भ लिया जा सकता है। जनजातीय मामलों का मंत्रालय ओडिशा और झारखंड के अतिरिक्त छत्तीसगढ़ (जिला–बस्तर) में रोजगार–उन्मुख कौशल विकास हेतु पायलट परियोजना के लिए परियोजना प्रस्ताव आमंत्रित करता है। प्रत्येक राज्य के लिए लक्षित पायलट परियोजना के अंतर्गत 500 अनुसूचित जनजाति (एसटी) युवा (झारखंड में 500, ओडिशा में 500 और छत्तीसगढ़ (जिला : बस्तर) में 500) हैं।

महत्वपूर्ण तिथियां एवं प्रस्तुति	
प्रस्ताव जमा करने का पता	कमरा संख्या 13074, तीसरी मंजिल, कर्तव्य भवन–I, नई दिल्ली–110001
प्रस्ताव जमा करने की अंतिम तिथि	30 अगस्त 2026, शाम 5 :00 बजे (भारतीय समय)
प्रस्ताव पूर्व बैठक	19 अगस्त 2026, कर्तव्य भवन–I, नई दिल्ली (हाइब्रिड मोड)

विवरण के लिए कृपया https://tribal.gov.in (निविदाएं, रिक्तियां और विज्ञापन टैब) पर जाएं
पूछताछ के लिए : shambhu.pal@gov.in | दूरभाष : 011–24013725
अवर सचिव (आजीविका), जनजातीय मामलों का मंत्रालय, कर्तव्य भवन–1, नई दिल्ली
CBC 43101/11/0009/2627

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर
NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY RAIPUR
(An Institute of National Importance)
G.E. Road, Raipur - 492010 (CG) Phone: (0771) 4270619
Email: registrar@nitrr.ac.in, Website: www.nitrr.ac.in

क्र./एनआईटीआरआर/रजिस्ट्रार/2026/702 दिनांक 10/08/2026

एनआईटी रायपुर में एम.टेक./एम.एससी. प्रवेश हेतु स्पॉट राउंड काउंसिलिंग की सूचना

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न **एम.टेक./एम.एससी. कार्यक्रमों में रिक्त सीटों पर प्रवेश हेतु स्पॉट राउंड काउंसलिंग** आयोजित की जा रही है। पंजीकृत अभ्यर्थी **दिनांक 14.08.2026** को आयोजित स्पॉट राउंड काउंसलिंग में भाग ले सकते हैं। **पात्रता, रिक्त सीटों की उपलब्धता, प्रवेश प्रक्रिया, शुल्क एवं अन्य निर्देशों** की विस्तृत जानकारी के लिए एनआईटी रायपुर की वेबसाइट देखें।

सही/- कुलसचिव
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर

कार्यालय नगर पालिका परिषद् कुम्हारी, जिला- दुर्ग (छ.ग.)

:: ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना ::

क्र. /1240/ लो.क.वि./न.पा./2026 कुम्हारी दिनांक 10.08.2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

सिस्टम टेण्डर नंबर	कार्य का नाम	अनु.ला. (लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
197232	वार्ड क्रं.-10 में जी.ई. रोड से शीतला मंदिर तक (महामाया मंदिर रोड) कवर्ड आर.सी.सी. नाली निर्माण सी.सी. रोड निर्माण एवं चौड़ीकरण कार्य	53.67	03.09.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्ते धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी,
नगर पालिका परिषद् कुम्हारी

Chhattisgarh State Electricity Regulatory Commission
Irrigation Colony, Shanti Nagar, Raipur - 492 001 (C.G.) Ph.0771-4073568, Fax: 4073553
Website: www.cserc.gov.in, E-mail: cserc.sec.cg@nic.in;

PUBLIC NOTICE

Chhattisgarh State Power Distribution Company Ltd. has filed a petition under Section 63 and 86(1)(b) of the Electricity Act 2003 for adoption of tariff discovered through competitive bidding for procurement of power from Battery Energy Storage System under Viability Gap Funding scheme of MoP. This has been registered as petition no. 81 of 2026.

Copy of Petition is available on the website- www.cserc.gov.in. Considered views/comments/suggestions of the stakeholders/public are invited by 31.08.2026 and public hearing will be held on 02.09.2026 at 11.30 AM at the Commission's office.

"SAVE ELECTRICITY" SECRETARY

ACB (INDIA) LIMITED

Requirement of Chartered Accountant in Chattisgrah Region

ACB (India) Ltd along with its subsidiaries and associates is Indian largest and efficient coal beneficiation company in the private sector. Our core business is coal beneficiation, coal logistics and thermal power generation. We are looking for a Chartered Accountant for our Regional Head Quarter - Dist- Korba (CG)

The desired profile :-

Accounting & Reporting:

* Manage day-to-day plant accounting operations and general ledger.
* Finalize monthly, quarterly trial balance of the plants in the region and submit MIS to MD on monthly/quarterly basis.
* Handle cost accounting, variance analysis, and inventory valuation for all the plants.
* Ensure compliance with Ind AS while doing transactions.

Taxation & Compliance:

* Manage GST, TDS, TCS, and corporate tax filings for the Plant.
* Superwise the team handling state electricity regulatory compliance and local levies.
* Manage GST audits, assessments, and litigations with tax authorities.
* Ensure timely payment and filing of all statutory dues.

SAP Management:

* Oversee SAP FICO (Financial Accounting and Controlling) operations.
* Implement and improve MM (Materials Management) and SD (Sales and Distribution) integrations.
* Troubleshoot financial workflow issues within the SAP system.

Audit & Control:

* Coordinate internal, statutory, and cost audits for the plant.
* Maintain robust internal financial controls and risk management.

Required Qualifications & Skills

Education:

* Chartered Accountant (CA)

Experience:

* Minimum 7 years of post-qualification experience.
* Preferably, at least 3 years working in a thermal power plant or Coal Washery Industry /Sponge Iron Plant / Manufacturing Industries / Process Industries.

Technical Skills:

* Hands-on expertise in SAP FICO/MM/SD modules with end-to-end implementation or support experience.
* Deep knowledge of Indian tax laws and power sector regulations.
* Advanced Excel and data analytics skills.

Interested candidates shall apply within 10 days in the Email ID:- hr.rhq@cg.acbindia.com

मच्छरों का भी होता है फेवरेट इंसान! 119 लोगों की स्टडी में सामने आया चौंकाने वाला राज

न्यूयार्क। क्या आपने कभी ध्यान दिया है कि एक ही कमरे में बैठे कई लोगों में से मच्छर किसी एक इंसान को कुछ ज्यादा ही निशाना बनाते हैं? अगर आपको लगता है कि यह सिर्फ आपका वहम है, तो ऐसा बिल्कुल नहीं है। साइंस ने भी अब इस बात पर मुहर लगा दी है। फ्लोरिडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स ने 119 लोगों पर की गई एक रिसर्च किया, जिसमें चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि मच्छरों का अपना फेवरेट इंसानी शिकार होता है। आखिर क्यों कुछ खास लोगों का खून मच्छरों को इतना पसंद आता है और क्या आपकी त्वचा से निकलने वाली महक ही इसकी सबसे बड़ी वजह है?

रासायनिक संकेत करते हैं आकर्षित

फ्लोरिडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स ने 119 लोगों पर यह रिसर्च किया, जिसके रिजल्ट ने चौंका दिया। इसमें दुनिया की तीन ऐसी मच्छर प्रजातियों को शामिल किया गया, जो इंसानों में कई गंभीर बीमारियां फैलाने की क्षमता रखती हैं। रिसर्चर्स ने देखा कि इन तीनों प्रजातियों को इंसानों की गंध और शरीर से निकलने वाले अलग-अलग रासायनिक संकेत किस तरह आकर्षित करते हैं। रिसर्च में में एडीज एजिप्टी, एडीज एल्बोपिक्टस और क्यूलेक्स क्विनक्वेफैसिएटस को शामिल किया गया। ये तीनों अलग-अलग बीमारियों को फैलाने में का काम करते हैं। इनमें डेंगू, जीका, येलो फीवर और वेस्ट नाइल जैसी बीमारियां शामिल हैं। इसके रिजल्ट हैरान करने वाले थे। तीनों प्रजातियों ने एक जैसे लोगों को पसंद नहीं किया। हर प्रजाति ने इंसानी शरीर की स्मेल को अपने तरीके से पढ़ा और उसके आधार पर तय किया कि किस इंसान के पास जाना है।

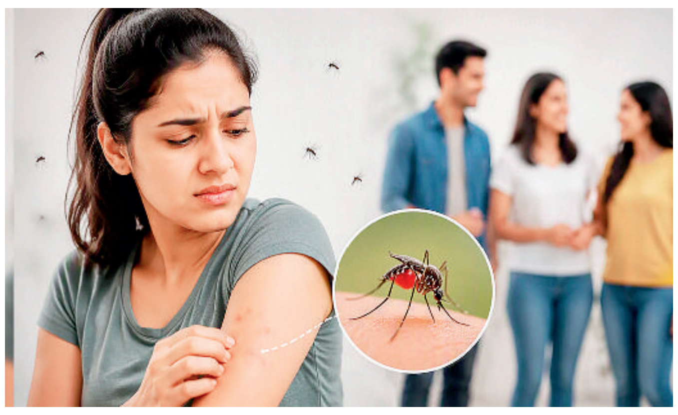

हमारी प्राकृतिक गंध का हिस्सा बनते हैं रसायन

दरअसल, इंसानी शरीर से एक हजार से ज्यादा तरह के वाष्पशील कार्बनिक यौगिक निकल सकते हैं। इनमें से कई के बारे में वैज्ञानिक अभी पूरी तरह नहीं जानते। यही रसायन हमारी प्राकृतिक गंध का हिस्सा बनते हैं और मच्छरों के लिए किसी तरह के संकेत का काम कर सकते हैं। रिसर्च में सामने आया कि एडीज एजिप्टी ऐसे लोगों की तरफ ज्यादा आकर्षित हुआ, जिनकी त्वचा में कुछ खास वाष्पशील रसायन कम मात्रा में मौजूद थे और जो शरीर पर कोई अतिरिक्त खुशबू नहीं लगा रहे थे। इस प्रजाति ने पुरुषों की ओर हल्की ज्यादा पसंद भी दिखाई। यह मच्छर दिन के समय ज्यादा एक्टिव रहता है।

रात में ज्यादा होता है एक्टिव

तीसरी प्रजाति क्यूलेक्स क्विनक्वेफैसिएटस की पसंद और भी अलग निकली. यह मच्छर आमतौर पर रात में ज्यादा एक्टिव होता है और इंसान की स्किन पर मौजूद माइक्रोबायोम यानी बैक्टीरिया, फंगस और दूसरे सूक्ष्मजीवों के समुदाय को पहचानने पर ज्यादा निर्भर करता है। हमारी त्वचा पर हमेशा लाखों-करोड़ों सूक्ष्मजीव मौजूद रहते हैं। ये माइक्रोब्स हमारी त्वचा की गंध को प्रभावित करते हैं। स्टडी में खुलासा हुआ है कि कुछ बैक्टीरियल परिवार मच्छरों को इंसान की ओर आने के लिए प्रेरित कर सकते हैं, वहीं कुछ दूसरे बैक्टीरिया उन्हें दूर रखने वाले संकेत दे सकते हैं। यह रिसर्च वैज्ञानिक जर्नल आईसाइंस में प्रकाशित हुआ है।

रोचक खबरें

बहराइच के इस पेड़ का नाम 'गुदगुदी वाला पेड़', छूते ही होती है रहस्यमयी चीज

बहराइच। जिले में स्थित कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य केवल अपने दुर्लभ जानवरों और घने जंगलों के लिए ही नहीं, बल्कि एक बेहद अनोखे पेड़ के लिए भी देश-दुनिया में प्रसिद्ध है। इस जंगल में मौजूद एक विशेष पेड़ अपनी अनोखी संवेदनशीलता के कारण पर्यटकों के बीच हमेशा चर्चा का विषय बना रहता है। जब भी कोई व्यक्ति इस पेड़ के तने को हल्के से छूता या सहलाता है, तो इसकी टहनियों और पत्तियों में अचानक कंपन शुरू हो जाता है। यही वजह है कि स्थानीय लोग और यहां आने वाले पर्यटक इसे प्यार से गुदगुदी करने वाला पेड़ या खुजली वाला पेड़ कहकर पुकारते हैं। कतर्नियाघाट आने वाला हर पर्यटक इस प्राकृतिक अजूबे का खुद अनुभव करने के लिए यहां रुकना नहीं भूलता। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस विशाल पेड़ को किसी इंसान ने नहीं लगाया, बल्कि यह घने जंगल के प्राकृतिक वातावरण में खुद-ब-खुद उगा है। सालों पहले जब कतर्नियाघाट को ईको-टूरिज्म के रूप में पहचान मिली और यहां लोगों की आवाजाही शुरू हुई, तब एक पर्यटक की नजर सड़क किनारे खड़े इस पेड़ पर पड़ी। जैसे ही उस पर्यटक ने पेड़ के तने पर अपना हाथ रखा, पूरा पेड़ अचानक इस तरह हिलने लगा मानो उसे किसी ने सहला दिया हो।

खोखली हुई 300 मीटर गहरी खदान, आज बनी दुनिया की सबसे खूबसूरत झील

मैड्रिड। प्रकृति और मानव प्रयास का अनोखा संगम देखने को मिला है स्पेन में। उत्तर-पश्चिम स्पेन के गैलिसिया क्षेत्र में स्थित आस पोंटेस की एक विशाल कोयला खदान आज एक भव्य झील में बदल चुकी है। ये खदान लगभग 300 मीटर गहरी थी और दशकों की खुदाई के बाद पूरी तरह खोखली हो गई थी। फिर इंजीनियरों ने इसमें पानी भरना शुरू किया। चार साल से भी कम समय में अरबों लीटर पानी समा गया और स्पेन को एक नई बड़ी आर्टिफिशियल झील मिल गई। आज ये झील पर्यावरण रिकवरी का शानदार उदाहरण मानी जाती है। इसकी कहानी 1940 के दशक से शुरू होती है। उस समय राज्य नियंत्रित कंपनी ने आस पोंटेस क्षेत्र में लिग्नाइट यानी भूरे कोयले की खुदाई शुरू की थी। लिग्नाइट कोयला का एक नरम और कम ऊर्जा घनत्व वाला रूप है। इसे पैदा करने के लिए ज्यादा मात्रा में मिट्टी और चट्टान हटानी पड़ती है। 1972 तक ये खदान और उससे सटी बिजली संयंत्र एंडेसा नामकी कंपनी के अधीन आ गई। ये स्पेन का सबसे बड़ा कोयला आधारित बिजली प्लांट था। करीब 60 साल की खुदाई में लगभग 260 मिलियन टन लिग्नाइट निकाला गया. नतीजा ये हुआ कि जमीन में एक विशाल गड्ढा बन गया, जो गहराई में एफिल टॉवर की ऊंचाई के करीब और विस्तार में सैकड़ों फुटबॉल मैदानों जितना बड़ा था।

सबसे खूबसूरत कब्रिस्तान, लगता है महल जैसा

रोम। कब्रिस्तान का नाम सुनते ही ज्यादातर लोगों के दिमाग में एक ऐसी जगह की तस्वीर बनती है, जहां चारों तरफ कब्रें हों, सन्नाटा पसरा हो और जगह थोड़ी गंदी या सुनसान सी दिखाई देती हो। आमतौर पर लोग कब्रिस्तान को घूमने की जगह भी नहीं मानते। लेकिन, दुनिया में कुछ ऐसी जगहें भी हैं, जो इस सोच को पूरी तरह बदल देती हैं। यहां कब्रों के बीच ऐसी खूबसूरत इमारतें, मूर्तियां और नक्काशी देखने को मिलती हैं कि पहली नजर में यकीन करना मुश्किल हो जाता है कि आप किसी कब्रिस्तान में खड़े हैं। ऐसी ही एक अनोखी जगह इटली के मिलान शहर में मौजूद है। इसे मॉन्यूमेंटल सेमिट्री के नाम से जाना जाता है।

कब्रिस्तान की जगह दिखता है ऐतिहासिक महल जैसा नजारा

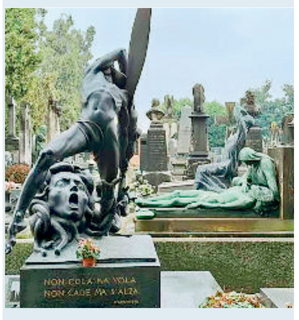

मॉन्यूमेंटल सेमिट्री की सबसे खास बात इसकी आर्किटेक्चर है। यहां मौजूद बड़ी-बड़ी इमारतों, कब्रों और स्मारकों पर बेहद बारीक नक्काशी देखने को मिलती है। कई जगहों पर बनी मूर्तियां इतनी खूबसूरत हैं कि उन्हें देखकर ऐसा लगता है जैसे किसी आर्ट गैलरी में आ गए हों। इस जगह का परिसर भी काफी व्यवस्थित और साफ-सुथरा नजर आता है।

दीदार करने दूर-दूर से आते हैं टूरिस्ट!

कब्रों के बीच दिखती है कला और इतिहास की झलक

यह जगह सिर्फ कब्रों के लिए मशहूर नहीं है। यहां मौजूद अलग-अलग स्मारक और मूर्तियां अपने अंदर इतिहास और कला की कहानी समेटे हुए हैं। यही वजह है कि यह जगह सिर्फ स्थानीय लोगों के लिए ही नहीं, बल्कि इतिहास और कला में दिलचस्पी रखने वाले टूरिस्ट के लिए भी खास मानी जाती है। यहां घूमते समय आपको कई तरह की आर्किटेक्चर देखने को मिलती है। कहीं बड़े स्मारक दिखाई देते हैं तो कहीं खूबसूरत मूर्तियां और पत्थरों पर की गई बारीक नक्काशी ध्यान खींचती है।

बाहर फूलों की दुकानों से और खूबसूरत हो जाता है माहौल

कब्रिस्तान के बाहर का नजारा भी अपने आप में खास है। यहां टूरिस्ट और लोगों के लिए फूलों की कई दुकानें लगी रहती हैं। लोग रंग-बिरंगे और ताजे फूल खरीदकर अपने प्रियजनों की कब्र पर चढ़ा सकते हैं। फूलों की सजावट और उनकी खुशबू इस जगह के माहौल को और भी शांत और खूबसूरत बना देती है। यहां आने वाले लोग अक्सर कुछ समय शांति से बिताते हैं और अपने करीबियों को याद करते हैं। कब्रिस्तान होने के बावजूद यहां का माहौल डरावना कम और शांत ज्यादा महसूस होता है। बड़ी-बड़ी इमारतों और कलाकृतियों के बीच घूमते हुए ऐसा लगता है जैसे इतिहास के किसी पुराने दौर में पहुंच गए हों।

चुगली कर करोड़पति बनी महिला, बस लीक कर देती थी मोहल्ले का सीक्रेट!

नई दिल्ली। चुगली को आमतौर पर लोग एक बुरी आदत के तौर पर देखते हैं। मोहल्ले में कौन किससे लड़ रहा है, किसके घर में क्या चल रहा है, किसकी किससे दोस्ती है या किस परिवार में कौन-सा विवाद चल रहा है—इन बातों को इधर से उधर पहुंचाने वाले व्यक्ति को आमतौर पर कोई बहुत सम्मान की नजर से नहीं देखता। लेकिन, कोलंबिया से सामने आई एक वायरल कहानी ने चुगली को ही कमाई का जरिया बना दिया। दावा है कि क्विंडियो क्षेत्र की 67 वर्षीय मरियम नाम की महिला ने वर्षों तक अपने आसपास रहने वाले लोगों की निजी जिंदगी से जुड़ी बातें नोट करनी शुरू कीं।

कैसे शुरू हुई 'गॉसिप नोटबुक' : कहा जाता है कि मरियम ने अपने आसपास होने वाली घटनाओं को लंबे समय तक चुपचाप नोट करना शुरू किया था। मोहल्ले में रहने वाले लोगों की जिंदगी में रोजाना कुछ ना कुछ होता रहता है। कहीं पति-पत्नी के बीच झगड़ा, कहीं पड़ोसियों में विवाद, कहीं किसी रिश्ते को लेकर चर्चा तो कहीं परिवार के अंदर चल रही कोई परेशानी। अधिकांश लोग ऐसी बातें सुनते हैं और कुछ समय बाद भूल जाते हैं। लेकिन मरियम कथित तौर पर इन घटनाओं को याद रखने और लिखने लगीं। धीरे-धीरे उनके पास ऐसी जानकारियों का संग्रह तैयार हो गया, जिसके बारे में आसपास के लोग खुद भी उत्सुक रहने लगे। यहीं से कथित तौर पर उनकी 'गॉसिप सर्विस' की शुरुआत हुई। किसी को यह जानना होता कि मोहल्ले में फलां व्यक्ति के साथ क्या चल रहा है, किसी दूसरे परिवार का विवाद किस वजह से हुआ या किसी रिश्ते के पीछे असली कहानी क्या है, तो मरियम के पास जवाब होने का दावा किया गया. वायरल कहानी के मुताबिक, उन्होंने इस जिज्ञासा को अपनी कमाई का जरिया बना लिया।

चुगली ने बनाया रईस

मरियम ने इन जानकारियों को मुफ्त में बताने के बजाय उनके लिए पैसे लेने शुरू कर दिए. जिस व्यक्ति को मोहल्ले में चल रही किसी खास बात की जानकारी चाहिए होती, वह कथित तौर पर मरियम से संपर्क करता और जानकारी के बदले पैसे देता. दावा है कि हर खबर की कीमत एक जैसी नहीं होती थी। अगर मामला ज्यादा दिलचस्प या सनसनीखेज होता, तो उसकी कीमत भी ज्यादा हो जाती थी। वायरल कहानी के मुताबिक, इस अनोखे काम से इतनी कमाई हुई कि मरियम ने अपना सपना पूरा करते हुए घर खरीद लिया। इसके बाद कथित तौर पर कमाई जारी रही और उन्होंने दूसरा घर भी खरीद लिया। यानी जिस काम को आमतौर पर लोग सिर्फ 'मोहल्ले की चुगली' कहते हैं, उसी को इस महिला ने कथित तौर पर एक बिजनेस मॉडल में बदल दिया।

Ajay Advt.

सूरज से 30 गुना बड़े तारे की मौत, 50 करोड़ प्रकाश वर्ष दूर महाविस्फोट

वॉशिंगटन। खगोलविदों ने एक बहुत बड़े तारे के विस्फोट के साथ खत्म होने की दुर्लभ प्रक्रिया को शुरू से अंत तक देखा है। इस घटना पर मार्च से ही नजर रखी जा रही थी। इस बीच चीन के आइंस्टीन प्रोब स्पेस टेलीस्कोप ने एक्स-रे की एक क्षणिक चमक का पता लगाया। यह चमक तब पैदा हुई, जब तारे के ढहते हुए कोर में हुए धमाके से निकली शक्तिशाली शॉक वेव तारे की सतह को चीरते हुए निकल बाहर निकली। इसे 'शॉक ब्रेकआउट' कहा जाता है। यह हर सुपरनोवा में होता है, लेकिन इसे देख पाना बहुत मुश्किल होता है, क्योंकि यह बहुत कम समय के लिए होता है। 2008 के बाद से यह पहली बार था जब शॉक ब्रेकआउट को देखा गया है। पिट्सबर्ग की कार्नेगी मेलन यूनिवर्सिटी में पोस्टडॉक्टरल फेलो और एस्ट्रोफिजिकल जर्नल लेटर्स में छपे सुपरनोवा से जुड़े दो वैज्ञानिक पेपर्स में से एक के मुख्य लेखक, खगोलविद ब्रेंडन ओ'कॉनर ने कहा, 'इसे असल समय में पकड़ने के लिए किस्मत की जरूरत होती है।'

विस्फोट के बाद बना है एक ब्लैक होल

माना जाता है कि इस विस्फोट के बाद एक ब्लैक होल बना है, जो बहुत ज्यादा घनत्व वाली चीज है और जिसकी गुरुत्वाकर्षण शक्ति इतनी ज्यादा है कि प्रकाश भी उससे बाहर नहीं निकल सकता। विस्फोट से पहले, यह एक वुल्फ-रायट तारा था, जो एक दुर्लभ और विशाल प्रकार का तारा है और जिसने शक्तिशाली तारकीय हवाओं के जरिए अपनी बाहरी हाइड्रोजन और हीलियम की परतें छोड़ दी थीं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com